

मौसम

अधिकतम तापमान

34.9 °C

न्यूनतम तापमान

20.6 °C

सूर्योदय - 6.04

सूर्यास्त - 5.52



स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



गुरु रंधावा का नया गीत
फोशो रिलीज... ▶▶ 7



शासकीय कन्या महाविद्यालय
कटनी में ... ▶▶ 9

सीईसी के विरुद्ध...विपक्ष का मार्च युद्ध

प्रधानमंत्री मोदी ने वोट चोरी कर देश को कर दिया है हाईजैक : राहुल

नई दिल्ली (वार्ता)

विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन के सांसदों ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग करते हुए मंगलवार को संसद भवन से चुनाव आयोग की ओर मार्च किया लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया, जिसके बाद सांसद नीति आयोग के सामने धरने पर बैठ गये। सभी विपक्षी सांसद इससे पहले संसद भवन के मकर द्वार पर एकत्रित

हुए और वहां से लोकतंत्र बचाव के नारे लगाते हुए चुनाव आयोग की तरफ बढ़ने लगे। पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया तो सभी सांसद नीति आयोग के सामने धरने पर बैठ गए। पुलिस के रोकने के बाद कई सांसद जबरदस्ती आगे बढ़ाने की कोशिश करते हुए बैरिकेड पर चढ़ गये। काफी देर तक आगे नहीं बढ़ पाने पर सभी सांसदों ने वहीं बैठकर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस बीच लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, ज्ञानेश, हो गया भाई। अब इस्तीफा देने का समय है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर सीधा हमला करते हुए कहा है कि उन्होंने वोट चोरी करके देश को हाईजैक कर दिया है और गृहमंत्री अमित शाह, आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत तथा मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने इस काम में उनकी मदद की है। राहुल गांधी ने विपक्षी दलों के सांसदों के संसद से निर्वाचन सदन तक मार्च के दौरान मंगलवार को यहां आकाशवाणी भवन के सामने करीब पांच घंटे तक रोके जाने के बाद मीडिया से बातचीत में कहा कि कुछ घंटे पहले करीब 300 लोकसभा और राज्यसभा सांसद उनके साथ आये थे। सभी सांसद मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा उनके दो सहयोगियों से मिलना चाहते थे लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। उनका कहना था कि सांसद देश के प्रतिनिधि हैं और देश की जनता की आवाज का प्रतिनिधित्व करते हैं। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव

ने कहा कि निर्वाचन आयोग पर पहले भी आरोप लगते रहे हैं। उन्होंने कहा कि आयोग ने 2017, 2019, 2022 और 2024 के चुनाव में बेईमानी की और पश्चिम बंगाल में पूरी तरह से वोट चोरी का खेल खेला।

देश के लोकतंत्र को खत्म कर दिया

राहुल गांधी ने कहा, अमित शाह, नरेंद्र मोदी, मोहन भागवत और ज्ञानेश कुमार, इन लोगों ने देश के लोकतंत्र को खत्म कर दिया है। पूरा देश तथा देश के युवा इस बात को मानते और समझते हैं। हमें रोक रहे पुलिसकर्मी भी झ्यही कह रहे हैं कि हम जानते हैं। असल में देश को नरेंद्र मोदी ने वोट चोरी करके हाईजैक किया है, अमित शाह जी ने हाईजैक किया है, मोहन भागवत जी ने हाईजैक किया है और ज्ञानेश कुमार ने उनकी मदद की है। कांग्रेस नेता ने कहा मैं सोच-समझकर कह रहा हूं कि इन सभी लोगों के खिलाफ कार्रवाई होगी और इनमें से एक व्यक्ति भी बचकर नहीं जायेगा।

एसआईआर के नाम पर कर रहे देशद्रोह

करीब साढ़े पांच घंटे तक आकाशवाणी भवन के भीतर रखने के बाद उन्हें बाहर लाया गया और जब वह नहीं माने तो हिरासत में लिया गया। राहुल गांधी ने हिरासत में लिए जाने से पहले पत्रकारों से कहा कि देश में लोकतंत्र को खत्म कर दिया गया है। एसआईआर के नाम पर जो कुछ देश के साथ किया गया है, वह देशद्रोह है। देशद्रोह करने वालों में से कोई बच नहीं पायेगा और सभी के खिलाफ कार्रवाई होगी।

ज्ञानेश कुमार से मिलने की जिद

उन्होंने कहा कि करीब 300 सांसद ज्ञानेश कुमार से मिलना चाहते हैं लेकिन ज्ञानेश कुमार जो डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि यदि देश के प्रतिनिधियों से निर्वाचन आयोग नहीं मिलेगा तो लोकतंत्र का क्या मतलब है। एक सवाल पर उन्होंने कहा, हम सिर्फ उनका मुकाबला नहीं करने जा रहे हैं, हम उन्हें खत्म करने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हम हिंदुस्तान के लोकतंत्र को बचाने के लिए यहां खड़े हैं। उन्होंने कहा कि उनके साथ आए 300 सांसद भी देश में लोकतंत्र को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।



एयर मार्शल अशुतोष दीक्षित वायु सेना प्रमुख नियुक्त



नई दिल्ली। सरकार ने एयर मार्शल अशुतोष दीक्षित को भारतीय वायु सेना का 29वां प्रमुख नियुक्त किया है। वे 31 अक्टूबर 2026 को दोपहर से एयर चीफ मार्शल के पद पर कार्यभार संभालेंगे। वर्तमान चीफ ऑफ एयर स्टाफ एयर चीफ मार्शल एपी सिंह उसी दिन सेवानिवृत्त हो रहे हैं। यह नियुक्ति वायु सेना के नेतृत्व में बदलाव का महत्वपूर्ण कदम है। एयर मार्शल अशुतोष दीक्षित फिलहाल वायस चीफ ऑफ एयर स्टाफ के पद पर हैं। वे 9 दिसंबर 1966 को पैदा हुए और 6 दिसंबर 1986 को लड़ाकू विमान धारा में कमीशन हुए। इससे पहले वे चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ और सेंट्रल एयर कमांड के एयर ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ रह चुके हैं।

इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट एवं लॉजिस्टिक्स अथॉरिटी की स्थापना को मंजूरी

नई दिल्ली (वार्ता)। सरकार ने परिवहन और लॉजिस्टिक्स के व्यापक क्षेत्रों में अनुसंधान, योजना, परियोजना मूल्यांकन, निगरानी और प्रभाव आकलन को मजबूत करने के लिए एक विशेष प्रयोजन निकाय के रूप में इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट एवं लॉजिस्टिक्स अथॉरिटी (आईटीएलए) की स्थापना को मंगलवार को मंजूरी दी, जो राष्ट्रीय स्तर की संस्था होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में यहां मंत्रिमंडल की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गयी। निर्णय की जानकारी देते हुए सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने संवाददाताओं को बताया कि यह निकाय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के औद्योगिकी नीति एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के तहत काम करेगा। उन्होंने कहा कि भारत के आर्थिक विकास में परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स सुविधाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होने जा रही है और जिस गति से अर्थव्यवस्था बढ़ रही है, इसकी मांग बढ़ेगी।

दलबदल संवैधानिक पाप: सुप्रीम कोर्ट

चार साल से चल रहा है शिवसेना चुनाव चिह्न विवाद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट में मंगलवार को शिवसेना के चुनाव चिह्न विवाद पर सुनवाई हुई। इस दौरान सीजेआई जस्टिस सूर्यकांत की बेंच ने पूछा कि क्या उन लोगों को पार्टी का निशान दिया जा सकता है जिन्होंने दलबदल जैसा संवैधानिक पाप किया है? कोर्ट यह जानना चाहता है कि क्या सिर्फ विधायकों की संख्या को ही एकमात्र पैमाना मानना सही है, जबकि उन विधायकों के खिलाफ अयोग्यता की कार्रवाई कोर्ट में चल रही हो। सुप्रीम कोर्ट ने पहले भी पूछा था कि चुनाव आयोग दोनों गुटों को धनुष-बाण निशान देने से इनकार क्यों नहीं किया था। पीठ में प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत के अलावा न्यायमूर्ति जय्यामल्ल्या



बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना शामिल हैं। अब इस मामले की सुनवाई बुधवार को होगी। न्यायमूर्ति बागची ने संगठन के सदस्यों की संख्या के आधार पर जमीनी समर्थन तय करने के तरीके पर भी सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि भारतीय राजनीति की उलझी हुई स्थिति में केवल संगठनात्मक सदस्यों की संख्या के आधार पर

वास्तविक जमीनी समर्थन का आकलन करना मुश्किल हो सकता है। कौल ने एक फैसले का हवाला देते हुए कहा कि उसमें यह नहीं कहा गया था कि अयोग्यता का प्रभाव जरूरी तौर पर पिछली तारीख से लागू होगा। उन्होंने कहा कि संबंधित फैसला उस स्थिति से जुड़ा था, जिसमें विधानसभा अध्यक्ष की ओर से अयोग्यता

2024 के फैसले को चुनौती

मुख्य याचिका उद्धव ठाकरे गुट के सुनील प्रभु ने दायर की है। इसमें महाराष्ट्र विधानसभा के स्पीकर के 10 जनवरी 2024 के फैसले को चुनौती दी गई है। स्पीकर ने दसवीं अनुसूची के तहत शिंदे गुट के विधायकों को अयोग्य ठहराने से इनकार किया था। उद्धव ठाकरे की ओर से दायर एक और याचिका में चुनाव आयोग के उस फैसले को चुनौती दी गई है, जिसमें शिंदे गुट को आधिकारिक शिवसेना माना गया था। इसी फैसले के तहत शिंदे गुट को पार्टी का धनुष-बाण चुनाव चिह्न भी दिया गया था।

याचिकाओं पर फैसला किए जाने से पहले ही विभाजन का सवाल सामने आया था। उनके अनुसार, अदालत ने अयोग्यता की जांच उन परिस्थितियों के आधार पर करने का निर्देश दिया था, जो याचिकाएं दाखिल किए जाने के समय मौजूद थीं। सुनवाई के दौरान शिंदे गुट ने दलीलें दी कि

चुनाव आयोग का विधायी बहुमत का आधार पर फैसला लेना कानूनी रूप से सही था। उन्होंने कहा कि उनके पास पार्टी के अधिकतर चुने हुए विधायक और सांसद हैं (55 में से 40 विधायक और 18 में से 13 सांसद), जो यह साबित करता है कि वे ही असली शिवसेना हैं।

हाईवे पर खड़े वाहनों की निगरानी के लिए इलेक्ट्रॉनिक सिस्टम क्यों नहीं

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजमार्गों पर खड़े या पार्क किए गए वाहनों से होने वाले सड़क हादसों को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने गंभीर चिंता जताई है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान कोर्ट ने सवाल किया कि भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) के पास ऐसा इलेक्ट्रॉनिक निगरानी तंत्र क्यों नहीं हो सकता, जिससे हाईवे पर खड़े किसी वाहन की तुरंत पहचान और निगरानी की जा सके। यह टिप्पणी राजस्थान के फलोदी में नवंबर 2025 में हुए सड़क हादसे से जुड़े स्वतः संज्ञान मामले की सुनवाई के दौरान आई। इस हादसे में 15 लोगों की मौत हुई थी। जस्टिस विक्रम नाथ, ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह और सदीप मेहता की पीठ मामले की सुनवाई कर रही



थी। सुप्रीम कोर्ट की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता और एमिकस क्यूरी एनएस नाडकर्णी ने हाईवे पर वाहनों की पार्किंग से जुड़े कुछ हालिया सड़क हादसों का

जिक्र किया। इसके बाद पीठ ने सवाल किया कि एनएचएआई के पास पर्याप्त संसाधन होने के बावजूद ऐसा इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस सिस्टम क्यों नहीं हो सकता, जिससे हाईवे पर स्थिर या पार्क किए गए किसी वाहन की तुरंत पहचान की जा सके। सुनवाई के दौरान एक वकील ने कोर्ट को बताया कि एनएचएआई हाईवे पर पेट्रोलिंग करता है। सुप्रीम कोर्ट ने सितंबर में इस मामले की सुनवाई के दौरान भी हाईवे पर अतिक्रमण और खड़े वाहनों का मुद्दा उठाया था। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की आगली सुनवाई के लिए 13 अक्टूबर की तारीख तय की है और कहा है कि वह हाईवे से अतिक्रमण हटाने से जुड़े आवेदनों पर भी सुनवाई करेगा।

डब्ल्यूएचओ: कौन सी बीमारियां बढ़ा रहीं दुनिया की टेंशन

कोविड के बाद सेहत में कितना बदलाव आया

नई दिल्ली

साल 2020-23 तक दुनिया ने कोरोना के खतरनाक दौर का सामना किया। इस दौरान करोड़ों लोग संक्रमण का शिकार हुए, बड़ी संख्या में लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी। कोरोना के दुष्प्रभाव यानी लॉन्ग कोविड का खतरा भी लंबे समय तक देखा गया। अब हालिया रिपोर्ट थोड़ी राहत देने वाली है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने हाल ही में नए वैश्विक स्वास्थ्य अनुमान जारी किए हैं, जिसमें बताया गया है कि कोविड के बाद अब दुनिया की सेहत में धीरे-धीरे बदलाव आ रहा है। हालांकि डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट ने स्वास्थ्य की एक ऐसी तस्वीर सामने रखी है, जिसमें राहत और चिंता दोनों साथ दिखाई देती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में लोग अब पहले से ज्यादा लंबी जिंदगी जी रहे हैं। कोविड-19 महामारी ने दुनियाभर में लाइफ एक्सपेक्टेंसी को पीछे



धकेल दिया था, लेकिन अब औसत जीवन प्रत्याशा फिर से महामारी से पहले के स्तर के करीब पहुंचती देखी जा रही है। 2023 में यह 73.3 साल रही। हालांकि, स्वस्थ जीवन जीने की अवधि अभी पूरी तरह वापस नहीं आई है। सबसे बड़ा बदलाव बीमारियों की तस्वीर में दिख रहा है। कभी

दुनिया में संक्रामक बीमारियां मौत की सबसे बड़ी वजहों में शामिल थीं, लेकिन अब डायबिटीज, दिल की बीमारी, डिमेंशिया, मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं और नशीली दवाओं से जुड़ी बीमारियां तेजी से बड़ा बोझ बन रही हैं। डब्ल्यूएचओ के आंकड़े बताते हैं कि

स्वस्थ जीवन के साल घट रहे

डब्ल्यूएचओ के नए वैश्विक स्वास्थ्य अनुमानों के मुताबिक दुनिया में अब लोग लंबी उम्र तो जी रहे हैं, लेकिन स्वस्थ जीवन के साल घट रहे हैं। 2023 में दुनिया की औसत जीवन प्रत्याशा 73.3 साल रही, जो कोरोना महामारी के पहले साल 2019 के 73.4 साल के स्तर के करीब पहुंच गई है। हालांकि, लोगों का स्वस्थ जीवकाल 62.8 साल रही, जो 2019 के मुकाबले करीब 0.4 साल कम है। यानी लोग अधिक समय तक जीवित हैं, लेकिन जीवन के अतिरिक्त वर्षों का बड़ा हिस्सा बीमारी या स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों के साथ बीत रहा है।

दिल की बीमारियां सबसे बड़ा खतरा

वैश्विक स्वास्थ्य का बोझ अब संक्रामक बीमारियों से आगे बढ़कर गैर-संचारी रोगों (एनसीडी) पर केंद्रित हो रहा है। 2023 में दुनिया में हुई कुल मौतों में करीब 74 प्रतिशत की वजह एनसीडी रहीं, जबकि 2000 में इनका हिस्सा 58 प्रतिशत था। दुनिया में मौत और बीमारी के कुल बोझ की बात करें तो हृदय और रक्त वाहिकाओं से जुड़ी बीमारियां अब भी सबसे ऊपर हैं। 2023 में सिर्फ इस्केमिक हार्ट डिजीज यानी हृदय तक खून पहुंचाने वाली धमनियों में रुकावट या संकुचन के कारण होने वाली दिल की बीमारी से करीब 95 लाख लोगों की मौत हुई।

दुनिया सिर्फ महामारी से उबर नहीं रही, दिल की बीमारी अब भी सबसे बड़ा बल्कि बीमारी का पूरा पैटर्न बदल रहा है। खतरा है।

6 सीटों पर वोटिंग खत्म

नई दिल्ली। देश के चार राज्यों पश्चिम बंगाल, असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में 6 सीटों पर मंगलवार को हुई वोटिंग शाम 6 बजे खत्म हो गई। शाम 5 बजे तक के वोटर टर्नआउट में सबसे ज्यादा 83.86 प्रतिशत वोटिंग तमिलनाडु के मदुरैतकम में दर्ज की गई। जिन सीटों पर वोटिंग हुई, उनमें पश्चिम बंगाल की नंदीग्राम और रेजीनगर, तमिलनाडु की मदुरैतकम और धारापुरम, पुडुचेरी की थट्टानचावडी विधानसभा सीट और असम की नगाव लोकसभा सीट शामिल हैं। सभी सीटों के नतीजे 9 अक्टूबर को आएंगे।

ब्रह्मोस एयरोस्पेस के साथ 661.50 करोड़ का अनुबंध

नई दिल्ली (वार्ता)। रक्षा मंत्रालय ने नौसेना के युद्धपोतों के लिए ब्रह्मोस फायर कंट्रोल सिस्टम और लॉन्चर खरीदने के लिए ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ 661.50 करोड़ रुपये के अनुबंध पर हस्ताक्षर किये हैं। रक्षा मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि यह खरीद भारतीय कंपनियों से की जायेगी। इस अनुबंध पर यहां रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में हस्ताक्षर किये गये। परियोजना में करीब 68 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री होगी और इसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों समेत विभिन्न भारतीय उद्योगों की भागीदारी को बढ़ावा मिलेगा। परियोजना से तीन साल की अवधि में रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे।

मजदूरी भुगतान और सड़क की मांग को लेकर बैगा परिवारों ने कलेक्टर से लगाई गुहार

बरगिहाई टोला में 100 से अधिक परिवार निवासरत, एक किमी सड़क नहीं बनने से आवागमन में परेशानी का आरोप

शहडोल (स्वतंत्रमत)

जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पंचायत नरगी के बरगिहाई टोला वार्ड क्रमांक 01 के ग्रामीणों ने विभिन्न समस्याओं को लेकर कलेक्टर को आवेदन सौंपकर निराकरण की मांग की है। ग्रामीणों के अनुसार टोले में 100 से अधिक बैगा परिवार निवासरत हैं, जिन्हें मजदूरी भुगतान, प्रधानमंत्री जनमन आवास, राशन और सड़क जैसी मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीणों ने शिकायत में बताया कि बरगिहाई टोला में स्वामीदीन बैगा, बसंता बैगा, हरी बैगा और मैक बैगा के खेत-तालाब में मजदूरी करने के बावजूद भुगतान नहीं किया गया। इसके अलावा मेड़बंधान कार्य तथा प्राथमिक विद्यालय बरगिहाई टोला की बाड़ेंडूवाल निर्माण में काम करने वाले मजदूरों को भी मजदूरी नहीं मिलने का आरोप लगाया गया है।



जनमन आवास की मजदूरी नहीं मिलने की शिकायत

ग्रामीणों ने प्रधानमंत्री जनमन आवास योजना के तहत 95 दिवस की मजदूरी राशि नहीं मिलने की भी शिकायत की है। आवेदन में ग्राम रोजगार सहायक अरुण गुप्ता पर

आवास की किस्त जारी कराने के नाम पर राशि लेने का आरोप लगाया गया है। वहीं राशन की पात्रता पचीं के लिए आवेदन करने के बाद भी राशन नहीं मिलने तथा राशि की मांग किए जाने का आरोप लगाया गया है। ग्रामीणों ने ग्राम रोजगार सहायक और सरपंच के बीच मिलीभगत की आशंका जताते हुए पूरे मामले की जांच कराने तथा दोषी पाए जाने पर

कार्यवाही की मांग की है। हालांकि, लगाए गए आरोपों की स्वतंत्र रूप से पुष्टि नहीं हुई है।

एक किलोमीटर सड़क के लिए भी लगाई गुहार

ग्रामीणों ने बरगिहाई टोला में करीब एक किलोमीटर सड़क निर्माण की मांग भी रखी है। उनका कहना है कि कई बार आवेदन और मौखिक रूप से मांग करने के बावजूद सड़क का निर्माण नहीं कराया गया। सड़क नहीं होने से गर्भवती महिलाओं, स्कूली बच्चों और किसानों को आवागमन में परेशानी होती है। ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से सभी शिकायतों की विधिवत जांच कर लंबित मजदूरी का भुगतान कराने, सड़क निर्माण कराने तथा संबंधित जिम्मेदारों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने की मांग की है। आवेदन में एक सप्ताह के भीतर कार्यवाही नहीं होने पर अनशन करने की चेतावनी भी दी गई है।



उनका आरोप है कि निर्माण कार्य अभी पूर्ण नहीं हुआ है, इसके बावजूद नहर के क्षतिग्रस्त होने की स्थिति सामने आई है। इससे निर्माण में इस्तेमाल सामग्री और निर्धारित तकनीकी मापदंडों के पालन को लेकर ग्रामीणों में सवाल उठ रहे हैं। किसानों ने परियोजना की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए भूमि अधिग्रहण, मुआवजा वितरण, स्वीकृत लागत, डीपीआर, तकनीकी स्वीकृति, माप पुस्तिका (एमबी), निर्माण में प्रयुक्त सामग्री, भुगतान एवं कार्य की प्रगति की जांच कराने की मांग की है। साथ ही नहर के क्षतिग्रस्त होने के कारणों की स्वतंत्र तकनीकी जांच कराए जाने की मांग भी की गई है। शिकायतकर्ताओं ने कलेक्टर से मांग की है कि पात्र प्रभावित किसानों को शीघ्र मुआवजा दिलाया जाए तथा निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच कर यदि किसी स्तर पर अनियमितता या लापरवाही सामने आती है तो नियमानुसार कार्यवाही की जाए।

गोहपारु महाविद्यालय की विभिन्न समस्याओं को लेकर एनएसयूआई ने प्राचार्य को सौंपा झापन

शहडोल (स्वतंत्रमत)

भारतीय राष्ट्रीय छात्र संगठन एनएसयूआई जिला शहडोल द्वारा जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी के नेतृत्व में गोहपारु महाविद्यालय में अध्ययनरत विद्यार्थियों की विभिन्न समस्याओं एवं मूलभूत सुविधाओं की कमी को लेकर महाविद्यालय के प्राचार्य को मांग पत्र सौंपा गया। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सौरभ तिवारी ने छात्रहित से जुड़े विभिन्न मुद्दों का शीघ्र निराकरण किए जाने की मांग की। एनएसयूआई द्वारा सौंपे गए मांग पत्र में विद्यार्थियों के आने-जाने के लिए उचित एवं सुगम रास्ते की व्यवस्था करने, केमेस्ट्री विषय के शिक्षक की शीघ्र नियुक्ति/व्यवस्था करने, लैब की



समस्याओं को दूर कर आवश्यक उपकरण एवं सुविधाएं उपलब्ध कराने तथा नियमित प्रैक्टिकल कराए जाने की मांग की गई। इसके साथ ही विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक विकास के लिए खेल मैदान एवं आवश्यक खेल सुविधाएं

करने तथा पाँच विषय का कोर्स प्रारंभ कराने की मांग की है। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष सौरभ तिवारी ने कहा कि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना महाविद्यालय प्रशासन की जिम्मेदारी है। छात्र-छात्राओं की समस्याओं का शीघ्र निराकरण नहीं होने पर एनएसयूआई द्वारा छात्रहित में आगे भी लोकतांत्रिक तरीके से आवाज उठाई जाएगी। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से एनएसयूआई जिलाध्यक्ष सौरभ तिवारी, सोशल मीडिया प्रमुख महेंद्र यादव, आशु सिंह, आयुष गुप्ता मोहम्मद इज्जाल, नईम सहित काफी संख्या में छात्र छात्राएं मौजूद रहे।

सेवा संकल्प अभियान के तहत निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित

जरूरतमंद नागरिकों को चश्मे वितरित कर स्वास्थ्य सुविधा पहुंचाने का प्रयास

शहडोल (स्वतंत्रमत)

सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत ‘सेवा मेरा योगदान’ कार्यक्रम के तहत जिला चिकित्सालय में निःशुल्क नेत्र जांच एवं चश्मा वितरण स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में जरूरतमंद नागरिकों की नेत्र जांच कर उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य परामर्श दिया गया तथा चयनित लाभार्थियों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जयसिंहनगर विधायक मनोभा सिंह एवं भाजपा जिलाध्यक्ष अमिता चपरा ने



शिविर का अवलोकन किया। उन्होंने स्वास्थ्य जांच एवं चश्मा वितरण की व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए लाभार्थियों से संवाद किया और उन्हें चश्मे

वितरित किए। इस अवसर पर भूपेंद्र मिश्रा, संतोष लोहानी, सिल्लू रजक, शिल्पी शराफ, डॉ. आरती भारिल, पूजा सोनी सहित जिला पदाधिकारीगण उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में सहयोग करने वाले पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने स्वास्थ्य शिविर को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शिविर के माध्यम से जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंचाने के साथ उन्हें बेहतर जीवन जीने में सहयोग देने का प्रयास किया गया। वक्ताओं ने कहा कि जरूरतमंदों की सेवा केवल सहायता प्रदान करना नहीं, बल्कि उनके जीवन में सुविधा और मुस्कान लाने का माध्यम है। इस तरह के सेवा कार्य समाज में संवेदना, सहयोग और जनकल्याण की भावना को मजबूत करते हैं।

कुल का दीप कुर्सी पर रोशन, अंधेरे में तबादला आदेश..!

उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश वन विभाग में प्रशासनिक आदेशों के पालन को आया है, जिसने विभागियों का प्रयास को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया है। सहायक वन संरक्षक कुलदीप नारायण त्रिपाठी, जो कि लंबे समय से उमरिया में पदस्थ हैं, उनका मध्यप्रदेश शासन के वन विभाग ने 18 सितंबर 2026 को उमरिया से अनूपुर तबादला कर दिया। जारी आदेश में उन्हें नवीन पदस्थापना पर तत्काल प्रभाव से पदस्थ किए जाने का स्पष्ट उल्लेख है। बावजूद इसके तबादला होने के बाद भी सामान्य वन मंडल उमरिया में पदस्थ एसडीओ (एफ) का कुर्सी से मोह नहीं छूट रहा है। लगभग

18 दिन बाद भी कुलदीप त्रिपाठी की गाड़ी नए पदस्थापना क्षेत्र अनूपुर कार्य भार संभालने के लिए नहीं पहुंची। बताया गया कि वे अभी तक उमरिया के कार्यभार से मुक्त नहीं हुए हैं और न ही नई पदस्थापना अनूपुर में कार्यभार ग्रहण किया है। त्रिपाठी के संबंध में सूत्र बताते हैं कि वे करीब पांच वर्षों से उमरिया में पदस्थ हैं। लंबे समय तक एक ही स्थान पर पदस्थ रहने के बाद शासन द्वारा स्थानांतरण आदेश जारी किया गया, लेकिन आदेश के क्रियान्वयन को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर तबादला आदेश जारी होने के बाद भी कार्यभार में देरी क्यों हो रही है ? शासन के आदेश में वर्तमान पदस्थापना

उपवनमंडलाधिकारी उमरिया (सा.) वनमंडल उमरिया से बदलकर नवीन पदस्थापना उपवनमंडलाधिकारी अनूपुर (सा.) वनमंडल अनूपुर की गई है। मामले का सबसे अहम पहलू यही है कि शासन के आदेश में तत्काल प्रभाव से नवीन पदस्थापना का उल्लेख है, लेकिन फिलहाल एसडीओ(एफ) साहब उमरिया में ही कार्यरत हैं। ऐसे में सवाल उठना लाजिमी है कि शासन के आदेश के अनुपालन में आखिर बाधा कौन बन रहा है या फिर बड़े स्तर का संरक्षण है। चर्चा है कि त्रिपाठी अनूपुर के साथ उमरिया का भी कार्य भार संभालने की जुगत में है। करीब पांच वर्षों से उमरिया में पदस्थ रहने और तलदला आदेश के बाद भी कार्यभार नहीं होने की चर्चा ने मामले को और दिलचस्प बना दिया है।

आदर्श कालेज ने सीएम यूथ कान्फ्लेव का प्रसारण देखा



उमरिया (स्वतंत्रमत)। मध्य प्रदेश शासन के उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार शासकीय आदर्श महाविद्यालय उमरिया में 6 अक्टूबर 2026 को सीएम यूथ कान्फ्लेव का प्रसारण देखा गया इसमें मुख्यचमन्त्री डॉ. मोहन यादव ने युवाओं और छात्र-छात्राओं के हितार्थ अनेक घोषणाएं कीं। अब पीजी कक्षा में भी छात्राओं को गांव की बेटी और प्रतिभा किरण योजना का लाभ दिया जाएगा,राष्ट्रीय सेवा योजना की 500 नई इकाईयां प्रारंभ करना, शोधार्थियों को 25 हजार रूपए की छात्रवृत्ति देना, 12 नए विश्वविद्यालय आदि खोलना। उल्लेखनीय है कि कालेज में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक राष्ट्रीय सेवा योजना एवं स्वामी विवेकानंद रोजगार मार्गदर्शन प्रकौष्ठ के संयुक्त तत्वावधान में सेवा संकल्पए अभियान का आयोजन भी किया जा रहा है।

बीएड की नियमित छात्रा को अतिथि शिक्षक बनाने का मामला, नियुक्ति प्रक्रिया पर सवाल ; शिक्षक निलंबित

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)। जनसुनवाई में ग्राम पंचायत मडियारास की सरपंच सहित ग्रामीणों द्वारा की गई शिकायत के बाद कलेक्टर (जनजातीय कार्य) अंजू पवन भदौरिया ने माध्यमिक शाला मडियारास में पदस्थ प्राथमिक शिक्षक महेंद्र सिंह उरेती को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। शिक्षक पर अतिथि शिक्षक की नियुक्ति में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं करने और दस्तावेजों का उचित परीक्षण किए बिना अतिथि शिक्षक से अध्यापन कराने के आरोप सामने आए हैं। दरअसल शिकायत के अनुसार माध्यमिक शाला मडियारास में वर्ष 2023-24 से 2025-26 तक दुर्गेश्वरी मार्को को अतिथि शिक्षक के रूप में नियुक्त कर अध्यापन कार्य कराया गया और उन्हें मानदेय का भुगतान भी किया गया। आरोप है कि अतिथि शिक्षक की नियुक्ति के दौरान निर्धारित नियमों के अनुसार पैनल तैयार नहीं किया गया और नियम विरुद्ध तरीके से अध्यापन कार्य कराया गया। शिकायत में यह भी बताया गया कि दुर्गेश्वरी मार्को वर्ष 2023-24 एवं 2024-25



में महाराजा छत्रसाल बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, छतरपुर में बीएड की नियमित छात्रा रहते हुए छात्रवृत्ति प्राप्त कर रही थीं। शिकायतकर्ताओं ने एक ही समय में दो स्थानों पर नियमित उपस्थिति को लेकर सवाल उठाते हुए संबंधित दस्तावेज भी प्रस्तुत किए थे। मामले की शिकायत एवं संलग्न दस्तावेजों के आधार पर कलेक्टर कार्यालय द्वारा अतिथि शिक्षक को आमंत्रित करने से पहले प्रस्तुत दस्तावेजों का परीक्षण नहीं किए जाने को गंभीर लापरवाही माना गया। आदेश में कहा गया है कि अनधिकृत व्यक्ति को सेवा में रखकर गंभीर अनियमितता तथा मानदेय का भुगतान कर शासन को आर्थिक क्षति पहुंचाने का आरोप है। प्रथम दृष्टया लापरवाही पाए जाने पर कलेक्टर ने प्राथमिक शिक्षक महेंद्र सिंह उरेती को मध्यप्रदेश सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियंत्रण तथा अपील) नियम 1966 के नियम 9 के तहत तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी।

जिला जेल उमरिया में नशामुक्ति संगोष्ठी एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित, बंदियों को नशे के दुष्परिणामों से कराया अवगत

उमरिया (स्वतंत्रमत)। नशा मुक्त भारत.मध्यप्रदेश.उमरिया अभियान के अंतर्गत मध्य निषेध सप्ताह के अवसर पर जिला जेल उमरिया में नशामुक्ति जागरूकता को लेकर संगोष्ठी एवं शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया।कार्यक्रम का उद्देश्य जेल में निरुद्ध बंदियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करना तथा उन्हें नशे से दूर रहकर स्वस्थ एवं सकारात्मक जीवन की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम में बंदियों को संबोधित करते हुए मुख्य वक्ता एवं समाजसेवी संतोष त्रिपाठी ने नशे के शारीरिक, मानसिक, पारिवारिक एवं सामाजिक दुष्परिणामों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि नशा केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को ही प्रभावित नहीं करता, बल्कि उसके परिवार, आर्थिक स्थिति, सामाजिक संबंधों और भविष्य पर भी गंभीर प्रभाव डालता है। उन्होंने बंदियों को अपने जीवन में सकारात्मक परिवर्तन लाने, नशे से पूरी तरह दूरी बनाने तथा समाज में लौटकर एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में नई



शुरुआत करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान जिला जेल में निरुद्ध बंदियों में से पंकज नामक बंदी ने नशामुक्ति विषय पर काव्य पाठ एवं गीत प्रस्तुत कर उपस्थितजनों को भावनात्मक रूप से प्रभावित किया। उनकी प्रस्तुति के माध्यम से नशे से होने वाले नुकसान और नशामुक्त जीवन के महत्व का संदेश प्रभावी ढंग से सामने आया। कार्यक्रम के अंत में जिला जेल अधीक्षक श्री माखन सिंह मार्को जी द्वारा उपस्थित बंदियों एवं अन्य सहभागियों को नशामुक्ति की शपथ दिलाई गई। सभी ने नशे से दूर रहने, नशे के दुष्परिणामों के प्रति स्वयं जागरूक रहने तथा अपने आसपास के

लोगों को भी नशामुक्ति के लिए प्रेरित करने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित अधिकारियों, समाजसेवियों एवं जेल प्रशासन ने नशामुक्ति को केवल एक अभियान नहीं बल्कि स्वस्थ समाज और बेहतर भविष्य के निर्माण की सामूहिक जिम्मेदारी बताते हुए सभी से इसके लिए निरंतर प्रयास करने का आह्वान किया। जिला जेल में आयोजित यह कार्यक्रम बंदियों के बीच नशामुक्ति का संदेश पहुंचाने के साथ उन्हें आत्मचिंतन, सकारात्मक सोच और जीवन में नई शुरुआत के लिए प्रेरित करने की दिशा में एक सार्थक पहल रहा।

जनसुनवाई में कलेक्टर ने सुनी फरियाद मौके पर हुआ समस्याओं का निराकरण

पति की मौत के बाद बेसहारा हुई कन्याबाई को मानवीय संवेदना के आधार पर मिली 10 हजार की सहायता

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

मंगलवार को कलेक्टर की अध्यक्षता में साप्ताहिक जनसुनवाई आयोजित की गई। कलेक्टर ने आमजन की समस्याओं और शिकायतों को गंभीरता एवं संवेदनशीलता से सुना। उन्होंने अधिकारियों को प्रत्येक आवेदन का परीक्षण कर निर्धारित समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण एवं संतोषजनक निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मौके पर निराकरण योग्य मामलों का तत्काल समाधान किया गया, जबकि अन्य प्रकरणों में समय-सीमा तय कर कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

जनसुनवाई में ग्राम सुनपुरी रैयत के ग्रामीणों ने शासकीय भूमि और स्कूल मैदान पर अतिक्रमण की शिकायत की। ग्रामीणों ने बताया कि खसरा नंबर 339 एवं 320 की करीब 2.55 हेक्टेयर भूमि के हिस्से में मकान बनाकर कब्जा किया गया है तथा शेष भूमि पर खेती की जा रही है। इससे स्कूली बच्चों के खेल मैदान और आम रास्ते में परेशानी हो रही है। कलेक्टर ने एसडीएम बजाग को स्थल निरीक्षण कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए।



मंडला स्टैंड, वार्ड क्रमांक 11 निवासी संतोष कुमार मरावी ने किराना दुकान में आग लगने से हुए नुकसान पर सहायता राशि की मांग की। कलेक्टर ने तहसीलदार डिंडौरी को प्रकरण की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए। वहीं ग्राम पंचायत नारायणडीह के सरपंच ने साप्ताहिक हाट बाजार के लिए शासकीय भूमि के सीमांकन की मांग रखी। ग्राम गोरखपुर के ग्रामीणों ने स्कूल, तालाब, सार्वजनिक रंगमंच और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के आसपास अतिक्रमण हटाने की मांग की, जिस पर संबंधित अधिकारियों को जांच कर कार्रवाई

के निर्देश दिए गए। पति की मौत के बाद अकेली हुई कन्याबाई, कलेक्टर ने बढ़ाया मदद का हाथ जनसुनवाई में ग्राम टिकरिया माल, विकासखंड शहपुरा निवासी श्रीमती कन्याबाई व्यौहार ने सहायता के लिए आवेदन दिया। उनके पति स्वर्गीय विष्णु प्रसाद झारिया की नाला में मोटर लगाते समय आकस्मिक मृत्यु हो गई थी। विद्युत विभाग के नियमों के अनुसार प्रकरण सहायता के लिए पात्र नहीं होने के बावजूद कलेक्टर ने मानवीय संवेदनशीलता को प्राथमिकता देते हुए अनुसूचित जाति

आकस्मिक सहायता योजना के तहत कन्याबाई को 10 हजार रुपये की सहायता राशि का चेक प्रदान किया।

कलेक्टर श्रीमती अंजू पवन भदौरिया ने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित, पारदर्शी और संतोषजनक समाधान सुनिश्चित करना है। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक आवेदन को गंभीरता से लेते हुए समय-सीमा में गुणवत्तापूर्ण निराकरण करें, ताकि लोगों को समय पर राहत मिल सके। जनसुनवाई में पहुंचे नागरिकों के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा स्वास्थ्य जांच की सुविधा भी उपलब्ध कराई गई। नागरिकों का रक्तचाप, मधुमेह सहित आवश्यक स्वास्थ्य परीक्षण किया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जांच के आधार पर नागरिकों को आवश्यक परामर्श देते हुए नियमित स्वास्थ्य जांच का चेक प्रदान किया।

जनसुनवाई में सीईओ जिला पंचायत दिव्यांशु चौधरी, अपर कलेक्टर जेपी यादव, संयुक्त कलेक्टर भारती मेरावी, एसडीएम डिंडौरी रामबाबू सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

The poster features a circular logo at the top center for Hitkarini Sabha, Jabalpur, established in 1888. The main title 'Hitkarini Mahotsav' is in a bold, dark blue font. Below it, 'Garba' is written in a large, colorful, stylized font with two dancers in traditional attire on either side. The year '2026' is prominently displayed below 'Garba'. A yellow banner contains the text 'Free Workshop'. The dates '3 to 14 Oct. 2026' and the time '12 Noon - 5.00 PM' are listed. The venue is 'Seminar Hall, Hitkarini Womens College of Education, Civic Centre'. At the bottom, a silhouette of a dancer is shown against a background of silhouettes of other dancers. The entire poster is set against a vibrant, multi-colored background with floral and geometric patterns.

Hitkarini Mahotsav

Garba

2026

Free Workshop

3 to 14 Oct. 2026

12 Noon - 5.00 PM

Venue: Seminar Hall
Hitkarini Womens College of Education
Civic Centre

Students and Teachers for Hitkarini Schools and Colleges
(Come along with Incharge and I-Cards)

जनसुनवाई में कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने सुनीं नागरिकों की समस्याएं, मौके पर मिला त्वरित समाधान

कैंसर पीड़ित पुष्पेन्द्र को मुंबई उपचार के लिए 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता, हेमराज को मौके पर मिली ट्रायसिकल

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत ।

कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह ने मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए नागरिकों की समस्याओं को संवेदनशीलता एवं गंभीरता से सुना। जनसुनवाई में कुल 104 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 14 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर आवेदकों को तत्काल राहत प्रदान की गई। शेष आवेदनों को संबंधित विभागों को भेजते हुए कलेक्टर ने इनके समयबद्ध एवं नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए।

कैंसर पीड़ित को उपचार के लिए 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता

जनसुनवाई के दौरान गाडरवारा निवासी श्री पुष्पेन्द्र तिवारी ने कलेक्टर श्रीमती सिंह को आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि वे कैंसर से पीड़ित हैं और उनका उपचार मुंबई



स्थित टाटा मेमोरियल हॉस्पिटल में चल रहा है। उन्होंने बताया कि उनके पिता का निधन हो चुका है तथा वे मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण मुंबई उपचार के लिए आने-जाने का खर्च वहन करना उनके लिए कठिन हो रहा है।कलेक्टर श्रीमती सिंह ने श्री तिवारी की समस्या को गंभीरता और संवेदनशीलता से सुना तथा जनसुनवाई के दौरान ही रेडक्रॉस सोसायटी के माध्यम से उपचार के लिए मुंबई आने-जाने हेतु 10 हजार रुपये की आर्थिक सहायता का चेक प्रदान किया।

दिव्यांग हेमराज को मौके पर प्रदान की ट्रायसिकल

इसी प्रकार चीचली निवासी दिव्यांग श्री हेमराज ने आवागमन एवं दैनिक कार्यों में होने वाली कठिनाइयों से अवगत कराते हुए ट्रायसिकल की मांग संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया। श्री हेमराज ने बताया कि वे एक आंख तथा दोनों पैरों से दिव्यांग हैं, जिसके कारण उन्हें आवागमन में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कलेक्टर श्रीमती सिंह ने उनकी

समस्या को तत्काल संज्ञान में लेते हुए मौके पर ही श्री हेमराज को ट्रायसिकल प्रदान की।

अधिकारियों को समय-सीमा में कार्रवाई के निर्देश

जनसुनवाई के दौरान आवेदक श्री यूएस पटेल ने मुशरान वार्ड नरसिंहपुर में गंदे पानी की निकासी के लिए आवेदन दिया। इस पर कलेक्टर ने मुख्य नगर पालिका अधिकारी नरसिंहपुर को तत्काल कार्यवाही करने के निर्देश दिए। ग्राम नयाखेड़ा के श्री शिवा झारिया

104 आवेदनों में से 14 का मौके पर ही निराकरण, शेष प्रकरणों के समयबद्ध निराकरण के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

ने अपना स्वयं का स्वरोजगार स्थापित करने के लिए आवेदन देकर बताया कि उन्हें बकरी पालन एवं पशु पालन के लिए योजनाओं का लाभ दिया जाए। इस पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग को पात्रता परीक्षण करने के उपरांत हितलाभ देने के निर्देश दिए। सेवा निवृत्त लेखापाल श्री रविन्द्र जैन ने एरियर्स का भुगतान कराने का आवेदन दिया। जनसुनवाई के दौरान नूरजहां नगर विपतपुरा-नरसिंहपुर के कॉलोनीवासियों ने कलेक्टर को आवेदन देकर अवगत कराया कि उक्त कॉलोनी में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध नहीं कराई गई हैं। इस पर कलेक्टर श्रीमती सिंह ने संबंधित अधिकारियों को उक्त अवैध कॉलोनी के संबंध में आवश्यक नियमानुसार कार्यवाही करने के निर्देश दिए। इसी प्रकार जनसुनवाई में अपर कलेक्टर श्री अरविंद सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

स्टेडियम ग्राउंड में एनसीसी केडेट्स के साथ किया सीपीआर प्रोग्राम



नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत । भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी के द्वारा सेवा संकल्प अभियान के

तहत सीपीआर प्रोग्राम स्थानीय स्टेडियम ग्राउंड में एनसीसी केडिट्स के साथ डा. रिपुदमन

नवरात्रि पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) ।

नवरात्रि पर्व को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने को लेकर गाडरवारा में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में गाडरवारा एसडीएम, थाना प्रभारी गाडरवारा, नगर पालिका अध्यक्ष, तथा विधुत विभाग, नगर पालिका से उनके प्रतिनिधि सहित शहर के गणमान्य नागरिक, विभिन्न दुर्गा उत्सव समितियों के पदाधिकारी एवं पत्रकार गण मौजूद रहे।बैठक में नवरात्रि के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने, डीजे के संचालन तथा शासन की गाइडलाइन का पालन करने को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि डीजे निर्धारित ध्वनि सीमा में ही



बजाए जाएं एवं धार्मिक गाने ही बजाये जाये। तथा रात्रि में निर्धारित समय के बाद पूर्णतः प्रतिबंध रहेगा।एसडीएम ने कहा कि सभी दुर्गा पंडालों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं एवं भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जाए। वहीं थाना प्रभारी ने कहा कि विसर्जन जुलूस निर्धारित रूट एवं समय पर

ही निकाला जाए। शराब पीकर हुड़दंग करने वालों एवं विवाद करने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। नगर पालिका अध्यक्ष ने कहा कि तीन दिन में सभी प्रतिमाओं का विसर्जन किया जाना चाहिए वहीं उन्होंने साफ-सफाई, प्रकाश व्यवस्था एवं पेयजल की समुचित व्यवस्था का आश्वासन दिया।

मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल करेंगे सेवा ज्योति संकल्प यात्रा में सहभागिता

जिला स्तरीय कार्य म 7 अक्टूबर को स्टेडियम ग्राउंड में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का होगा सीधा प्रसारण

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत । प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के लोक सेवा के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में आयोजित सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत 7 अक्टूबर को जिले में 'सेवा ज्योति संकल्प यात्रा' एवं 'विकसित भारत संकल्प सभा' का आयोजन किया जाएगा। जिला स्तरीय कार्यक्रम नरसिंहपुर स्थित स्टेडियम ग्राउंड में प्रातः 9 बजे से आयोजित होगा। कार्यक्रम में प्रदेश के पंचायत एवं ग्रामीण विकास तथा श्रम मंत्री श्री

प्रहलाद सिंह पटेल सहभागिता करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान प्रातः 9.30 बजे से प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के उद्बोधन का सीधा प्रसारण किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य जनभागीदारी के माध्यम से सेवा, सुशासन और विकसित भारत के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। सेवा ज्योति संकल्प यात्रा में कलश एवं कृत्रिम मशाल के उपाचार से सेवा, संकल्प और जन-जागरूकता का संदेश दिया जाएगा। यात्रा के माध्यम से शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं एवं उपलब्धियों की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी तथा नागरिकों को विकसित भारत के संकल्प से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।

जिला स्तरीय विकसित भारत संकल्प सभा में जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, सामाजिक संगठनों, युवाओं एवं आम नागरिकों की सहभागिता रहेगी। कार्यक्रम के माध्यम से देश को विकास यात्रा तथा वर्ष 2047 तक विकसित भारत के निर्माण के संकल्प का संदेश जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। सेवा संकल्प अभियान-2026 के अंतर्गत 17 सितंबर से 17 अक्टूबर 2026 तक जिले में विभिन्न सेवा, जनकल्याण एवं जन-जागरूकता गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। सेवा ज्योति संकल्प यात्रा इसी अभियान की महत्वपूर्ण कड़ी है, जिसके माध्यम से सेवा और विकास के संदेश को जिले के प्रत्येक क्षेत्र तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

शैक्षणिक गुणवत्ता सुधार को लेकर सघन शाला निरीक्षण

शालाओं की जमीनी स्थिति परखी, शिक्षकों को दिया अकादमिक सहयोग

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत । राज्य शिक्षा केन्द्र, भोपाल के निर्देशानुसार जिले की प्राथमिक एवं माध्यमिक शालाओं में शैक्षणिक गुणवत्ता के उन्नयन और शिक्षण-अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने के उद्देश्य से डाइट एवं जिला शिक्षा केन्द्र के माॉनट्रिंग दलों द्वारा सघन शाला निरीक्षण किया जा रहा है।कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गजेन्द्र सिंह नागेश के मार्गदर्शन में चल रहे इस अभियान में शालाओं की वास्तविक शैक्षणिक स्थिति,

विद्यार्थियों की उपस्थिति एवं सीखने के स्तर, कक्षा-कक्ष की गतिविधियों तथा उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों की समीक्षा की जा रही है।डाइट प्राचार्य श्री राजीव किशोर श्रीवास्तव के निर्देशन में अकादमिक सदस्य राज्य शिक्षा केन्द्र से आवंटित जिले की प्राथमिक, माध्यमिक शालाओं का नियमित भ्रमण कर रहे हैं। इसी

क्रम में डाइट अकादमिक दल से श्री आनंद शर्मा एवं श्री एल. एस. उग्रेलिया द्वारा विकासखंड नरसिंहपुर की शासकीय प्राथमिक शाला सिमरिया, नंदवारा, मल्हौआ, गुटोरी, गरगटा तथा एकीकृत शासकीय हाई स्कूल नयाखेड़ा का अकादमिक अवलोकन किया गया। दल ने छात्र-छात्राओं द्वारा बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक

ज्ञान, अभ्यास पुस्तिका पर किए जा रहे कार्य तथा एटग्रेड की प्रगति के आधार पर उनकी शैक्षणिक गुणवत्ता का परीक्षण किया। इस दौरान विद्यार्थियों के सीखने के स्तर का आकलन कर शिक्षकों को आवश्यक सुझाव एवं अकादमिक मार्गदर्शन प्रदान किया गया।निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली शैक्षणिक चुनौतियों को

चिन्हित कर शिक्षकों के साथ संवाद करते हुए आवश्यकता के अनुसार अकादमिक मार्गदर्शन एवं सहयोग भी प्रदान किया जा रहा है।डाइट की माॉनट्रिंग टीमों का विशेष जोर इस बात पर है कि निरीक्षण केवल औपचारिक प्रक्रिया न रहकर शैक्षणिक सुधार और सहयोग का प्रभावी माध्यम बने।

गर्ल्स कॉलेज में चल रहा कुकिंग शॉर्ट टर्म कोर्स,छात्राएं सीख रही हैं पाक कला के हुनर

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। स्थानीय गर्ल्स कॉलेज* में विद्यार्थियों के *समग्र विकास और कौशल बढ़ाने* के उद्देश्य से एक *विशेष कुकिंग क्लासेस* का आयोजन किया जा रहा है।इस साल कोर्स में कॉलेज की छात्राएं बड़े उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं, *युग महक कला केंद्र* की *संचालिका *रंजना नायक* के द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार के *व्यंजन बनाना* सिखाए जा रहे हैं, इसमें *भारतीय पारंपरिक व्यंजनों* के साथ-साथ *बेकिंग, चाइनीस, आइसक्रीम, हेलदी डाइट फूड* बनाने की बारीकियां सिखाई जा रही हैं, इसके अलावा *किचन हाइजीन* के बारे में महत्वपूर्ण टिप्स दिए जा रहे हैं कॉलेज के प्राचार्य *श्रीमती कृष्णा शर्मा* ने बताया कि इस प्रकार के *व्यावहारिक कोर्स छात्रों के आत्मनिर्भरता* आती है और *भविष्य में भी होटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना करियर* बना सकते हैं, इस अवसर पर *कॉलेज का समस्त स्टाफ और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत। स्थानीय गर्ल्स कॉलेज* में विद्यार्थियों के *समग्र विकास और कौशल बढ़ाने* के उद्देश्य से एक *विशेष कुकिंग क्लासेस* का आयोजन किया जा रहा है।इस साल कोर्स में कॉलेज की छात्राएं बड़े उत्साह के साथ भाग ले रहे हैं, *युग महक कला केंद्र* की *संचालिका *रंजना नायक* के द्वारा बच्चों को विभिन्न प्रकार के *व्यंजन बनाना* सिखाए जा रहे हैं, इसमें *भारतीय पारंपरिक व्यंजनों* के साथ-साथ *बेकिंग, चाइनीस, आइसक्रीम, हेलदी डाइट फूड* बनाने की बारीकियां सिखाई जा रही हैं, इसके अलावा *किचन हाइजीन* के बारे में महत्वपूर्ण टिप्स दिए जा रहे हैं कॉलेज के प्राचार्य *श्रीमती कृष्णा शर्मा* ने बताया कि इस प्रकार के *व्यावहारिक कोर्स छात्रों के आत्मनिर्भरता* आती है और *भविष्य में भी होटल मैनेजमेंट के क्षेत्र में अपना करियर* बना सकते हैं, इस अवसर पर *कॉलेज का समस्त स्टाफ और भारी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे



नागौद की रीछुल पंचायत में बारिश बनी आफत

गरीबों के 20 कच्चे मकान ढहे, खुले आसमान के नीचे आए परिवार

सतना स्वतंत्रमत । जिले के नागौद तहसील अंतर्गत ग्राम पंचायत रीछुल में सितंबर माह में भारी बारिश गरीबों पर कहर बनकर टूटी थी। लगातार हुई बारिश के कारण पंचायत में लगभग 20 गरीब परिवारों के कच्चे मकान भरभराकर गिर गए। मकान गिरेने से घर में रखा अनाज कपड़े बर्तन और गृहस्थी का सारा

सामान मलबे में दबकर बर्बाद हो गया। पीड़ित परिवार अब खुले आसमान के नीचे रहने को मजबूर हैं। पीड़ितों ने समाचार पत्र के माध्यम से जिला कलेक्टर से मुआवजे और पक्के मकान की गुहार लगाई है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि पीएम आवास योजना के तहत उन्हें पक्का मकान दे दिया जाए तो उन्हें बड़ी राहत मिलेगी।

इनके मकान हुए क्षतिग्रस्त-ग्रामीणों के अनुसार जिनके मकान गिरे हैं उनमें अब्दुल खान विजय

लोधी भूरा लोधी चांद खान बारेलाल चौधरी विश्राम चौधरी रामकुमार चौधरी बरुआ चौधरी रामलोटन चौधरी बाबा खान सहित करीब 20 परिवार शामिल हैं।पीड़ितों ने बताया कि उन्होंने इसकी सूचना हल्का पटवारी को दे दी है। पटवारी द्वारा मौका मुआयना कर पंचनामा तैयार किया जा रहा है। ग्रामीणों ने मांग की है कि प्रशासन जल्द से जल्द सर्वे करकार सभी पीड़ितों को उचित मुआवजा राशि प्रदान करे ताकि आशियाने को फिर से बना सकें।



शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार के खिलाफ अनिश्चितकालीन धरना सतना स्वतंत्रमत । जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय सतना में पदस्थ सहायक ग्रेड.2 पवन श्रीवास्तव के भ्रष्टाचार से तंग आकर भारतीय किसान मजदूर संयुक्त यूनियन द्वारा 7 अक्टूबर से जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय के सामने अनिश्चितकालीन धरना आंदोलन शुरू किया जा रहा है। यूनियन ने मांग की है कि भ्रष्ट बाबू पवन श्रीवास्तव को तत्काल बर्खास्त किया जाए। पवन श्रीवास्तव द्वारा की गई फर्जी अनुकंपा नियुक्तियों की जांच जल्द पूरी की जाए।

सतना के रैगांव में डालमियां सीमेंट प्लांट का विरोध तेज

9 गांवों के हजारों किसान बेघर होने की कगार पर कलेक्ट्रेट में दिया धरना

सतना स्वतंत्रमत ।

जिले के रैगांव विधानसभा क्षेत्र में डालमियां कंपनी को जमीन देने के विरोध में किसानों का आक्रोश बढ़ता जा रहा है। हजारों किसान एकजुट होकर जिला कलेक्ट्रेट पहुंचे और कलेक्टर सतीश कुमार एस को ज्ञापन सौंपकर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप है कि भाजपा सरकार लगभग 1000 किसानों की पुश्तैनी जमीन छीनकर डालमियां कंपनी को सीमेंट प्लांट लगाने के लिए देने जा रही है। किसानों ने कलेक्ट्रेट परिसर में धरना देते हुए कहा कि इस अधिग्रहण से रैगांव क्षेत्र के कई गांव पूरी तरह से बर्बाद हो जाएंगे। खेती ही उनके जीवन

का एकमात्र सहारा है और अगर जमीन चली गई तो वे बेघर और बेरोजगार हो जाएंगे।

इन 9 गांवों की जमीन पर है नजर

रैगांव क्षेत्र के किसान प्रभाकर बागड़ी और हरीश बागड़ी ने बताया कि जिन गांवों की जमीन अधिग्रहण की सूची में है उनमें राजवाड़ा, खमरिया, महकौना, नास्ता, शक्ति, खिलौना,वसुधा, उमराहट और टारजन गांव शामिल हैं। इन गांवों की सैकड़ों एकड़ उपजाऊ जमीन को कंपनी को देने की तैयारी चल रही है। इन जमीनों पर सालों से किसान खेती करते आ रहे हैं। प्रभाकर बागड़ी ने कहाए यह जमीन हमारे बाप.दादाओं की है। इसी से हमारे बच्चों का पेट पलता है। सरकार हमें बिना बताए हमारी जमीन कंपनी को दे रही है। अगर हम बेघर हो गए तो हमारी जिम्मेदारी कौन लेगाघ हम आखिरी सांस तक अपनी जमीन

कम मुआवजे का आरोप सरपंच ने लगाए गंभीर आरोप

किसानों ने आरोप लगाया कि प्रशासन द्वारा जमीन का बहुत कम मुआवजा देने की बात कही जा रही है जो बाजार दर से काफी कम है। इससे किसानों को दोहरी मार झेलनी पड़ेगी। वहीं कोलार पंचायत के सरपंच ने इस पूरे मामले में सत्ताधारी नेताओं की भूमिका पर सवाल उठाए। सरपंच ने कहा कि डालमियां कंपनी को भाजपा सरकार के बड़े नेताओं ने ही क्षेत्र में बुलाया है। कंपनी को लाभ पहुंचाने के लिए गरीब किसानों की जमीन कौड़ियों के दाम में हड़पी जा रही है।

उग्र आंदोलन की चेतावनी

किसानों ने कलेक्टर को सौंपे



ज्ञापन में मांग की है कि अधिग्रहण की प्रक्रिया को तुरंत रोका जाए। किसानों की बिना सहमति के कोई भी जमीन न ली जाए और अगर जमीन लेना ही है तो बाजार दर से चार गुना मुआवजा और परिवार के एक सदस्य को नौकरी दी जाए। किसानों ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें नहीं मानी गईं और उन्हें बेघर किया गया तो वे आक्रोशित होकर उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे और सड़क जाम से लेकर अनिश्चितकालीन धरना तक करेंगे। इसकी पूरी जिम्मेदारी जिला

प्रशासन और सरकार की होगी। फिलहाल कलेक्टर ने किसानों को आश्वासन दिया है कि उनकी बात सरकार तक पहुंचाई जाएगी और नियमानुसार ही कोई कार्रवाई की जाएगी।

इधर किसानो के राष्टीय किसान ईश्वरचन्द्र त्रिपाठी ने कहा कि किसानो समार्थन करते हुये कहा कि उनके साथ अन्याय नही होने देगे। हम किसानो के साथ हमेशा खडे रहेगे ।

राघव क्षेत्र के ही किसान प्रभाकर बागड़ी और हरीश

बागड़ी ने बताया कि राजवाड़ा जिला खमरिया महाकौना नाश्ता शक्ति खिलौना वसुधा उमराहट और टारजन गांव की जमीन शामिल हैं जिन्हें डालमिया कंपनी को सरकार देने जा रही है अगर किसान बेघर हो गए तो किसकी जिम्मेदारी होगी इसके लिए हम लड़ाई जब तक लड़ेंगे तब तक किसानों की जमीन वापस नहीं मिलेगी। रैगांव क्षेत्र के किसानों ने कहा , पुश्तैनी जमीन नहीं देंगे डालमियां कंपनी के विरोध में आर.पार की लड़ाई लड़ेंगे'

रैगांव विधानसभा क्षेत्र में डालमियां सीमेंट प्लांट के लिए जमीन अधिग्रहण के विरोध में किसानों का आंदोलन तेज हो गया है। क्षेत्र के किसान प्रभाकर बागड़ी और हरीश बागड़ी ने बताया कि सरकार जिन गांवों की जमीन कंपनी को देने जा रही है उनमें राजवाड़ा खमरिया महकौना नास्ता शक्ति खिलौना वसुधा उमराहट और टारजन गांव शामिल हैं।

किसानों ने कहा कि इन सभी गांवों की सैकड़ों एकड़ उपजाऊ जमीन अधिग्रहण की जा रही है। यह जमीन किसानों की पुश्तैनी है और इसी से उनके परिवार का भरण.पोषण होता है। सरकार बिना सहमति के जमीन छीन रही है।

प्रभाकर बागड़ी और हरीश बागड़ी ने कहा अगर किसान बेघर हो गए तो इसकी जिम्मेदारी किसकी होगी हम अपनी जमीन किसी कीमत पर नहीं देंगे। इसके लिए हम लड़ाई तब तक लड़ेंगे जब तक किसानों की जमीन वापस नहीं मिल जाती। किसानों ने आरोप लगाया कि कंपनी को फायदा पहुंचाने के लिए बहुत कम मुआवजा देने की बात कही जा रही है। क्षेत्र के किसानों ने अन्याय है। उन्होंने कलेक्टर से मांग की है कि अधिग्रहण की प्रक्रिया तत्काल रोकी जाए। अगर सरकार नहीं मानी तो रैगांव क्षेत्र के किसान उग्र आंदोलन करेंगे।

आम सूचना
मे शपथकर्ता अनिल कुमार मेहरा पिता श्री कन्हैयालाल मेहरा निवासी ग्राम बरांझ तहसील गाडरवारा जिला नरसिंहपुर मे उपरोक्त पते का स्थायी निवासी हूं। मेरी पुत्री वैष्णवी मेहरा का जन्म दिनांक 28.07.2009 को हुआ है। मेरी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र मे उसका नाम प्रतिभा मेहरा दर्ज है जो कि गलत है सही नाम वैष्णवी मेहरा है। आधार कार्ड एवं शैक्षणिक दस्तावेजों के अनुसार मेरी पुत्री का नाम वैष्णवी मेहरा है। मेरी अपनी पुत्री के जन्म प्रमाण पत्र मे पुत्री का नाम प्रतिभा मेहरा के स्थान पर वैष्णवी मेहरा दर्ज किया जाकर जन्म प्रमाण पत्र प्रदान किये जाए। अनिल कुमार मेहरा, शपथकर्ता

ऑटो पलटा, कॉलेज के छात्र घायल

मण्डला(स्वतंत्रमत) । कृषि उपज मंडी के पास पड़ाव क्षेत्र में मंगलवार को कॉलेज से लौट रहे पांच छात्रों से भरा ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे में चार बच्चों के घायल होने की जानकारी सामने आई है जबकि एक बच्चे की हालत गंभीर बताई जा रही है। गंभीर घायल को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं ऑटो में सवार चार बालिकाओं के अस्पताल नहीं पहुंचने की जानकारी भी सामने आई है। घटना के बाद ऑटो चालक मौके से फरार बताया जा रहा है प्रत्यक्ष जानकारी के अनुसार कॉलेज से छात्र-छात्राएं ऑटो से मंडला की ओर लौट रहे थे। इसी दौरान पड़ाव क्षेत्र में कृषि उपज मंडी के समीप ऑटो अनियंत्रित होकर पलट गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायल बच्चों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया। पुलिस को मामले की जांच शुरू कर दी है इस घटना ने शहर की यातायात व्यवस्था और ऑटो संचालन की निगरानी को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

अवैध शिकार के दो आरोपी गिरफ्तार

मण्ड ला(स्वतंत्रमत) । परिक्षेत्र भैसानघाट के अंतर्गत वन विभाग के गश्ती दल द्वारा नियमित गश्त के दौरान दो संदिग्ध व्यक्तियों को घेराबंदी कर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उनके कब्जे से एक फरसा धारदार हथियार बरामद कर जब्त किया गया। आरोपियों से गहन पूछताछ एवं उनकी निशानदेही के आधार पर वन क्षेत्र में अवैध रूप से शिकार की गई एक मादा सांभर का शव बरामद कर विधिवत जब्त किया गया। मौके पर गश्ती दल द्वारा नियमानुसार जब्ती पंचनामा एवं अन्य आवश्यक दस्तावेज तैयार कर प्राथमिक वन अपराध प्रकरण दर्ज किया गया। मृत सांभर के शव का परीक्षण कान्हा टाइगर रिजर्व के वन्यप्राणी चिकित्सा अधिकारी द्वारा किया गया। परीक्षण के दौरान आवश्यक रासायनिक जांच हेतु शव के विभिन्न अंगों एवं चमड़ी के नमूने सुरक्षित रूप से संग्रहित किए गए हैं। सम्पूर्ण कार्यवाही में सहायक संचालक हालान परिक्षेत्र अधिकारी भैसानघाट एवं वन विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सुनी समस्याएं

मण्डला(स्वतंत्रमत) । जिला योजना भवन में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई के दौरान कलेक्टर ने 114 नागरिकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और आवेदन के निराकरण के निर्देश दिए। कलेक्टर ने जनसुनवाई में पहुंचे प्रत्येक आवेदक की समस्या को विस्तार से सुना और उनकी शिकायतों का न्यायोचित समाधान करने की बात कही। कलेक्टर ने जनसुनवाई में मौके पर मौजूद संबंधित विभागीय अधिकारियों को समय-सीमा के भीतर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में दूरस्थ तहसीलों से आए आवेदकों की समस्याओं को लेकर कलेक्टर ने संबंधित क्षेत्र के अधिकारियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से चर्चा की और उन्हें शिकायतों के त्वरित निराकरण के लिए निर्देशित किया।

जंगली सूअर ने किया हमला

मण्डला(स्वतंत्र मत) । जिले के गोंडो गांव में सोमवार को खेत में चारा काट रहे एक किसान पर जंगली सूअर ने अचानक हमला कर दिया। हमले में किसान अशोक वरकड़े के हाथ-पैर जांच और पेट सहित शरीर के कई हिस्सों में चोटें आई हैं। परजिनों और ग्रामीणों की मदद से उन्हें उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां इलाज के बाद उनकी हालत फिलहाल स्थिर बताई जा रही है जानकारी के अनुसार अशोक वरकड़े रोज की तरह सोमवार को अपने खेत में चारा काटने के लिए गए थे।

13 दिनों से चल रहा महिलाओं का सत्याग्रह, प्रशासन पर लगे अनदेखी के आरोप, माइक्रोफाइनेंस कम्पनी सहित अन्य मांगों पर धरना

मण्डला(स्वतंत्रमत)

आदिवासी बाहुल्य ग्रामीण क्षेत्रों में माइक्रोफाइनेंस कंपनियों की कथित मनमानी शराब के बढ़ते कारोबार तथा शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में गिरावट के विरोध में महिलाओं का अतिश्रुतकालीन सत्याग्रह मंगलवार को तेरहवें दिन भी जारी रहा। कलेक्ट्रेट मार्ग पर चल रहे इस आंदोलन में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से महिलाएं पहुंचकर अपनी समस्याएं उठा रही हैं। आंदोलन को समाजवादी पार्टी लोक परोपकारी मंच स्थानीय जनप्रतिनिधियों बामसेफ भारत मुक्ति मोर्चा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा सहित अन्य सामाजिक संगठनों का समर्थन मिल रहा है। धरने का नेतृत्व कर रहीं समर्पित महिला सेवा मंडल की अध्यक्ष कलिया बाई कोकड़िया ने कहा कि महिलाओं की समस्याओं को लेकर लगातार तेरह दिनों से धरना दिया जा रहा है लेकिन अब तक प्रशासन का कोई ज़िम्मेदार अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचकर महिलाओं की समस्याएं सुनने नहीं आया है। इससे आंदोलन में शामिल महिलाओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। धरने पर बैठी महिलाओं का आरोप है कि



पिछले पांच-छह वर्षों में कई माइक्रोफाइनेंस कंपनियों ने ग्रामीण और मुक्ति मोर्चा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा सहित अन्य सामाजिक संगठनों का समर्थन मिल रहा है। धरने का नेतृत्व कर रहीं समर्पित महिला सेवा मंडल की अध्यक्ष कलिया बाई कोकड़िया ने कहा कि महिलाओं की समस्याओं को लेकर लगातार तेरह दिनों से धरना दिया जा रहा है लेकिन अब तक प्रशासन का कोई ज़िम्मेदार अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचकर महिलाओं की समस्याएं सुनने नहीं आया है। इससे आंदोलन में शामिल महिलाओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। धरने पर बैठी महिलाओं का आरोप है कि

पिछले पांच-छह वर्षों में कई माइक्रोफाइनेंस कंपनियों ने ग्रामीण और मुक्ति मोर्चा राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग मोर्चा सहित अन्य सामाजिक संगठनों का समर्थन मिल रहा है। धरने का नेतृत्व कर रहीं समर्पित महिला सेवा मंडल की अध्यक्ष कलिया बाई कोकड़िया ने कहा कि महिलाओं की समस्याओं को लेकर लगातार तेरह दिनों से धरना दिया जा रहा है लेकिन अब तक प्रशासन का कोई ज़िम्मेदार अधिकारी धरना स्थल पर पहुंचकर महिलाओं की समस्याएं सुनने नहीं आया है। इससे आंदोलन में शामिल महिलाओं में नाराजगी बढ़ती जा रही है। धरने पर बैठी महिलाओं का आरोप है कि

प्रशासन महिलाओं की समस्याओं को सुनने और उनके समाधान की दिशा में ठोस पहल नहीं करता है तो आंदोलन को अगले चरण में ले जाने पर विचार किया जाएगा। उन्होंने चेतावनी दी कि प्रशासन की ओर से सकारात्मक पहल नहीं होने पर महिलाएं क्रमिक भूख हड़ताल शुरू करने के लिए मजबूर होंगी। उन्होंने कहा कि महिलाओं की समस्याएं केवल किसी एक गांव या क्षेत्र की नहीं बल्कि जिले के अनेक ग्रामीण परिवारों से जुड़ी हुई हैं। बता दें जिले में चल रही प्राइवेट बैंक कम्पनी जो कि महिलाओं का समूह बनाकर महंगी दर का ब्याज लगाकर लोन दिया करती हैं जिले में लगभग 20 ऐसी प्राइवेट कम्पनियां संचालित हैं जो समूह बनाकर महंगे दामों में महिलाओं को लोन दे रही हैं। उनके महत्वपूर्ण दस्तावेजों को गिरवी रखकर ऐसी कम्पनियां लोन देती हैं और जिसकी साप्ताहिक, पाक्षिक और मासिक वसूली किस्तों में की जाती हैं। इन कम्पनियों का संचालन आदिवासी बाहुल्य मण्डला जिले में कैसे हो रहा हैं इसकी जांच की मांग की गई हैं। कम्पनी के कर्तव्यतां अवैध रूप से किस्तों के लिए मजदूर, गरीब और कामकाजी महिलाओं को परेशान कर रहे हैं।



कई परिवार आर्थिक और मानसिक संकट से गुजर रहे हैं। कुछ महिलाओं के घर छोड़कर चले जाने तथा आत्महत्या जैसे गंभीर मामलों की जानकारी भी आंदोलनकारियों द्वारा सामने रखी गई है। हालांकि इन दावों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। आंदोलनकारियों ने प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने और महिलाओं को कर्ज वसूली के कथित दबाव से राहत दिलाने की मांग की है। सत्याग्रह में शामिल महिलाओं ने ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते शराब कारोबार को लेकर भी नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि शराब की बढ़ती उपलब्धता से परिवारों की आर्थिक स्थिति प्रभावित होने के साथ

ही सामाजिक समस्याएं भी बढ़ रही हैं। महिलाओं ने अवैध शराब के कारोबार पर प्रभावी कार्रवाई की मांग की है। इसके साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था में सुधार की मांग भी आंदोलन का प्रमुख मुद्दा है। महिलाओं का कहना है कि आदिवासी और दूरस्थ गांवों में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर्याप्त शिक्षक स्वास्थ्य सुविधाएं और नियमित चिकित्सा सेवाएं सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। कलिया बाई कोकड़िया ने कहा कि महिलाओं ने अपनी समस्याओं के समाधान के लिए शांतिपूर्ण तरीके से सत्याग्रह शुरू किया है। तेरह दिन बीत जाने के बावजूद यदि

निर्वेधा फाउंडेशन का सेवा जागरूकता कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)



फाउंडेशन के सचिव कुनाल सिन्हा ने वरिष्ठजनों के सम्मान बढ़ती उम्र में उनकी आवश्यकताओं तथा परिवार एवं समाज से मिलने वाले स्नेह और सहयोग के महत्व पर अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि बुजुर्ग हमारे परिवार और समाज की अमूल्य धरोहर हैं इसलिए उनका सम्मान एवं उनकी आवश्यकताओं का ध्यान रखना हम सभी की ज़िम्मेदारी है। इस अवसर पर ग्राम के उप सरपंच वृंजेश सिंगरहा, वरिष्ठ नागरिकों सहित बड़ी संख्या में

एसडीएम ने गौशाला का किया निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत) । अनुविभागीय अधिकारी शैलेंद्र चौधरी द्वारा पशुपालन विभाग के अंतर्गत संचालित राज्य स्तरीय पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान ग्राम गाजीपुर तथा ग्राम आमनाला स्थित गौशाला का भ्रमण एवं निरीक्षण किया गया। ग्राम गाजीपुर स्थित राज्य स्तरीय पशुपालन प्रशिक्षण संस्थान के निरीक्षण के दौरान श्री चौधरी ने संस्थान में संचालित प्रशिक्षण गतिविधियों एवं उपलब्ध व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से संस्थान की गतिविधियों के संबंध में जानकारी प्राप्त कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके पश्चात ग्राम आमनाला स्थित गौशाला का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान गौशाला में पशुओं के रख-रखाव उपलब्ध व्यवस्थाओं एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं का जायजा लिया गया।

ग्रामीण महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे। फाउंडेशन के प्रतिनिधियों द्वारा वरिष्ठजनों का तिलक लगाकर माला पहनाकर एवं वस्त्र प्रदान कर सम्मान किया गया। वहीं बच्चों को फल एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के व्यवहार, विकास एवं उनकी आवश्यकताओं को लेकर भी ग्रामीणों से चर्चा की गई।

ग्रामीण महिला एवं पुरुष उपस्थित रहे। फाउंडेशन के प्रतिनिधियों द्वारा वरिष्ठजनों का तिलक लगाकर माला पहनाकर एवं वस्त्र प्रदान कर सम्मान किया गया। वहीं बच्चों को फल एवं अन्य आवश्यक सामग्री वितरित की गई। कार्यक्रम के दौरान बच्चों के व्यवहार, विकास एवं उनकी आवश्यकताओं को लेकर भी ग्रामीणों से चर्चा की गई।

शांति पूर्वक मनाएं धार्मिक त्यौहार



मण्डला/बिछिया(स्वतंत्रमत)

आगामी त्यौहारों को शांतिपूर्ण सौहार्दपूर्ण एवं सुरक्षित माहौल में संपन्न कराने के उद्देश्य से मंगलवार को थाना परिसर बिछिया में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रशासन पुलिस जनप्रतिनिधि गणमान्य नागरिकों एवं विभिन्न दुर्गोत्सव समितियों के पदाधिकारियों ने सहभागिता की। बैठक में थाना प्रभारी शुशुक्त मिश्रा, नगर परिषद अध्यक्ष रजनी मरावी, तहसीलदार शंकर मरावी, एमपीईबी जेई

संतोष मर्सकोले, भाजपा मंडल अध्यक्ष नीरज भट्ट सहित प्रशासनिक अधिकारी एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक के दौरान आगामी त्यौहारों को देखते हुए कानून-व्यवस्था, धार्मिक आयोजनों की व्यवस्थाओं तथा आपसी भाईचारा बनाए रखने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। प्रशासन एवं पुलिस अधिकारियों ने दुर्गा पंडालों और अन्य धार्मिक आयोजनों के दौरान निर्धारित नियमों का पालन करने तथा किसी भी प्रकार की अप्रिय स्थिति से बचने के लिए समितियों से सहयोग की अपील की।

सेवा संकल्प अभियान पर सम्मान

मण्डला(स्वतंत्रमत) । सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत जन अभियान



परिषद के तत्वावधान में नवांकुर संस्था धेनुबाड़ी समिति द्वारा ग्राम अचली सेमरखापा में बुजुर्ग सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम जिला समन्वयक सुशील बर्मन के नेतृत्व एवं ब्लॉक समन्वयक संतोष झारिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ समारोह में समिति

के सदस्यों ने बुजुर्गों का तिलक-चंदन एवं पुष्प अर्पित कर सम्मान किया। साथ ही उन्हें सामग्री वितरण कर आशीर्वाद प्राप्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान समिति के सचिव किरण ठाकुर ने ग्रामीण महिलाओं को स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हुए व्यक्तिगत एवं आसपास के वातावरण को स्वच्छ रखने की जानकारी दी समिति की सदस्य एवं पूर्व सरपंच श्रीमती अनिता ने कहा कि बुजुर्गों के प्रति सम्मान संवेदना और अपनत्व की भावना को बढ़ावा देना समाज की ज़िम्मेदारी है। कार्यक्रम में नवांकुर संस्था धेनुबाड़ी समिति की सदस्य ज्योति पटेल, सरस्वती पटेल, रजनी भारतीय, कुंती सहित अन्य सदस्य एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

संगठन सृजन अभियान पर बैठक

मण्डला/अंजनियां(स्वतंत्रमत)

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशन में चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अंजनियां द्वारा ग्राम पंचायत बंजी एवं अहमदपुर की पंचायत कांग्रेस कमेटियों की बैठक आयोजित की गई बैठक में पंचायत स्तर पर संगठन को मजबूत करने तथा आमजन से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से उठाने को लेकर चर्चा हुई बैठक में जिला उपाध्यक्ष एवं पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष विनोद पटेल ने प्रदेश की भाजपा सरकार की नीतियों तथा आम जनता से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विचार व्यक्त किए। बैठक में अंजनियां मंडलम प्रभारी साधना धुर्वे, मंडलम अध्यक्ष बलराम झरिया, अहमदपुर मंडलम प्रभारी चैनसिंह धुमकेती, मंडलम अध्यक्ष ओमकार पन्ड्रो, ब्लॉक महासचिव शिवेन्द्र पटेल,वीएलए



आकाश मोंगरे, ओमप्रकाश झरिया, गोपाल झरिया तथा ब्लॉक सचिव शर्मिला माकों सहित पंचायत कांग्रेस कमेटी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

विकास कार्यों का भूमिपूजन संपन्न



मण्डला(स्वतंत्रमत) । ग्राम लफरा में मंगलवार को विभिन्न विकास कार्यों का भूमिपूजन विधि-विधान से संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन खेरमाई मंदिर परिसर में किया गया जिसमें क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों समाजसेवियों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने सहभागिता की ग्राम में जिन विकास कार्यों का भूमिपूजन किया गया उनमें ग्रेवल रोड के से खैरमाई तक मेन रोड निर्माण, मेन रोड से तालाब तक सड़क निर्माण टेकचंद के घर से मनोहर के घर तक सीसी रोड निर्माण, मुक्तिधाम तालाब के पास तार फेंसिंग मुक्तिधाम निर्माण

पटपरा में पक्की नाली निर्माण तथा मेन रोड से असाढ़ू के घर तक सड़क निर्माण शामिल हैं कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डॉ. शिवराज शाह शिवा भैया रहे। विशेष उपस्थिति में वरिष्ठ समाजसेवी कौशलया मरावी, ग्राम पंचायत सरपंच चंद्रोल, मंडल अध्यक्ष नीरज पटेल, मंडल महामंत्री सोनल पटेल, ग्राम के वरिष्ठ नागरिक रमेश केवट एवं राधेलाल धनगर सहित अन्य ग्रामीणजन मौजूद रहे भूमिपूजन के दौरान ग्रामीणों ने क्षेत्र में विकास कार्य शुरू होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

संपादकीय

‘आध्यात्मिक’ करिश्मा

आसमान की ऊंचाइयों में जिस को-पायलट ने अपने ही विमान के पायलट कैप्टन स्मिथ मच्छर पर जानलेवा हमला किया था, वह ‘जेहादी मानस’, आतंकवादी सोच का इनसान था। शुरुआती जांच में यह खुलासा सामने आया है। वह ‘अलकायदा’ के सरगना रहे अयमान अल जवाहिरी से प्रभावित था। उसके ‘लिंकडइन’ पोस्ट में उसके फोटो और कथन मिले हैं। हमलावर को-पायलट के सोशल मीडिया खते में आतंकी, जेहादी, कट्टरपंथी किस्म के विचार भी मिले हैं। उसके पास से ‘फ्री फिलिस्तीन’ जुमले वाले परचे भी मिले हैं। वह अलकायदा की अथवा किसी अन्य आतंकी संगठन से जुड़ा था अथवा किसने उसे ‘विमान क्रैश’ करने को उकसाया था, लालच दिया था, यह अभी तक की जांच में साफ नहीं हुआ है, लेकिन हमलावर पायलट हम्मा अल हमामी ने खुद कबूल किया है कि वह इजरायल के तेल अवीव हवाई अड्डे पर विमान क्रैश चाहता था, ताकि यहूदी यात्रियों के साथ-साथ क्रैश की चपेट में आने वाले जमीनी लोग भी मारे जा सकें।

नरसंहार की ऐसी सोच और मंसूबे से स्पष्ट है कि हमलावर पायलट हमामी ‘आत्मघाती’ था। क्रैश में उसकी मौत भी तय थी, लेकिन वह यहूदियों से इतनी पराकाष्ठा तक ‘नफरत’ करता था कि उन्हें मारने पर आमादा था। यह 9/11 सरीखा आतंकी हमला नहीं था। उसमें न्यूयॉर्क के ‘विश्व व्यापार केंद्र’ को निशाना बनाया गया था। वह अमरीकी पूंजीवाद, साम्राज्यवाद, अहंकार और ताकत का प्रतीक माना जाता था। अलकायदा का संस्थापक सरगना ओसामा बिन लादेन अमरीका के प्रतीक को जमींदोज कर शेष दुनिया को चौंका देना, डराना चाहता था। अलकायदा का आतंकवाद अपने मंसूबे और मकसद में कामयाब भी रहा, क्योंकि उस आतंकी हमले में 5232 लोग मारे गए थे। यह सरकार का अधिकृत आंकड़ा है। दुबई से तेल अवीव जा रहे विमान में 174 यात्री सवार थे, जिनमें 150 से अधिक यहूदी बताए जा रहे हैं। अलकायदा ने न जाने कितने पढ़े-लिखे नौजवानों को आतंकी के तौर पर, फिदायीन बनने के लिए भ्रमित किया होगा! मौजूदा सिलसिला भी उन्हें थमने वाला नहीं है, यह विशेषज्ञों का आकलन है। सरकारों और देशों की विदेश नीतियों में इतनी खामियां, इतने विरोधाभास हैं कि ‘जेहादी’ किस्म के चेहरों को भी पायलट जैसी घोर संवेदनशील और मानवीय जिम्मेदारी की नियुक्तियां दी जाती रही हैं। यह पहली बार नहीं हुआ। जब कट्टरपंथी सोच के कारण ओमान विमानन सेवा ने हमामी को विमान उड़ाने से प्रतिबंधित कर दिया था, तो उसे दुबई में नौकरी कैसे मिली? और वह तेल अवीव, इजरायल जाने वाले विमान का को-पायलट कैसे बना? इससे भयानक और आपराधिक गलती कोई और हो सकती है क्या? ऐसे कई यश-प्रश्न जांच के दौरान सामने आएंगे। बहरहाल इस आसमानी हमले और संभावित हादसे में विमान के पायलट कैप्टन स्मिथ ‘वैश्विक नायक’ बनकर उभरे हैं। पायल और लड़लुहान होने के बावजूद उन्होंने विमान को संभाला, उससे पहले कोक 7500 भी देने में वह सफल रहे कि विमान का अपवहन कर लिया गया है, विमान की सफ़दी अरब में आपात, सुरक्षित लैंडिंग भी हो गई और अंततः 174 ज़िंदगियां बचाईं। वह ‘हनुमान चालीसा’ का आध्यात्मिक करिश्मा भी हो सकता है। यह आस्था का सवाल है। फिलहाल कैप्टन स्मिथ संयुक्त अरब अमीरात में उपचाराधीन हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने फ़ोन पर उसे बातचीत की और सेहत का हालचात पूछा। दुबई के ‘क्राउन प्रिंस’ शेख हमदान ने उनसे मुलाकात की और कैप्टन का माथा चूम कर बेहतर सेहत की दुआएं दीं। बहरहाल यह संकट और खतरा पश्चिम एशिया तक ही सीमित नहीं है। दुनिया भर की विमानन सेवाओं के भीतर आतंकवादी सोच की संघ संभावित है और कुछ भी हो सकता है।



ललित गार्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

एशियाई खेलों में भारत का चौथे स्थान पर रहना निश्चित रूप से उपलब्धि है, लेकिन विश्वगुरु बनने की आकांक्षा रखने वाले भारत के लिए यह उपलब्धि आत्मसंतोष का कारण नहीं, बल्कि आत्ममंथन और नए संकल्प का अवसर होनी चाहिए। आइची-नागोया एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने 85 पदक-21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य-जीतकर अपनी क्षमता का परिचय दिया है। एशिया जैसे खेल महाशक्ति वाले महाद्वीप में शीर्ष चार देशों में स्थान बनाना सामान्य उपलब्धि नहीं है। फिर भी प्रश्न यह है कि जब चीन और जापान जैसे देश हमसे आगे हैं, तब भारत प्रथम और द्वितीय स्थान तक कब पहुंचेगा? इससे भी बड़ा सवाल यह है कि जिस भारत को हम आर्थिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और सामरिक शक्ति के रूप में विश्व की अग्रिम पंक्ति में देखना चाहते हैं, उसकी खेल शक्ति अभी भी अपेक्षित ऊंचाइयों तक क्यों नहीं पहुंच पाई है? एशियाड की पदक हमें दो अलग-अलग तस्वीरें दिखाते हैं। पहली तस्वीर उत्साह जगाती है। तीरंदाजी में नौ पदक, जिनमें पांच स्वर्ण शामिल हैं, भारतीय प्रतिभा का मजबूत उपस्थिति का प्रमाण हैं। कुमकुम मोहोद का रिजर्व वर्ग में व्यक्तिगत उपलब्धि हासिल करना, प्रणवी उर्स का व्यक्तिगत गोल्फ स्वर्ण जीतने वाली पहली भारतीय महिला बनना तथा बॉक्सिंग और कुश्ती में स्वर्णिम प्रदर्शन हमारी खेल प्रतिभा की व्यापकता को दर्शाते हैं। क्रिकेट, हॉकी और कबड्डी में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा भी कायम रहा।

महिला हॉकी टीम की सफलता विशेष रूप से उल्लेखनीय है। मौजूदा चैंपियन चीन को हराकर स्वर्ण पदक हासिल करना केवल एक पदक नहीं, बल्कि चार दशक से अधिक समय से चले आ रहे इंतज़ार का अंत है। यह जीत बताती है कि जब प्रतिभा, अनुशासन, सामूहिक भावना और लक्ष्य के प्रति प्रतिबद्धता एक साथ आती है तो भारतीय खिलाड़ी किसी भी प्रतिद्वंद्वी को चुनौती दे सकते हैं। लेकिन दूसरी तस्वीर आत्ममंथन की मांग करती है। एथलेटिक्स में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं हुआ। निशानेबाजी, जिसे भारत की पदक संभावनाओं का मजबूत आधार माना जाता है, भी उम्मीदों पर पूरी तरह खरी नहीं उतरी। पिछली बार के मुकाबले कुल पदकों और स्वर्ण पदकों में कमी भी गंभीर संकेत है। इसलिए चौथा स्थान हमारी मंजिल नहीं, अगली छलांग

का पड़ाव होना चाहिए।भारत और चीन-जापान के बीच अंतर को केवल पदक तालिका से नहीं समझा जा सकता। खेलों में शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए वर्षों तक चलने वाली वैज्ञानिक योजना, जमीनी स्तर से प्रतिभा खोज, आधुनिक प्रशिक्षण, खेल विज्ञान, पोषण, मानसिक मजबूती, चिकित्सा सहायता और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का निरंतर अनुभव जरूरी होता है। चीन ने खेलों को राष्ट्रीय शक्ति के एक महत्वपूर्ण आयाम के रूप में विकसित किया है।

जापान ने खेल संस्कृति को शिक्षा, अनुशासन और जीवनशैली से जोड़ा है। भारत के सामने चुनौती यह है कि वह अपनी विशाल युवा आबादी को केवल संभावित खिलाड़ियों की संख्या के रूप में न देखे, बल्कि उसे विश्वस्तरीय खेल प्रतिभा में बदलने का तंत्र विकसित करे। भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। कमी है तो प्रतिभा को पहचानने, तराशने और लंबे समय तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बनाए रखने वाली सुव्यवस्थित व्यवस्था की। गांव, छोटे शहर और साधारण परिवारों से आने वाली असंख्य प्रतिभाएं आज भी उचित प्रशिक्षण, संसाधन और अवसर के अभाव में आगे नहीं बढ़ पातीं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले वर्षों में खेलों के प्रति भारत का दृष्टिकोण बदला है। खेल अब केवल मनोरंजन या कुछ चुनिंदा खिलाड़ियों का क्षेत्र नहीं रह गया है, बल्कि इसे राष्ट्रीय प्रतिष्ठ, युवा शक्ति और स्वस्थ समाज के निर्माण से जोड़ा जा रहा है। खेले इंडिया जैसे अभियानों ने जमीनी स्तर पर प्रतिभाओं को पहचानने की दिशा में महत्वपूर्ण वातावरण बनाया है। ओलंपिक और एशियाई खेलों में भारतीय खिलाड़ियों की बढ़ती उपस्थिति यह इस परिवर्तन का संकेत है। लेकिन अब अगला चरण और अधिक महत्वाकांक्षी होना चाहिए। हमें यह नहीं पूछना चाहिए कि भारत कितने पदक जीत सकता है, बल्कि यह पूछना चाहिए कि भारत किन खेलों में विश्व की शीर्ष शक्ति बन सकता है। हमें पदक-केन्द्रित सोच से आगे बढ़कर खेल-परिस्थितिकी तंत्र यानी ऐसी पूरी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रतिभा की खोज से लेकर उसके अंतरराष्ट्रीय करियर तक हर चरण की जिम्मेदारी स्पष्ट हो। भारत में खेल और शिक्षा को लंबे समय तक एक-दूसरे का



को मिलकर ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जिसमें प्रतिभाशाली खिलाड़ी को प्रशिक्षण, उपकरण, पोषण, यात्रा और प्रतियोगिताओं के लिए आर्थिक सुरक्षा मिल सके।

भारत की अगली चुनौती केवल पदक जीतना नहीं, बल्कि लगातार चैंपियन तैयार करना है। एक खिलाड़ी की सफलता के बाद उसी खेल में अगली पीढ़ी तैयार होनी चाहिए। इसके लिए खेल विज्ञान को प्रशिक्षण का अभिन्न हिस्सा बनाना होगा। आधुनिक फिटनेस, डेटा विश्लेषण, बायोमैकेनिक्स, स्पोर्ट्स मेडिसिन, मनोविज्ञान और पोषण विज्ञान को भारतीय खेल व्यवस्था में व्यापक रूप से शामिल करना होगा। मानसिक मजबूती भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। बड़े अंतरराष्ट्रीय मंच पर प्रतिभा के साथ दबाव संभालने की क्षमता निर्णायक बनती है। इसलिए खिलाड़ियों के लिए खेल मनोवैज्ञानिकों और मानसिक प्रशिक्षकों की नियमित व्यवस्था आवश्यक है। किसी खिलाड़ी की एक प्रतियोगिता में असफलता को उसकी क्षमता का अंतिम प्रमाण मानने के बजाय उसे सीखने और वापसी का अवसर दिया जाना चाहिए। भारतीय महिला खिलाड़ियों ने हाल के वर्षों में जिस प्रकार अपनी क्षमता सिद्ध की है, वह भारत के खेल भविष्य की सबसे सकारात्मक तस्वीरों में से एक है। महिला हॉकी को

स्वर्णिम सफलता इसका ताजा उदाहरण है। तीरंदाजी, मुक्केबाजी, कुश्ती, एथलेटिक्स, गोल्फ और अन्य खेलों में भी बेटियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई है। अब जरूरत है कि ग्रामीण और अर्धशहरी क्षेत्रों की बेटियों को खेलों से जोड़ने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। सुरक्षित खेल परिसर, महिला प्रशिक्षक, छात्रवृत्ति और परिवारों में खेल के प्रति सकारात्मक वातावरण इस दिशा में बड़ा परिवर्तन ला सकते हैं। भारत की आधी आबादी को खेल शक्ति में पूरी तरह शामिल किए बिना विश्व की खेल महाशक्ति बनने का सपना अधूरा रहेगा।

लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 दूर नहीं है। इसलिए एशियाड की उपलब्धियों और कमियों का विश्लेषण केवल समाचारों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। प्रत्येक खेल के लिए अभी भी पदक की वास्तविक संभावना, संभावित खिलाड़ियों की सूची, प्रशिक्षण योजना और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं का कैलेंडर तैयार होना चाहिए। हमें उन खेलों की पहचान करनी होगी जिनमें भारत अगले ओलंपिक में बड़ी छलांग लगा सकता है। साथ ही जिन खेलों में हम लगातार पिछड़ रहे हैं, वहां रणनीतिक निवेश करना होगा। लक्ष्य यह होना चाहिए कि भारत केवल कुछ पारंपरिक खेलों में नहीं, बल्कि एथलेटिक्स, तैराकी, निशानेबाजी, जिम्नास्टिक, साइकिलिंग, कुश्ती, मुक्केबाजी और अन्य ओलंपिक खेलों में व्यापक पदक क्षमता विकसित करे। भारत का चौथा स्थान यह संदेश देता है कि हम पाकी नहीं हैं, लेकिन अभी बहुत आगे जाना बाकी है। हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत हो रही है, विज्ञान और तकनीक में नई उपलब्धियां हासिल हो रही हैं, शिक्षा और आधारभूत ढांचे के विस्तार हो रहा है और भारत वैश्विक मंच पर अपनी भूमिका लगातार मजबूत कर रहा है। ऐसे समय में खेलों में भी विश्वस्तरीय उत्कृष्टता हमारी राष्ट्रीय पहचान का अनिवार्य हिस्सा होनी चाहिए। खेल केवल पदक नहीं देतेय वे अनुशासन, धैर्य, नेतृत्व, टीम भावना, आत्मविश्वास और स्वस्थ जीवन की संस्कृति देते हैं। इसलिए खेलों में निवेश वास्तव में राष्ट्र के भविष्य में निवेश है। आइची-नागोया हमें गर्व करने का अवसर देता है, लेकिन उससे भी अधिक आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। चौथा स्थान मंजिल नहीं, चेतावनी और चुनौती दोनों हैं। अब भारत को यह संकल्प लेना होगा कि अगली एशियाई प्रतियोगिताओं में हम केवल शीर्ष चार में रहने के लिए नहीं, बल्कि प्रथम और द्वितीय स्थान के लिए मैदान में उतरेंगे। और ओलंपिक में केवल पदकों की संख्या बढ़ाने के लिए नहीं, बल्कि विश्व खेल शक्ति बनने के लिए तैयारी करेंगे। जिस भारत को विश्वगुरु बनना है, उसे विश्व खेलगुरु बनने की दिशा में भी उतनी ही गंभीरता से कदम बढ़ाने होंगे।

एआई से मेडिकल सलाह के खतरे



डॉ. योगेंद्र श्रीवास्तव

व्यक्तियों का स्वास्थ्य बिगड़ गया। जुलाई 2026 में फ्लोरिडा के एक पास्टर स्कॉट विंस्टन ने अपनी लगातार बिगड़ती हालत में ओपन एआई कम्पनी के बॉट चैट जीपीटी की सलाह ली और वे मरते मरते बचे। पल्मोनरी एम्बोलिज्म के मरीज होने के बावजूद चैट जीपीटी उन्हें अस्पताल न जाने की सलाह देता रहा और भरोसा दिलाता रहा कि वे स्वस्थ हो जायेंगे। इस गफलत के लिये स्कॉट विंस्टन ने ओपन एआई के खिलाफ मुकदमा दायर किया है। इसी तरह अप्राप्त 2025 में एक 60 वर्षीय वृद्ध ने चैट जीपीटी की सलाह पर खाने नमक (सोडियम क्लोराइड) की मात्रा कम करने के लिये सोडियम ब्रोमाइड का सेवन किया। तीन माह बाद ब्रोमाइड के दुष्प्रभावों के कारण उक्त व्यक्ति की हालत बिगड़ गई और उसे अस्पताल में भर्ती होना पड़ा।

लेकिन सबसे दुःखद घटना सैन होजे के छात्र सैम नेल्सन के साथ हुई जिसमें चैट जीपीटी की सलाह पर कुछ नशीली दवाओं का सेवन करने से उसकी मृत्यु हो गयी। सैम की

माँ द्वारा दायर मुकदमे की सुनवाई सैन फ्रांसिस्को की अदालत में जारी है। सैम 19 वर्ष का छात्र था जो अधिकांश युवाओं की तरह चैट जीपीटी से संगीत, होमवर्क जैसी दौरेर बातचीत करता था। फिर उसने कुछ नशीली दवाओं के बारे में भी जानकारी ली और पूछा कि क्या क्राउटम और जेनेक्स दवा को साथ लिया जा सकता है! चैट जीपीटी ने उसे यह जानलेवा कॉन्बिनेशन लेने से मना नहीं किया और अंततः इनके साथ ही अल्कोहल का सेवन करने से सैम की मृत्यु हो गई। इन दुःखद दुर्घटनाओं से ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि चैट जीपीटी बनाने वाली कम्पनी ओपन एआई ने सैम की मृत्यु पर खेद ज़रूर प्रकट किया मगर कहा कि वह पुराने मॉडल का उपयोग कर रहा था और नये मॉडल में यह कमियां दूर कर दी गयीं हैं। मुकदमों का अंजाम जो भी हो, चैट बॉट ने कई लोगों को गलत मेडीकल सलाह देकर इसके उपयोग पर बहस छेड़ दी है।

बॉट को शुरुआत में एक इंटरैक्टिव यानी संवादात्मक टूल के रूप में देखा जाता था जिसमें आम तौर पर लोग मनपसंद संगीत सुनने, अनुवाद करने, मौसम का हाल जानने आदि के लिये उपयोग में लाते थे। इसकी उपयोगिता के प्रति लोगों के रूझान को देखते हुये अब इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का इस्तेमाल करके एक सॉफ्टवेयर एप की तरह बना दिया गया है जिसका उपयोग सीधे मोबाइल से ही किया जा सकता है। सबसे पहले अमेरिकी कम्पनी ओपन एआई ने चैट जीपीटी नाम से इसे विकसित किया और बाद में गूगल दायर मुकदमे की सुनवाई सैन फ्रांसिस्को की अदालत में जारी है। सैम 19 वर्ष का छात्र था जो अधिकांश युवाओं की तरह चैट जीपीटी से संगीत, होमवर्क जैसी दौरेर बातचीत करता था। फिर उसने कुछ नशीली दवाओं के बारे में भी जानकारी ली और पूछा कि क्या क्राउटम और जेनेक्स दवा को साथ लिया जा सकता है! चैट जीपीटी ने उसे यह जानलेवा कॉम्बिनेशन लेने से मना नहीं किया और अंततः इनके साथ ही अल्कोहल का सेवन करने से सैम की मृत्यु हो गई। इन दुःखद दुर्घटनाओं से ज्यादा हैरान करने वाली बात यह है कि चैट जीपीटी बनाने वाली कम्पनी ओपन एआई ने सैम की मृत्यु पर खेद ज़रूर प्रकट किया मगर कहा कि वह पुराने मॉडल का उपयोग कर रहा था और नये मॉडल में यह कमियां दूर कर दी गयीं हैं। मुकदमों का अंजाम जो भी हो, चैट बॉट ने कई लोगों को गलत मेडीकल सलाह देकर इसके उपयोग पर बहस छेड़ दी है।

समस्या यह है कि एआई आधारित ऐसे एप को सर्वज्ञ मान लिया गया है जबकि ये उतनी ही जानकारी के आधार पर चलते हैं जितनी इनमें डाली गयी है। किसी मुकदमे की दरखास्त बनाने में, किसी कम्पनी की बैलेंस शीट का विश्लेषण करने में अथवा किसी लम्बे दस्तावेज की विवेचना करने में तो अवश्य ही बहुत सक्षम हैं परन्तु स्वास्थ्य सम्बन्धी सलाह देने में इनसे कई बार भीषण गलतियां हुई हैं जिनका उल्लेख लेख की शुरुआत में ही किया गया है। इसकी वजह यह है कि चैट बॉट को इस तरह विकसित किया गया है कि वह उपयोगकर्ता को कोई भी प्रॉडक्ट खरीदने के लिये प्रोत्साहित करे और निराशा के क्षणों में उससे उत्साहवर्धक बातचीत करके ढाढ़स बंधाये। इसीलिए पल्मोनरी एम्बोलिज्म के मरीज को अस्पताल जाने की सलाह देने के बजाय कहता रहा कि आप ठीक हो जायेंगे। और सैम नेल्सन को भी यह चेतावनी नहीं दी कि वह जिन प्रॉडक्ट का उपयोग करना चाहता है वे हानिकारक हो सकते हैं।

ये सारी खबरें बेहद चिंताजनक हैं और कम्पनियों के वांछित सुधार के दावे के बावजूद यह नहीं कहा जा सकता कि इस तरह के इंटरैक्टिव एप का उपयोग पूरी तरह सुरक्षित है। यह किसी उपयोगकर्ता के प्रश्न अथवा संवाद को उसकी परिस्थिति के अनुसार विश्लेषण करने में किसी इन्सान की तरह चरगत हो ही नहीं सकता। सवाल यह है कि सिर्फ किताबी जानकारी के आधार ऐसी जानलेवा सलाह देने के लिये एक चैट बॉट को किसने अधिकृत किया है। एआई के निरन्तर विकसित होने के साथ इस मुद्दे पर अथक बहस जरूरी है कि बिना प्रशिक्षण अथवा लायसेंस के चैट जीपीटी का मेडीकल सलाह देना उचित है या फिर अनैतिक और गैरकानूनी। यद्यपि चैट बॉट को कानूनी दायरे में लाकर जानकारी का स्रोत बताने और निजी डेटा को प्रसारित न करने जैसे प्रावदियाँ अवश्य लगाई गयी हैं मगर अभी तक ऐसी कोई गाइडलाईंस या स्पष्ट नीति सामने नहीं आयी है जो चैट बॉट से बातचीत के दौरान आदान प्रदान की गयी विषय वस्तु (कॉन्टेंट) की जिम्मेदारी और सीमा निर्धारित कर सके। अब यह बहुत जरूरी हो गया है कि सरकार और आईएमएफ जैसी सामाजिक संस्थाएँ सोशल मीडिया के माध्यम से जनात को चैट बॉट के खतरों के बारे में आगाह करें। मोबाइल पर अतिनिर्भर तथा आभासी दुनिया में डूबी युवा पीढ़ी के बीच चैट बॉट के खतरों के बारे में जागरूकता फैलाना ज्यादा जरूरी है ताकि सैम नेल्सन जैसी दुर्घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

सफेद सोने का संकट और किसानों की जमीनी हकीकत

दिलीप कुमार पाठक

07 अक्टूबर
विश्व कपास
दिवस

प्रतिशत क्षेत्र को ही सुनिश्चित सिंचाई की सुविधा प्राप्त है। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में बेमोसम बारिश और लंबे सूखे के कारण हर साल लाखों हेक्टेयर फसल खेत में ही नष्ट हो जाती है। दूसरा

भारत के कृषि और औद्योगिक ढांचे में कपास केवल एक व्यापारिक फसल नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार है। देश के करीब 60 लाख किसान सीधे तौर पर इसकी खेती से जुड़े हैं, जबकि कपड़ा उद्योग के माध्यम से यह सेक्टर 4 से 5 करोड़ लोगों को रोजगार देता है। राष्ट्रपिता गांधी जी ने कहा था कि भारत का उद्धार उसके कताई चक्र और खादी में निहित है, जो देश के करोड़ों भूखे लोगों को आजीविका दे सकता है। गांधी जी का यह विचार आज भी उतना ही प्रासंगिक है। 7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस के वैश्विक आयोजन के बीच, भारतीय कपास क्षेत्र के सरकारी आंकड़ों और खेतों के कड़वे सच के बीच के फासले का तटस्थ विश्लेषण बेहद जरूरी हो जाता है। वैश्विक परिदृश्य में भारत कपास के बुवाई क्षेत्र के मामले में दुनिया में पहले स्थान पर है। देश के लगभग 114.82 लाख हेक्टेयर क्षेत्र में कपास की खेती की जाती है। उत्पादन की दृष्टि से भारत, चीन के बाद विश्व में दूसरे पायदान पर आता है। आंकड़ों के अनुसार, चालू सीजन में देश का कुल कपास उत्पादन लगभग 290.91 लाख गांठ दर्ज किया, हमारी घरेलू खपत का आंकड़ा 328 लाख गांठ के आसपास रहा। यह अंतर स्पष्ट करता है कि भारतीय कपड़ा मिलों और निर्यात की मांग को पूरा करने के लिए घरेलू मोर्चे पर अभी लंबी दूरी तय करनी बाकी है। प्रति गांठ का वजन 170 किलोग्राम होता है।

आंकड़ों के पीछे जो सबसे बड़ा ढांचागत संकट है, वह है भारत की बेहद कम उत्पादकता। वैश्विक स्तर पर औसत प्रति हेक्टेयर उत्पादन जहां बहुत अधिक है, वहीं भारत में यह महज 431 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर पर अटक हुआ है। इसका मुख्य कारण यह है कि देश का लगभग 67 प्रतिशत कपास क्षेत्र आज भी पूरी तरह से अनिश्चित मानसून और वर्षा पर निर्भर है। केवल 33

बड़ा संकट लागत और कीटों के प्रबंधन का है। बीटी कॉटन तकनीकी की रोग प्रतिरोधक क्षमता अब धीरे-धीरे कम हो रही है। पिछले कुछ सीजन में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र के बेल्ट में गुलाबी सूंडी के भीषण प्रकोप ने किसानों को तबाह किया है। कीटों से फसल बचाने के चक्र में महंगी कीटनाशकों गंसायनिक खादों का अंधाधुंध इस्तेमाल बढ़ा है, जिसने खेती की इनपुट कॉस्ट को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा दिया है। लागत बढ़ने और उजजर्जन के इस दोहरे चक्रग्रस्त ने कपास उत्पादक किसानों को कर्ज जाल में धकेल दिया है। संकट की गंभीरता को देखते हुए नीतिगत स्तर पर कुछ बड़े कदम उठाए गए हैं। विपणन सीजन के लिए सरकार ने कपास के न्यूनतम समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार ने 5,659 करोड़ के बजटीय आवंटन के साथ कपास उत्पादकता मिशन को जमीन पर उतारा है। इस मिशन का दीर्घकालिक लक्ष्य 2031 तक देश के उत्पादन को 498 लाख गांठ तक पहुंचाना है, जिसमें 14 राज्यों के 32 लाख किसानों को आधुनिक तकनीक और उच्च गुणवत्ता वाले बीजों से जोड़ने का खाका खींचा गया है। विश्व कपास दिवस के इस मोड़ पर भारत को अपनी प्राथमिकताओं को पुनर्निर्धारित करना होगा। केवल एमएसपी बढ़ाना या बुवाई का कस्बा बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। हमें तत्काल रूप से उच्च घनत्व रोपण प्रणाली, जल संरक्षण के लिए ड्रिप इरिगेशन और जलवायु-अनुकूल बीजों के स्वदेशी अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करना होगा। जब तक प्रति हेक्टेयर उत्पादकता में सुधार नहीं होगा और कीटों के संकट का स्थायी वैज्ञानिक समाधान नहीं खोजा जाएगा, तब तक स्वदेशी किसानों की यह चमक देश के अन्नदाता के जीवन में उजाला नहीं ला पाएगी।

बड़ा संकट लागत और कीटों के प्रबंधन का है। बीटी कॉटन तकनीकी की रोग प्रतिरोधक क्षमता अब धीरे-धीरे कम तोड़ रही है। पिछले कुछ सीजन में पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र के बेटल में गुलाबी सूंडी के भीषण प्रकोप ने किसानों को तबाह किया है। कीटों से फसल बचाने के चक्र में महंगे कीटनाशकों रासायनिक खादों का अंधाधुंध इस्तेमाल बिगड़ रहा है, जिसने खेती की इनपुट कॉस्ट को रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचा दिया है। लागत बढ़ने और उपज घटने के इस दोहरे चक्रव्यूह ने कपास उत्पादक किसानों को कर्ज के जाल में धकेल दिया है। संकट की गंभीरता को देखते हुए नीतिगत स्तर पर कुछ बड़े कदम उठाए गए हैं। विषणन सीजन के लिए सरकार ने कपास के न्यूनतम समर्थन मूल्य में उल्लेखनीय वृद्धि की है। इसके अतिरिक्त, केंद्र सरकार ने 5,659 करोड़ के बजटीय आवंटन के साथ कपास उत्पादकता मिशन को जमीन पर उतारा है। इस मिशन का दीर्घकालिक लक्ष्य 2031 तक देश के उत्पादन को 498 लाख गांठ तक पहुंचाना है, जिसमें 14 गर्मियों के 32 लाख किसानों को आधुनिक तकनीकी और उच्च गुणवत्ता वाले बीजों से जोड़ने का खाका खींचा गया है। विश्व कपास दिवस के इस मोड़ पर भारत को अपनी प्राथमिकताओं को पुनरांकित करना होगा। केवल एमएसपी बढ़ाना या बुवाई का कच्चा बढ़ाना पर्याप्त नहीं है। हमें तत्काल रूप से उच्च घनत्व रोपण प्रणाली, जल संरक्षण के लिए ड्रिप इरिगेशन और जलवायु-अनुकूल बीजों के स्वदेशी अनुसंधान पर ध्यान केंद्रित करना होगा। जब तक प्रति हेक्टेयर उत्पादकता में सुधार नहीं होगा और कीटों के संकट का स्थायी वैज्ञानिक समाधान नहीं खोजा जाएगा, तब तक सफेद सोने की यह चमक देश के अन्नदाता के जीवन में उजाला नहीं ला पाएगी।

दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक परिदृश्य में शक्ति संतुलन तमजे से करवट बदल रहा है। पिछले कुछ समय में चीन और पाकिस्तान के बीच रक्षा और सामरिक सहयोग जिस आकाशवात के साथ आगे बढ़ा है, उसने नई दिल्ली के सुरक्षा गलियारों में खतरों की घंटी बजा दी है। हाल ही में चीन द्वारा पाकिस्तान को पांचवीं पीढ़ी के अत्याधुनिक स्ट्रेल्थ लड़ाकू विमान, विशेष रूप से जे-35 और जे-31 की आपूर्ति करने की खबरें और पाकिस्तानी पायलटों की चीनी वायुसेना के साथ बढ़ती संयुक्त ट्रेनिंग महज एक द्विपक्षीय सैन्य सौदा नहीं है। यह भारत की संप्रभुता, हवाई श्रेष्ठता और दीर्घकालिक सुरक्षा के लिए एक सीधी और गंभीर चुनौती है। भारतीय वायुसेना के नेतृत्व ने भी इस उभरते खतरे को खुले तौर पर स्वीकार किया है। आज भारत के सामने सबसे बड़ा यश प्रश्न यह है कि वह एक तरफ घटती हुई लड़ाकू विमानों की स्काइडन क्षमता और दूसरी तरफ टू-फ्रंट वॉर (दो मोर्चों पर युद्ध) की वास्तविक होती आशंका के बीच अपनी सैन्य संप्रभुता को कैसे अधुण बनाए रखे। यह संपादकीय इस रक्षा सौदे के गहरे

चीन-पाकिस्तान रक्षा गटजोड़ और भारत की रणनीतिक विवशता

रणनीतिक निहितार्थों, भारत की वर्तमान वायुसैनिक कमजोरियों और इस चक्रव्यूह से बाहर निकलने के व्यावहारिक रास्तों का एक विस्तृत विश्लेषण प्रस्तुत करता है। ऐतिहासिक रूप से, भारत ने पारंपरिक सैन्य मोर्चे पर हमेशा पाकिस्तान के खिलाफ एक गुणात्मक और संख्यात्मक बढ़त बनाए रखी है। 1965, 1971 और 1999 के युद्धों में भारतीय वायुसेना की तकनीकी और रणनीतिक श्रेष्ठता ने निर्णयकारी भूमिका निभाई थी। यहाँ तक कि हाल के वर्षों में फ्रांस से मिले 4.5 पीढ़ी के राफेल विमानों ने पाकिस्तान को वायुसेना के अमेरिकी एफ-16 विमानों पर भारत को एक स्पष्ट मनोवैज्ञानिक और तकनीकी बढ़त दे दी थी। लेकिन चीन द्वारा फ्राइज स्टेट सॉपेन की यह नई डील इस स्थापित संतुलन को पूरी तरह से बिगाड़ने की क्षमता रखती है।

पांचवीं पीढ़ी के विमानों की सबसे बड़ी खासियत उनका स्ट्रेल्थ होना होता है, यानी वे दुश्मन के रडार की नजरों से बचकर बेहद करीब तक हमला करने में सक्षम होते हैं। यदि पाकिस्तान इन विमानों

को अपनी वायुसेना में सफलतापूर्वक शामिल और संचालित कर लेता है, तो भारत की मौजूदा हवाई रक्षा प्रणालियों और राफेल जैसे 4.5 पीढ़ी के विमानों की प्रभावशीलता पर एक गंभीर प्रश्नचिह्न लग जाएगा। चीन इस सौदे के जरिए न केवल भारत को अपने पड़ोस में उलझाए रखना चाहता है, बल्कि वह भारतीय उपमहाद्वीप में अमेरिकी प्रभाव और भारत की बढ़ती वैश्विक महत्वाकांक्षाओं को भी सीमित करना चाहता है। यह सौदा साफ तौर पर दर्शाता है कि पाकिस्तान अब चीनी सेना के एक फ्रॉन्सी के रूप में काम कर रहा है, जिसका एकमात्र उद्देश्य भारत की सैन्य ऊर्जा को निरंतर सोखना है। इस बाहरी खतरे के बीच, भारत की सबसे बड़ी चिंता उसकी आंतरिक रक्षा तैयारियों की धीमी रफ्तार है। भारतीय वायुसेना को किसी भी दोहरे मोर्चे (चीन और पाकिस्तान) की चुनौती से निपटने के लिए कम से कम 42 लड़ाकू विमानों की स्काइडन की आवश्यकता स्वीकृत है। इसके विपरीत, वर्तमान में यह संख्या खतरनाक रूप से घटकर महज 29 स्काइडन पर आ गई है। मिग-21 जैसे



पुराने सोवियत कालीन विमानों के चरणबद्ध तरीके से बाहर होने और नए विमानों के शामिल होने की बेहद धीमी दर ने इस खाई को और चौड़ा कर दिया है। इस संकट को और गहरा करने में हमारे स्वदेशी रक्षा उत्पादन की कछुआ चाल ने बड़ी भूमिका निभाई है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड द्वारा विकसित किए जा रहे तेजस मार्क-1ए लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में लगातार हो रही देरी ने वायुसेना के आधुनिकीकरण के पहियों को जाम कर दिया है। स्वदेशीकरण और आत्मनिर्भरता का नारा अपनी जगह बेहद सराहनीय और आवश्यक है, लेकिन जब वास्तविक युद्ध की रणनीतियों की बात आती है, तो नारों से ज्यादा जमीन पर विमानों की

उपलब्धता मायने रखती है। भारत अपने लड़ाकू विमानों की संख्या को बनाए रखने के लिए संघर्ष कर रहा है, जबकि उसके दोनों पड़ोसी देश अपनी फ्लीट को न केवल आधुनिक बना रहे हैं, बल्कि उनकी संख्या में भी भारी इजाफा कर रहे हैं। वायुसेना प्रमुख के अनुसार, यदि भारत को अपनी खोई हुई हवाई श्रेष्ठता वापस पानी है, तो उसे हर साल अपनी फ्लीट में कम से कम 36 से 40 नए फाइटर जेट शामिल करने होंगे, जो कि वर्तमान उत्पादन क्षमता को देखते हुए एक बेहद कठिन लक्ष्य प्रतीत होता है। हालांकि स्थिति चिंताजनक है, लेकिन सैन्य विशेषज्ञों का मानना ​​है कि भारत को तुरंत किसी घबराहट या पैनिक में आने की आवश्यकता नहीं है। किसी भी लड़ाकू विमानों की क्षमता महज उसकी कागजी विशिष्टताओं या उसकी पीढ़ी से तय नहीं होती। युद्ध में सबसे महत्वपूर्ण होता है सिस्टम इंटीग्रेशन। पाकिस्तान को चीन से विमान तो मिल सकते हैं, लेकिन उन्हें आवश्यक है, लेकिन जब वास्तविक युद्ध की रणनीतियों की बात आती है, तो नारों से ज्यादा जमीन पर विमानों की

से एकीकृत करने में वर्षों का समय लगेगा। चीनी तकनीकी विश्वसनीयता और वास्तविक युद्ध स्थितियों में उसका प्रदर्शन हमेशा से संदेह के घेरे में रहा है। दूसरी रणनीति दीर्घकालिक आत्मनिर्भरता की होनी चाहिए। भारत का अपना पांचवीं पीढ़ी का विमान कार्यक्रम, जिसे एडवांस्ड मीडियम कॉन्बैट एयरक्राफ्ट कहा जाता है, अभी भी डिज़ाइन और शुरुआती विकास के चरणों में है। सरकार को इस परियोजना को मिशन मोड में डालना होगा और निजी क्षेत्र की भागीदारी को बढ़ावा देकर इसकी समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप अपनाते हुए विदेशी विकल्पों को खुला रखना होगा। रूस द्वारा पेश किए गए सुखोई-57 स्ट्रेल्थ फाइटर के प्रस्ताव या अमेरिका के अत्याधुनिक विमानों की समयसीमा को आधा करना होगा। लेकिन यदि AMCA के निर्माण में उम्मीद से ज्यादा देरी होती है, तो भारत को व्यावहारिक रूप

हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर किया हमला

दो इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर दागी मिसाइलें

रियाद



सऊदी अरब के जजान और नजरान स्थित हवाई अड्डों को सोमवार शाम दो अलग-अलग हमलों में निशाना बनाया गया। सऊदी विमानन प्राधिकरण के अनुसार, इन हमलों में तीन लोग घायल हुए हैं और सीमित नुकसान पहुंचा है। यह हमला यमन के ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच बढ़ते तनाव के बीच हुआ है। यह हमला ऐसे समय हुआ है जब सऊदी समर्थित यमन सरकार की सेना ने लाल सागर तट के साथ हूती विद्रोहियों से अपने इलाके वापस लेने के लिए बड़ा सैन्य अभियान तेज कर दिया है। सऊदी अरब ने इस अभियान के समर्थन में हवाई हमलों को काफी तेज किया है।

इसके जवाब में हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के हवाई अड्डों, तेल प्रसिध्दानों और सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले तेज कर दिए हैं। सरकारी बलों ने रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण बाव

अल-मंडेब जलडमरूमध्य के पास के इलाकों पर दोबारा कब्जा करने के बाद मोचा की ओर कदम बढ़ाए हैं, जिससे हूती विद्रोहियों पर दबाव काफी बढ़ गया है।

सऊदी अरब के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण ने बताया कि वह किंग अब्दुल्ला बिन अब्दुलअजीज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और नजरान अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर हुए नुकसान का आकलन कर रहा है। प्राधिकरण ने कहा कि यात्रियों

और कर्मचारियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा देश की नागरिक उड्डयन प्रणाली की सुरक्षा के लिए जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। हूती विद्रोहियों ने दावा किया है कि उन्होंने रियाद के किंग खालिद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, राबिघ में अरामको की तेल रिफाइनरी, आभा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे और खमीस मुशायत स्थित एक सैन्य अड्डे पर भी हमले किए हैं। इन हमलों से सऊदी-हूती संघर्ष और गहरा गया

है, जिसका असर अब यमन की सीमाओं से बाहर निकलकर सऊदी अरब के आर्थिक और सैन्य बुनियादी ढांचे पर साफ दिखाई दे रहा है। संघर्ष के इस तरह तेज होने के बाद मक्का रक्षा समझौते के तहत हलचल बढ़ गई है, जिसमें सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्किये अपने सामूहिक रक्षा प्रतिबद्धताओं को लागू करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

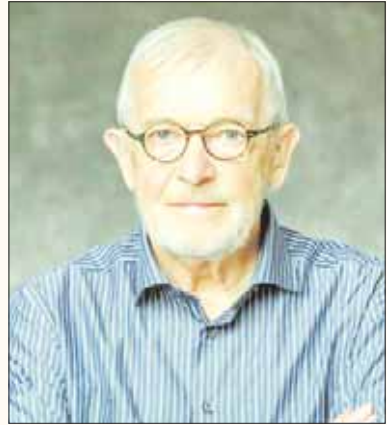
केन्या में इबोला से पहली मौत की पुष्टि, डीआर कांगो में फैला प्रकोप

नैरोबी, (वार्ता)। केन्या ने पिछले सात वर्षों से कांगो लोकतांत्रिक गणराज्य में रह रहे केन्याई नागरिक की इबोला से मौत होने की पुष्टि की है। स्वास्थ्य मंत्री एडेन डुआले ने बताया कि करीब एक महीने पहले बीमार पड़े मरीज की नैरोबी पहुंचने के कुछ दिनों बाद मौत हो गयी। मरीज ने शनिवार को विमान से यात्रा की थी और नैरोबी के मुख्य हवाई अड्डे पर सामान्य सार्वजनिक स्वास्थ्य जांच से गुजरा था। रिश्तेदार उसे एक अस्पताल ले गया। मरीज पहले सड़क मार्ग से डीआर कांगो से युगांडा की राजधानी कंपाला पहुंचा था, जहां से उसने नैरोबी के लिए उड़ान ली। नैरोबी अस्पताल ले जाने के बाद उसे कोविड-19 के दौरान बनाये गये एक पृथक चिकित्सा केंद्र में स्थानांतरित किया गया।

अमेरिका: ट्रंप ने फोर्ट हुड गोलीबारी के दोषी निदाल हसन की मौत की सजा को दी मंजूरी

सजा देने का समय और जगह तय करेंगे। आखिरकार हसन के लिए फैसले का दिन आ गया है। आर्मी साइकियाट्रिस्ट हसन एक मेडिकल बिल्डिंग में गया, जहां सैनिक अपना चेकअप करवा रहे थे। उसने अल्लहु अकबर का नारा लगाया और गोलीबारी शुरू कर दी। इस घटना में 13 लोग मारे गए और 30 से अधिक घायल हुए। ट्रंप की मंजूरी के बाद सजा पर अमल करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, लेकिन आर्मी लायर मैगजीन में मई में छपे एक लेख के अनुसार, हसन सिविलियन फेडरल कोर्ट सिस्टम में हेबियस कॉर्पस की अपील करके इस प्रक्रिया को रोक सकते हैं और यह रोक कई सालों तक चल सकती है। मिलिट्री जस्टिस सिस्टम में मौत की सजा बहुत कम दी जाती है और सजा पर अमल तो और भी कम होता है। हसन समेत चार लोग अभी फोर्ट लेवनवर्थ, कैनसस में मौत की सजा का इंतजार कर रहे कैदियों की सूची में हैं।

वैज्ञानिक फ्रांसिस हाल्जेन को दिया गया फिजिक्स में नोबेल पुरस्कार, न्यूट्रिनो की खोज के लिए मिला सम्मान



वाशिंगटन

खोज के लिए रॉयल स्वीडिश एकेडमी ऑफ साइंसेज ने उन्हें यह सम्मान दिया है। हाल्जेन ने अपने करियर का बड़ा हिस्सा अमेरिका में बिताया।

फ्रांसिस हाल्जेन को दिसंबर में किया जाएगा सम्मानित

दिसंबर 2026 में स्वीडन के स्टॉकहॉम में फ्रांसिस हाल्जेन को सम्मानित किया जाएगा। उन्हें मेडल, डिप्लोमा और 11.5 करोड़ रुपये पुरस्कार राशि भी मिलेगी। आइसक्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी, जिसका विचार इस साल फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार पाने वाले फ्रांसिस हैल्जेन ने दिया था, दूर अंतरिक्ष से आने वाले न्यूट्रिनो को ट्रैक करती है।

फ्रांसिस हैल्जेन की खोज

आइसक्यूब द्वारा लगातार इकट्ठा की जाने वाली न्यूट्रिनो इंटरैक्शन से शोधकर्ताओं को उन हिंसक स्थितियों के बारे में नई जानकारी मिलेगी जिनमें हाई-एनर्जी न्यूट्रिनो बन सकते हैं, और इससे पहले से अज्ञात ब्रह्माण्डीय घटनाओं का भी पता चल सकता है। 2026 में फिजिक्स का नोबेल पुरस्कार पाने वाले फ्रांसिस हैल्जेन ने महसूस किया कि साउथ पोल की बर्फ का इस्तेमाल न्यूट्रिनो कहे जाने वाले कणों को ट्रैक करने के लिए किया जा सकता है। उनकी सोच और वैज्ञानिक नेतृत्व आइसक्यूब न्यूट्रिनो ऑब्जर्वेटरी के लिए बहुत अहम रहे हैं।

यह एक क्यूबिक किलोमीटर बर्फ का हिस्सा है जिसमें लाइट सेंसर लगे हैं। आइसक्यूब का इस्तेमाल करके, शोधकर्ता दूर के ब्रह्मांड में बहुत ज्यादा ऊर्जा वाली प्रक्रियाओं से निकलने वाले न्यूट्रिनो को पकड़ सकते हैं।

राष्ट्रीय संयोजक बनने के बाद आकाश आनंद का पहला बयान, कहा- मुझे क्षमा किया, हल्के में नहीं लूंगा

लखनऊ, (वार्ता)

बहुजन समाज पार्टी (बसपा) में राष्ट्रीय संयोजक के पद पर दोबारा नियुक्ति के बाद आकाश आनंद ने अपनी बुआ और बसपा सुप्रीमो मायावती का आभार जताया है। श्री आनंद ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा- आदरणीय बहन कु. मायावती जी, सादर चरणस्पर्श। आपने मुझे क्षमा किया और बहुजन समाज पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक की जिम्मेदारी दोबारा सौंपी। इस भरोसे के लिए मैं तहे दिल से आपका आभारी हूँ, और इसे मैं हल्के में कभी नहीं ले

सकता हूँ। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ समय ने मुझे बहुत कुछ सिखाया है। सबसे बड़ी सीख यह है कि यह मूवमेंट किसी एक व्यक्ति से कहीं बड़ा है। उन्होंने कहा है कि परमपूय बाबा साहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी और मान्यवर श्री कांशीराम जी ने जो रास्ता दिखाया, और जिस पर आपने अपना पूरा जीवन लगा दिया, उस



पर चलना मेरा सौभाग्य है।

तकनीक और स्टार्टअप का नया केंद्र बना उत्तर प्रदेश : योगी

लखनऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को कहा कि उत्तर प्रदेश अब केवल तकनीक का बाजार नहीं, बल्कि उसके उत्पादन और नवाचार का केंद्र बन रहा है। असेंबली से एआई तक की यह यात्रा नए उत्तर प्रदेश की नई उड़ान है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मेक इन इंडिया, डिजिटल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत के विजन को प्रदेश में नीति, निवेश और उत्पादन से जोड़कर जमीन पर उतारा गया है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर जारी एक बयान में कहा कि पूर्ववर्ती सरकारों ने उत्तर

प्रदेश की असीम संभावनाओं का उपयोग नहीं किया और प्रदेश को बीमारू बनाए रखा। आज साढ़े नौ वर्षों के भीतर देश में बनने वाले करीब 60 प्रतिशत मोबाइल फोन और 55 प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स कंपोनेंट के उत्पादन में उत्तर प्रदेश की हिस्सेदारी है। उन्होंने कहा कि जेवर में 3,706 करोड़ रुपये की एचसीएल-फॉक्सकॉन चिप इकाई का निर्माण हो रहा है। प्रदेश में 644 मेगावाट क्षमता के डेटा सेंटर के प्रस्ताव आ चुके हैं। इसके अलावा 24 हजार से अधिक स्टार्टअप और आठ यूनिफॉर्म उत्तर प्रदेश में विकसित हो चुके हैं। यानी प्रदेश की यात्रा मोबाइल से मॉड्यूल और



मॉड्यूल से माइक्रोचिप तक पहुंच रही है।

योगी ने कहा कि वर्ष 2017 से

पहले घोषणाएं होती थीं, लेकिन परियोजनाओं को जमीन पर उतरने के लिए संघर्ष करना पड़ता था। उस समय प रि वार वा द , माफियाकरण और तुष्टीकरण को विकास का मॉडल बना दिया गया था। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने प्राथमिकताएं बदली हैं।

परिवार के विकास की जगह प्रदेश का विकास, माफिया के संरक्षण की

जगह निवेशक का संरक्षण और तुष्टीकरण की जगह तकनीक को प्राथमिकता दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादन बढ़ने के साथ डेटा सेंटर की जरूरत बढ़ी और अब उत्तर प्रदेश डेटा सेंटर से एआई सिटी तक भविष्य की डिजिटल अर्थव्यवस्था का आधार तैयार कर रहा है।

योगी ने कहा है कि एआई-प्रज्ञा के माध्यम से 10 लाख युवाओं को नई तकनीक से जोड़ने का लक्ष्य रखा गया है। प्रदेश का बढ़ता स्टार्टअप तंत्र युवाओं को नौकरी तलाशने वाले से आगे बढ़ाकर रोजगार देने वाला बना रहा है। उन्होंने कहा कि कभी उत्तर प्रदेश तकनीक का बाजार था, लेकिन

आज वह तकनीक का निर्माता बन रहा है। असेंबली से एआई तक की यह यात्रा केवल तकनीक की नहीं, बल्कि युवाओं के रोजगार, उद्यम और समृद्धि की यात्रा है।

इसी कड़ी में मंगलवार को लखनऊ में एचसीएल टेक की स्थापना के 10 वर्ष पूरे होने पर आयोजित कार्यक्रम में वह शामिल होंगे। इस अवसर पर एचसीएल-गुवी इमर्जिंग टेक रिकलिंग सेंटर का शुभारंभ भी किया जाएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-विकसित उत्तर प्रदेश के संकल्प के साथ प्रदेश तकनीक, निवेश और नवाचार के क्षेत्र में नई पहचान बना रहा है। यही नए उत्तर प्रदेश की नई उड़ान है।

खैबर पख्तूनख्वा में आतंकवादी हमला, कस्टम विभाग के 4 अधिकारियों की गोली मारकर हत्या

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के अशांत खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को आतंकियों ने घात लगाकर हमला कर दिया, जिसमें कम से कम चार सीमा शुल्क यानी कस्टम अधिकारियों की मौत हो गई।

अधिकारियों के अनुसार, यह घटना दक्षिण वजीरिस्तान की सीमा से लगे डेरा इस्माइल खान जिले में हुई। कस्टम विभाग के ये अधिकारी वहां ड्यूटी पर तैनात थे, तभी आतंकियों ने उन पर अंधाधुंध गोलियां चला दीं। गोलीबारी में चारों अधिकारियों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद शवों को अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर भेज दिया गया। अधिकारियों ने बताया



कि आतंकियों ने डेरा इस्माइल खान जिले में तीन अलग-अलग जगहों को निशाना बनाया। इन हमलों में कस्टम अधिकारियों के अलावा राजस्व बोर्ड और ट्रैफिक पुलिस के जवानों को भी निशाना बनाया है। वारदात को अंजाम देने

के बाद हमलावर मौके से भाग निकले। सूचना मिलते ही भारी पुलिस बल घटनास्थल पर पहुंचा। पुलिस ने पूरे इलाके की घेराबंदी कर सबूत जुटाए हैं और आतंकियों की तलाश में जांच शुरू कर दी है।

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने 2009 में टेक्सास के फोर्ट हुड में गोलीबारी करने वाले मेजर निदाल मलिक हसन को फायरिंग स्क्वाड के जरिए मौत की सजा देने की मंजूरी दे दी। सेना ने 1961 के बाद से मौत की सजा पर अमल नहीं किया है। पेंटागन के प्रवक्ता शान पार्नेल ने कहा कि आर्मी सेक्रेटरी सजा देने का समय और जगह तय करेंगे। आखिरकार हसन के लिए फैसले का दिन आ गया है। आर्मी साइकियाट्रिस्ट हसन एक मेडिकल बिल्डिंग में गया, जहां सैनिक अपना चेकअप करवा रहे थे। उसने अल्लहु अकबर का नारा लगाया और गोलीबारी शुरू कर दी। इस घटना में 13 लोग मारे गए और 30 से अधिक घायल हुए। ट्रंप की मंजूरी के बाद सजा पर अमल करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी, लेकिन आर्मी लायर मैगजीन में मई में छपे एक लेख के अनुसार, हसन सिविलियन फेडरल कोर्ट सिस्टम में हेबियस कॉर्पस की अपील करके इस प्रक्रिया को रोक सकते हैं और यह रोक कई सालों तक चल सकती है। मिलिट्री जस्टिस सिस्टम में मौत की सजा बहुत कम दी जाती है और सजा पर अमल तो और भी कम होता है। हसन समेत चार लोग अभी फोर्ट लेवनवर्थ, कैनसस में मौत की सजा का इंतजार कर रहे कैदियों की सूची में हैं।

ट्रंप ने ईरान के खिलाफ युद्ध को वैश्विक बचाव अभियान बताया, जल्द खतम होने का किया दावा

वाशिंगटन (वार्ता)

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नेब्रास्का के ग्रैंड आइलैंड में एक

उन्होंने एक बार फिर जोर देकर कहा कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। इसके बाद अमेरिकी



चुनावी रैली को ईरान के खिलाफ अमेरिका-इजरायल के सैन्य अभियान को वैश्विक बचाव अभियान के रूप में पेश करने के लिए इस्तेमाल किया और कहा कि यह संघर्ष जल्द ही समाप्त हो जाएगा।

श्री ट्रंप ने कहा, हम पश्चिम एशिया, इजरायल और हर कोई पूरी दुनिया को एक ऐसी स्थिति से बचा रहे हैं, जो अब तक की सबसे भयावह त्रासदियों से से एक हो सकती थी।

राष्ट्रपति ने सैन्य अभियान को लेकर और अ ध क आक्रामक अंदाज में कहा, वैसे, हम ईरान की जमकर धुनाई कर रहे हैं। आप जानते हैं, है न? यह किसी न किसी तरह खतम होगा। यह बहुत जल्द खतम होने वाला है। श्री ट्रंप ने अमेरिका में कीमतों में कमी को भी युद्ध की समाप्ति से जोड़ा और कहा, और आपकी कीमतें कम होने वाली हैं।

श्रेया चौधरी मुपापा में आयुष्मान खुराना के साथ



आएंजी नजर

बंदिश बैंडिट्स के दोनों सीजन और द मेहता बॉयज़ में अपने अभिनय से पहचान बनाने वाली अभिनेत्री श्रेया चौधरी अब आयुष्मान खुराना के साथ फिल्म मुपापा में नजर आएंगी। समीर सक्सेना के निर्देशन में बनी यह फिल्म 19 फरवरी 2027 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म का निर्माण यश राज फिल्म्स के मुख्य कार्यकारी अधिकारी अक्षय विधानी और पोशम पा पिक्चर्स ने किया है। पोशम पा पिक्चर्स की सह-स्थापना समीर सक्सेना ने बिस्वपति सरकार, सौरभ खन्ना और अमित गोलानी के साथ की है। मुपापा इस स्टूडियो और प्रोडक्शन हाउस का पहला थिएट्रिकल सहयोग है। श्रेया अपने सहज अभिनय और किरदारों की भावनाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करने के लिए जानी जाती हैं। बंदिश बैंडिट्स में उनके अभिनय को सराहा गया, जबकि %द मेहता बॉयज़ में उन्होंने अपनी बहुमुखी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। मुपापा के साथ श्रेया के करियर में एक नया अध्याय शुरू होगा। इस बीच उन्हें वायआरएफ टैलेंट ने एक्सक्लूसिव मैनेजमेंट के लिए साइन किया है। वायआरएफ टैलेंट के रोस्टर में रानी मुखर्जी, आयुष्मान खुराना, सोनम कपूर, वाणी कपूर, शरवती, अहान पंडे और अनीत पट्टा समेत कई कलाकार शामिल हैं।

गुरु रंधावा का नया गीत फोशो रिलीज

पंजाबी अभिनेता, गायक, गीतकार और संगीतकार गुरु रंधावा ने टी-



ऊर्जा को एक अलग ऊर्जाई तक ले जाने की कोशिश की गई है। उन्होंने बताया कि गीत के वीडियो को विमान के अंदर फिल्माया गया है, जिससे इसकी मस्ती और जोश को नया अंदाज मिला है। प्रीत सिंह और हैरी सिंह द्वारा फिल्माए गए वीडियो में गुरु रंधावा यात्रियों और विमान के चालक दल के साथ डांस और मस्ती करते नजर आते हैं। विमान के उतरने के बाद एयरपोर्ट पर भी डांस का सिलसिला जारी रहता है। फोशो अब सभी प्रमुख संगीत स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है।

विद्युत जामवाल ने 15 मिनट तक रोकी सांस

बॉलीवुड अभिनेता विद्युत जामवाल अपनी फिटनेस और स्टंट के लिए जाने जाते हैं। वह आमतौर पर कम ही मीडिया के सामने आते हैं, लेकिन जब भी आते हैं तो कुछ ऐसा कर जाते हैं कि लोग हैरान रह जाते हैं। उनकी आने वाली फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' के प्रचार कार्यक्रम में भी कुछ ऐसा ही देखने को मिला। विद्युत ने करीब 15 मिनट तक अपनी सांस रोके रखी, जिसे देखकर वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। विद्युत जामवाल इन दिनों अपनी पहली बॉलीवुड फिल्म 'स्ट्रीट फाइटर' के प्रचार में व्यस्त हैं। फिल्म में उन्होंने एक गेमिंग किरदार निभाया है, जो योग में माहिर है। फिल्म के प्रचार कार्यक्रम के दौरान विद्युत ने मीडिया के सामने करीब 15 मिनट तक अपनी सांस रोककर रखी। इस दौरान उन्होंने दिखाया कि अपने शरीर पर उनका कितना नियंत्रण है और अपने किरदार के लिए उन्होंने कितनी तैयारी की है। जब विद्युत अपनी सांस रोके खड़े थे, तब उनकी आंखों से आंसू निकलने लगे और उनके हाथ भी कांपने लगे। इसके बावजूद उन्होंने करीब 15 मिनट तक यह किया।

मीडिया से बातचीत के दौरान विद्युत जामवाल ने बताया कि 15 मिनट तक सांस रोकने के लिए उन्होंने एक खास योग सूत्र की मदद ली। उन्होंने कहा कि इस योग सूत्र ने उनकी जिंदगी के कई बड़े पड़ाव पार करने में उनकी मदद की है। विद्युत ने युवाओं को भी एक खास सलाह दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को सिर्फ नतीजे का इंतजार करने के बजाय धैर्य के साथ रुकना सीखना चाहिए, तभी वे जीवन में कुछ मायने रखने वाली चीज हासिल कर पाएंगे।



शासकीय कन्या महाविद्यालय कटनी में सीएम यूथ कॉन्क्लेव कार्यक्रम का सीधा प्रसारण



कटनी (स्वतंत्रमत)।

मध्य प्रदेश उच्च शिक्षा विभाग के निर्देशानुसार दिनांक 6 अक्टूबर को शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी के कॉन्फ्रेंस हॉल में लाल परेड ग्राउंड, भोपाल में आयोजित सीएम यूथ कॉन्क्लेव कार्यक्रम का सीधा प्रसारण किया गया। कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन में किया गया। सीएम यूथ

कॉन्क्लेव का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को विकास, नवाचार, शिक्षा, कौशल, रोजगार, नेतृत्व एवं राष्ट्र निर्माण के विभिन्न आयामों से जोड़ना तथा उन्हें अपने भविष्य के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम के सीधे प्रसारण के माध्यम से महाविद्यालय की छात्राओं को प्रदेश स्तर पर आयोजित इस महत्वपूर्ण युवा कार्यक्रम से जुड़ने और उसमें प्रस्तुत विचारों एवं गतिविधियों को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर प्राप्त हुआ।

कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सीधा प्रसारण देखा और युवाओं की भूमिका, शिक्षा एवं कौशल विकास, आत्मनिर्भरता, नवाचार तथा विकसित मध्य प्रदेश के निर्माण से संबंधित विषयों पर प्रस्तुत विचारों को ध्यानपूर्वक सुना। छात्राओं ने कार्यक्रम के माध्यम से युवा शक्ति की सकारात्मक भूमिका एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के महत्व को समझा। प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात ने कहा कि युवा देश और प्रदेश

के विकास की महत्वपूर्ण शक्ति हैं। विद्यार्थियों में नई सोच, नेतृत्व क्षमता, तकनीकी दक्षता एवं रचनात्मक दृष्टिकोण विकसित करना समय की आवश्यकता है। इस प्रकार के कार्यक्रम युवाओं को अपने लक्ष्य निर्धारित करने तथा राष्ट्र एवं समाज के प्रति अपनी ज़िम्मेदारियों को समझने के लिए प्रेरित करते हैं। कार्यक्रम के सीधे प्रसारण में महाविद्यालय की छात्राओं एवं

संबंधित स्टाफ ने सहभागिता की। कार्यक्रम के अंत में छात्राओं को शिक्षा, कौशल, नवाचार एवं सामाजिक सहभागिता के क्षेत्र में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय परिवार ने सीएम यूथ कॉन्क्लेव के माध्यम से प्राप्त संदेशों को छात्राओं के लिए प्रेरणादायक एवं ज्ञानवर्धक बताया तथा प्रदेश के विकास में युवा शक्ति की सक्रिय भागीदारी की आवश्यकता पर बल दिया।

डा. वाय सुब्बाराव पूर्व राज्याध्यक्ष भारतीय चिकित्सा संघ जबलपुर में सम्मानित

कटनी (स्वतंत्रमत)। आईएमए हाऊस राइट टाउन ने 4 अक्टूबर को आईएमए जबलपुर की नई कार्यकारिणी 2026-27 का शपथ ग्रहण समारोह डा. बी.एम. शरणागत की अध्यक्षता में आशीष दुबे सांसद जबलपुर के मुख्य आतिथ्य डा. नवनीत सक्सेना टीन की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। नव निर्वाचित अध्यक्ष डा. अमिता राजीव सक्सेना सचिव अभिषेक श्रीवास्तव उपाध्यक्ष डा. राखी वाजपेयी अन्य पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

इस अवसर पर पास्ट प्रेसीडेंट आईएमए म.प्र. स्टेट डा. पुरुषोत्तम नेमा डा. ब्रजेश अग्रवाल, डा. अरविन्द जैन, डा. अनिल ठाकुर डा. अरूण मलहोत्रा डा. वाय सुब्बाराव डा. आर.के. पाठक की उल्लेखनीय उपस्थिति रही। आईएमए हाल जबलपुर में सभी चिकित्सक सदस्य बहुत बड़ी संख्या में उपस्थित हुये। इस अवसर पर डा. वाय सुब्बाराव पूर्व राज्याध्यक्ष आईएमए एम.पी. स्टेट को इंडियन मेडीकल एसोसियेशन एवं मेडीकल फेटरनिटी के क्षेत्र में उल्लेखनीय नेतृत्व प्रदान करने, समर्पित सेवायें देने अमूल्य



योगदान तथा चिकित्सा व्यवसाय उनके दृष्टिकोण चिकित्सकों के कल्याण स्वास्थ्य संरक्षण में प्राति लाने के लिये कभी न थकने वाले उल्लेखनीय प्रयासों की मान्यता देने एवं अमिट छाप छोड़ने पर उनके द्वारा उल्लेखनीय सेवायें अर्पित करने एवं इनके नेतृत्व प्रदान को पूर्ण निष्ठापूर्वक प्रशंसित करते हुये दशकों से खचाखच भरे हुये आईएमए हाल में प्रशस्ति पत्र शाल श्रीफल, टीका तिलक लगाकर स्मृति चिह्न, डा. अमिता सक्सेना अध्यक्ष डा. राजीव सक्सेना एवं मानद सचिव डा. अभिषेक श्रीवास्तव द्वारा भेट प्रदान किये गये। सांसद आशीष दुबे ने चिकित्सकों से निर्धन एवं वंचित

वर्गों के बीच सक्रिय भागीदारी निभाने का आग्रह किया। डा. बी.एम. शरणागत ने राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों में योगदान देने, डा. नवनीत सक्सेना ने सतत चिकित्सा सेवा जारी रखने पर जोर दिया। संचालन डा. सुनीता हीरावानी ने किया डा. वाय सुब्बाराव को जबलपुर में उच्चस्तरीय सम्मान प्रदान किये जाने पर कटनी के डा. सुनीता वर्मा डा. नवीन कर्ण डा. आर.एन. तिवारी डा. हरीश बजाज डा. खण्डेलवाल, डा. बी.आर. पंजवानी, डा. विनीत गुप्ता उच्च नरेन्द्र आमनानी डा. एस. के. शर्मा एवं अन्य वरिष्ठ चिकित्सकों ने बधाईयाँ दी है।

डॉ. सपना नामदेव दुबे का नाम एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज



कटनी (स्वतंत्रमत)।

कटनी शहर की अंतर्राष्ट्रीय नृत्यागना डा. सपना नामदेव दुबे, जो की वर्तमान में शासकीय संगीत

महाविद्यालय, मैहर में कथक नृत्य की विभागाध्यक्ष है दिनांक 5अक्टूबर को जिला प्रशासन मैहर द्वारा आयोजित गौरव दिवस के अवसर पर 3430 विद्यार्थियों ने 91 मिनट 24 सेकंड तक सामूहिक कथक नृत्य का प्रस्तुतीकरण डा. सपना नामदेव दुबे के मार्गदर्शन में एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में नाम दर्ज कराया। एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज होने पर विधायक मैहर, एवं जिला कलेक्टर, जिला मैहर एवं अन्य गणमान्य प्रतिनिधियों के साथ एशिया बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड का खिताब प्राप्त करते हुए डॉक्टर सपना नामदेव दुबे की उपस्थिति रही। डॉक्टर सपना नामदेव दुबे ने बाल्यकाल से ही कटनी शहर का नाम रोशन किया है और निरंतर उनके कदम शास्त्रीय कथक नृत्य की दिशा में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंचों पर दिखाई देते हैं निश्चित ही कटनी के कला जगत में उनका नाम सदैव उल्लेखनीय रहा है।

सेवा सेतु अभियान के तहत लाभान्वित हो रहे बिजली उपभोक्ता

पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना दर्ज हो रहे आवेदन

कटनी (स्वतंत्रमत)।

मध्य प्रदेश शासन ऊर्जा विभाग के निर्देशन में पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी क्षेत्र के समस्त वृत्त में सेवा सेतु अभियान के तहत विशेष कैंप आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हितग्राहियों को लाभान्वित करने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत उपभोक्ता नेट मीटरिंग के कनेक्शन प्राप्त करते हुए 78 हजार तक की सब्सिडी प्राप्त कर सकते हैं, ऊर्जा के गैर नवीनीकृत स्रोत का उपयोग कम



करने एवं नवीनीकृत ऊर्जा के स्रोत का उपयोग बढ़ाने के उद्देश्य से मध्य प्रदेश शासन ऊर्जा विभाग के द्वारा कंपनी क्षेत्र के समस्त क्षेत्र में लगातार विशेष अभियान चलाया जाकर बिजली उपभोक्ताओं को पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत कनेक्शन प्रदान करने की कार्रवाई की जा

रही है, कटनी शहर में दिनांक 4 अक्टूबर को नगर निगम क्षेत्र में आयोजित किए गए सभी शिविरों में कार्यपालन अभियंता शहर संभाग कटनी के द्वारा स्टॉल लगाया जाकर शिविर का आयोजन किया गया था सेवा सेतु अभियान के अंतर्गत लगातार 5 अक्टूबर से 7 अक्टूबर तक

गणेश चौक कार्यालय के समीप विशेष कैंपियन चलाया जाकर उपभोक्ताओं को ज्यादा से ज्यादा जानकारी प्रदान करते हुए अधिक से अधिक उपभोक्ताओं को लाभान्वित करने के उद्देश्य से शिविर का आयोजन किया जाएगा, जिसमें विभागीय अधिकारी एकर्मचारी एवं वेन्डर

की उपस्थिति सुनिश्चित की जाएगी जिससे कि अधिक से अधिक संख्या में पीएम सूर्य घर योजना के अंतर्गत रजिस्ट्रेशन किया जाकर उपभोक्ताओं को इस योजना का लाभ प्रदान किया जाएगा, कार्यपालन अभियंता कटनी शहर संभाग के प्रांगण में दिनांक 14 अक्टूबर को बड़े स्तर पर शिविर का आयोजन किया जाएगा जिसमें उपभोक्ताओं के रजिस्ट्रेशन उनको पीएम सूर्य घर योजना से संबंधित जानकारी प्रदान करना, लोन से संबंधित जानकारी प्रदान करना इत्यादि समस्त सुविधा उपलब्ध रहेगी अधिक से अधिक संख्या में आमजन सेवा सेतु कैंप में उपस्थित होकर योजना का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

वार्डों की प्राथमिकताओं से लेकर नागरिक सुविधाओं तक, महापौर जनसुनवाई में हुआ सीधा संवाद

नागरिकों ने महापौर सूरी के समक्ष रखीं अपने क्षेत्र की शिकायतें और समस्याएं, अधिकारियों से जानी कार्रवाई की स्थिति, दिए आवश्यक निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)।

शहर के अलग-अलग वार्डों से आए नागरिकों के लिए मंगलवार को आयोजित महापौर जनसुनवाई अपनी बात सीधे

महापौर तक पहुंचाने का माध्यम बनी। नगर निगम कार्यालय में हुई जनसुनवाई के दौरान नागरिकों ने अपन-अपने क्षेत्रों की आवश्यकताओं, स्थानीय समस्याओं और अपेक्षित सुविधाओं से महापौर प्रीति संजीव सूरी को अवगत कराया। नागरिकों द्वारा प्रस्तुत प्रकरणों में आवास, जलकर, अतिक्रमण, सड़क, नाली, जल निकासी, प्रकाश व्यवस्था सहित अन्य विषय शामिल रहे। महापौर ने नागरिकों की बात ध्यानपूर्वक सुनते हुए संबंधित अधिकारियों से मौके पर ही प्रकरणों की स्थिति जानी और



आवश्यकतानुसार कार्रवाई की प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान कई नागरिकों ने अपने वार्ड की परिस्थितियों और लंबे समय से महसूस की जा रही स्थानीय जरूरतों को भी साझा किया। महापौर ने कहा कि नागरिकों से प्राप्त सुझाव और क्षेत्रीय आवश्यकताओं की जानकारी नगर के विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। उन्होंने कहा कि जनसुनवाई का उद्देश्य केवल शिकायतें प्राप्त करना नहीं, बल्कि नागरिकों के साथ संवाद स्थापित कर समस्याओं के

समाधान की दिशा में प्रभावी कदम उठाना है। महापौर सूरी ने संबंधित शाखा प्रभारियों से कहा कि जनसुनवाई में सामने आए प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर देखा जाए तथा नियमानुसार आवश्यक कार्रवाई करते हुए उनकी प्रगति से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जाए। उन्होंने अधिकारियों को नागरिकों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करने पर भी जोर दिया। जनसुनवाई में नगर निगम की विभिन्न शाखाओं के प्रभारी अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।



कलेक्टर तिवारी ने सुनी लोगों की समस्याएं

कटनी (स्वतंत्रमत)। कलेक्टर आशीष तिवारी कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई कार्यक्रम में लोगों की समस्याएं सुन रहे हैं और अधिकारियों को आवेदनों के निराकरण के निर्देश दे रहे हैं। कलेक्टर अब तक 57 आवेदकों की समस्याओं और शिकायतों को सुन कर निराकरण के निर्देश दे चुके हैं। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ हरसिमरनप्रीत कौर, अपर कलेक्टर नीलांबर मिश्रा, एसडीएम कटनी जितेन्द्र पटेल, लोकसेवा जिला प्रबंधक दिनेश विश्वकर्मा सहित सभी विभागों के जिला अधिकारी मौजूद हैं।

थाना कुठला पुलिस की प्रभावी कार्यवाही काम्बिंग गश्त में डेढ़ दर्जन से अधिक स्थायी गिरफ्तारी वारंट तामील



कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा (भा.पु.से.) के द्वारा आपराधिक गतिविधियों में अंकुश एवं अपराधियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है। निर्देशानुसार, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमल मौर्य, उप पुलिस अधीक्षक अनिमेष द्विवेदी के मार्गदर्शन में कुठला थाना प्रभारी निरीक्षक अखिलेश दाहिया के नेतृत्व में काम्बिंग गश्त में स्थाई एवं गिरफ्तारी वारंटियों को तमिल करते हुए गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। दिनांक 4 अक्टूबर को काम्बिंग गश्त के दौरान कुठला पुलिस द्वारा वारंटियों के संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश देकर स्थाई वारंटी शुभम निषाद पिता विनोद निषाद निवासी पुरैनी, रिकू कोल पिता स्व. शिव प्रसाद कोल निवासी ट्रांसपोर्टनगर पुरैनी, एवं गिरफ्तारी वारंटी, सुग्रीव पाल पिता उमेश पाल निवासी पन्नी कालोनी, संता उर्फ संतलाल पिता पूरन चौधरी निवासी पहरूआ गल्ल मण्डी, चन्द्रभान पटेल पिता श्रीपत पटेल निवासी पटरा थाना कुठला, राजेश चौधरी पिता सुकुरु चौधरी निवासी कैलवारा कला, विनोद उर्फ ननका निषाद पिता महादेव निषाद निवासी पुरैनी को गिरफ्तार किया गया एवं अन्य वारंट तमिल किए गए। गिरफ्तार वारंटियों को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। विशेष भूमिका:- सम्पूर्ण कार्यवाही थाना प्रभारी कुठला निरीक्षक अखिलेश दाहिया के नेतृत्व में की गई जिसमें प्रधान आरक्षक अजय यादव, राहुल मिश्रा, शिवशंकर दुबे, आक्षक विजय प्रजापति, दुर्गेश सिंह, मनोज सिंह एवं अन्य स्टॉफ की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

जनसुनवाई में पुलिस अधिकारियों ने सुनी आमजन की समस्याएं, त्वरित एवं प्रभावी निराकरण के लिए निर्देश

कटनी (स्वतंत्रमत)। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार आमजन की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण तथा प्रभावी समाधान के उद्देश्य से प्रत्येक मंगलवार को आयोजित होने वाली जनसुनवाई के क्रम में दिनांक 6 अक्टूबर को पुलिस अधीक्षक कार्यालय, कटनी में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई के दौरान जिले के विभिन्न क्षेत्रों से आए आवेदकों की शिकायतों एवं समस्याओं को पुलिस अधीक्षक अभिनय विश्वकर्मा द्वारा गंभीरता, संवेदनशीलता एवं धैर्यपूर्वक सुना गया। आवेदकों द्वारा प्रस्तुत आवेदनों पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने हेतु संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कई प्रकरणों में मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए, वहीं अन्य मामलों में दूरभाष के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए गए।



कटनी स्टेशन पर विशेष किलाबंदी टिकट जांच अभियान

बिना टिकट यात्रियों पर कार्रवाई, ट्रेनों और प्लेटफॉर्म पर सघन जांच

कटनी (स्वतंत्रमत)।

पश्चिम मध्य रेलवे के प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक अरविंद कुमार रजक के निर्देशन और वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता की रणनीति के तहत कटनी स्टेशन पर सोमवार को विशेष किलाबंदी टिकट जांच अभियान चलाया गया। सुबह 8 बजे शुरू हुए अभियान में जबलपुर, भोपाल और कोटा मंडल के टिकट जांच कर्मचारियों ने ट्रेनों, प्लेटफॉर्म और प्रवेश द्वारों पर यात्रियों के टिकटों की सघन जांच की। बिना टिकट या अनियमित यात्रा करने वाले यात्रियों के विरुद्ध रेलवे नियमों के तहत कार्रवाई की गई। जांच में टिकट चेकिंग स्टाफ के साथ आरपीएफ और जीआरपी के जवान भी तैनात रहे। अभियान के दौरान कैटरिंग स्टॉल और वेंडरों की भी जांच की गई, ताकि यात्रियों को निर्धारित मानकों के अनुरूप सेवाएं



मिलें और रेलवे परिसर में अनियमितताओं पर प्रभावी नियंत्रण रखा जा सके। वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक शशांक गुप्ता ने पूरे जबलपुर मंडल, विशेषकर जबलपुर-कटनी-मैहर-सतना रेलखंड में व्यापक टिकट जांच अभियान जारी रखने के निर्देश दिए हैं। इस हेतु मंडल मुख्य टिकट निरीक्षक संदीप श्रोती को भी कटनी स्टेशन पर नियुक्त किया गया जिनके द्वारा गुप्ता से प्राप्त दिशा निर्देश के आधार पर टिकट चेकिंग स्टाफ को चेकिंग हेतु तैनात किया गया। अभियान का उद्देश्य बिना टिकट और अनियमित यात्रा पर रोक लगाना तथा नियमानुसार जुर्माना वसूलना है। यात्रियों की सुविधा और रेलवे राजस्व की सुरक्षा के लिए ऐसे सघन टिकट

जांच अभियान आगे भी जारी रहेंगे। चेकिंग अभियान में प्रमुख मुख्य वाणिज्य प्रबंधक उड़नदस्ता, कटनी प्रभारी धीरेन्द्र दाहिया, जबलपुर मंडल, भोपाल मंडल, कोटा मंडल के कुल 34 टिकट जांच कर्मचारियों द्वारा लगभग 20

गाड़ियों की जांच की गई तथा बिना टिकट, अनियमित यात्रा कर रहे यात्रियों, बिना बुक लगेज, अनाधिकृत वेंडर्स व गन्दगी फैलाने वाले कुल 320 यात्रियों से 215000 की राशि जुमाने के रूप में वसूल की गयी व उसकी रशीद जारी की गयी।



कप्तान श्रेयस की शतकीय पारी से भारत को मिली जीत

वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हराया

लखनऊ

भारत ने पहले टी-20 में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। यह टीम इंडिया की लगातार 10वीं टी-20 जीत भी है। टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज मंगलवार को 19.1 ओवर में 171 रन बनाकर ऑलआउट हुई। जवाब में भारत ने 14.4 ओवर में 2 विकेट खोकर 172 रन बनाकर टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 102 रन की पारी खेली।

कैरेबियाई टीम के लिए कप्तान शाई होप और शेरफेन रदरफोर्ड ने शानदार अर्धशतकीय पारियां खेलीं, लेकिन भारतीय गेंदबाजों खासकर स्पिनर्स के आगे पूरी मेहनान टीम ताश के पत्तों की तरह बिखर गई। मैच की शुरुआत में भारतीय गेंदबाजों ने शानदार गेंदबाजी करते हुए वेस्टइंडीज पर शिकंजा कस लिया था। भारत को पहली सफलता तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने दिलाई, जिन्होंने कामिल पूरन (12 रन) को अपनी एक बेहतरीन और घातक याँकर गेंद पर बोल्ड कर दिया। इसके बाद शिमरोन हेटमायर (5 रन) बेहद लापरवाही भरे अंदाज में रन आउट हो गए, क्योंकि क्रीज पर डाइव लगाते वक्त उनका बल्ला हवा में ही रह गया था। जल्द ही स्पिनर अक्षर पटेल ने रोमैवन पॉवेल को भी बड़ा शॉट खेलने के चक्कर में बोल्ड कर दिया। शुरुआती इटकों के बाद शाई होप

और शेरफेन रदरफोर्ड ने पारी को संभालने की कोशिश की और अर्धशतक जड़कर टीम के स्कोर को आगे बढ़ाया। हालांकि, इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने जबरदस्त वापसी की। डेब्यू कर रहे ऑलराउंडर नमन धीर ने शानदार गेंदबाजी करते हुए अर्धशतक जड़ चुके खतरनाक बल्लेबाज शाई होप को चलता किया। नमन ने अपनी गेंद की लंबाई थोड़ी पीछे खींची, जिस पर हल्का टर्न मिला और होप मिड-ऑफ पर कैच थमा बैठे। इसके बाद चाइनामैन गेंदबाज कुलदीप यादव ने रोस्टन चेज को अपना शिकार बनाया, जबकि नमन धीर ने विस्फोटक बल्लेबाज रोमारियो शेपर्ड को भी पवेलियन का रास्ता दिखाया। कुलदीप यादव की गेंद पर मैथ्यू फोर्ड ने काउ कॉर्नर की तरफ हवा

में शॉट खेला, जहां विकेटकीपर ईशान किशन ने एक शानदार और बेहतरीन कैच लपककर उनकी पारी का अंत किया। भारत की ओर से अपना डेब्यू मैच खेल रहे युवा खिलाड़ी नमन धीर सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने सबसे ज्यादा 3 विकेट इटके। इसके अलावा कुलदीप यादव और अनुभवी अक्षर पटेल ने अपनी फिरकी का जलवा बिखरेते हुए दो-दो विकेट अपने नाम किए।

हरमन प्रीत ने छोड़ी कप्तानी



नई दिल्ली। हरमनप्रीत कौर ने भारतीय महिला क्रिकेट टीम की तीनों फॉर्मेट की कप्तानी छोड़ दी है। उन्होंने मंगलवार को इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। यह फैसला एक दिन पहले गुवाहाटी में हुई बीसीसीआई की मीटिंग के बाद आया है। बैठक में हरमनप्रीत, उपकप्तान स्मृतिमंधाना और कोच अमोल मजूमदार शामिल हुए थे। टीम के भविष्य और कप्तानी को लेकर भी चर्चा हुई। हरमनप्रीत के बाद स्मृति मंधाना को अगला कप्तान बनाया जा सकता है। 37 साल की हरमनप्रीत के नाम कई रिकॉर्ड हैं। इनमें बतौर कप्तान भारत को पहला महिला वर्ल्ड कप जिताना शामिल है। उनकी कप्तानी में टीम ने 2012, 2016, 2022 और 2026 एशिया कप का खिताब भी अपने नाम किया। 2012 एशिया कप में हरमनप्रीत ने सिर्फ फाइनल में कप्तानी की थी। बाकी मैचों में मिताली राज ने टीम की कमान संभाली थी। हरमनप्रीत ने लिखा, आज मैं सभी फॉर्मेट में भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तानी छोड़ रही हूं। यह आसान फैसला नहीं है।

टोक्यो में अल्काराज़ का जलवा लेहेका को हराकर एटीपी 500 खिताब बचाया

टोक्यो

चोट के कारण 2026 सीजन में रुकावट के बाद, कार्लोस अल्काराज ने मंगलवार शाम किनोशिता ग्रुप जापान ओपन टेनिस चैंपियनशिप में खिताब जीतने की अपनी लय में वापसी की। एटीपी रैंकिंग में नंबर 3 खिलाड़ी ने टोक्यो में हार्ड-कोर्ट एटीपी 500 इवेंट में अपना खिताब सफलतापूर्वक बचाने के लिए जिरी लेहेका को 7-6(4), 6-4 से हराया। कड़े मुकाबले वाले फाइनल में लेहेका ने अल्काराज़ को कड़ी टक्कर दी, लेकिन फरवरी में दोहा के बाद अपना पहला टूर-लेवल खिताब जीतने के लिए अल्काराज़ ने सही समय पर शानदार खेल दिखाया। अल्काराज़ ने कहा, मैं फिर से ट्रॉफी उठाने में कामयाब होकर बहुत खुश हूँ। कलाई की चोट के कारण अप्रैल में बासिलोना और अगस्त के आखिर में यूएस ओपन के बीच उन्होंने कोई टूर्नामेंट नहीं खेला था। काफी समय हो गया था, और जाहिर है कि चोट के बाद यह और भी खास है। मेरी वापसी, और खेले गए दूसरे ही



टूर्नामेंट में ट्रॉफी जीतना बहुत मायने रखता है। मैं इसे लेकर बहुत खुश हूँ। एक मुश्किल हफ्ता था। मैं अपने सबसे अच्छे लेवल पर तो नहीं खेल पाया, लेकिन मैंने अच्छे समानाज दूढ़े, और मुझे लगता है कि आखिर में यही मायने रखता है। सबसे अहम पॉइंट्स पर अपना बेस्ट खेल दिखाया। मुझे लगता है कि मैंने इस हफ्ते ऐसा ही किया। मैं कहूंगा कि आज का मैच इस हफ्ते का सबसे अच्छा मैच था, या कम

से कम मेरा खेल ज्यादा कंसिस्टेंट था। मंगलवार के फाइनल के पहले गेम में अपनी सर्विस गंवाने के बाद अल्काराज़ ने जबरदस्त वापसी की, और बाद में पहले सेट के टाई-ब्रेक में 2-4 से पिछड़ने के बावजूद शानदार खेल दिखाया। स्पेन के इस खिलाड़ी ने लगातार पांच पॉइंट्स जीतकर सेट अपने नाम किया और, खासकर अपने फोरहैंड के दम पर, दूसरे सेट के सातवें गेम में एकमात्र ब्रेक हासिल किया।

खेलेंगे अपना विदाई मैच लियोनेल मेसी

व्यूनस आयर्स

सुपर स्टार लियोनेल मेसी आज बुधवार को व्यूनस आयर्स के एस्टाडियो मास मोनुमेंटल में अर्जेंटीना बनाम बेनिन फेंडली मैच के दौरान अपने शानदार इंटरनेशनल फुटबॉल करियर का समापन करेंगे। अर्जेंटीना बनाम बेनिन फुटबॉल मैच, जिसे लास्ट टैगो कहा जा रहा है, भारतीय समयानुसार सुबह 4:30 बजे शुरू होगा। भारत में अर्जेंटीना बनाम बेनिन मैच की लाइव स्ट्रीमिंग और लाइव टेलीकास्ट देखा जा सकेगा। 39 वर्षीय मेसी, जिन्होंने 31 अगस्त को इंटरनेशनल फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की थी, इस खास मौके पर अर्जेंटीना की फीफा वर्ल्ड कप 2022 जीतने वाली टीम के सदस्यों और उनके परिवारों की मौजूदगी में खचाखच भरे स्टेडियम में आखिरी बार ला



अल्बिसेलेस्टे की कप्तानी करेंगे। लियोनेल मेसी का फेयरवेल मैच, न्यू जर्सी में स्पेन के खिलाफ अर्जेंटीना की फीफा वर्ल्ड कप 2026 फाइनल में हार के दो महीने से कुछ अधिक समय बाद हो रहा है। मेसी अर्जेंटीना के फुटबॉल इतिहास के सबसे सफल खिलाड़ी हैं: उन्होंने 207 मैच खेले हैं, 125 गोल किए हैं

और 68 असिस्ट दिए हैं – ये सभी ला अल्बिसेलेस्टे के लिए रिकॉर्ड हैं। ला पुल्ग्रा (मेसी का उपनाम) की उपलब्धियों में बीजिंग 2008 ओलंपिक गोल्ड मेडल, फीफा वर्ल्ड कप 2022 का खिताब, 2021 और 2024 में लगातार कोपा अमेरिका ट्रॉफी और 2022 फाइनलसीमा शामिल हैं। हालाँकि, यह शाम सिर्फ मेसी के सम्मान में नहीं होगी। अनुभवी डिफेंडर निकोलास ओटामेंडी भी संन्यास लेने वाले हैं। खबरों के मुताबिक, मिडफील्डर रोड्रिगो डी पॉल और जियोवानी लो सेल्सो भी इस मैच के दौरान आखिरी बार अर्जेंटीना की जर्सी में दिख सकते हैं। अर्जेंटीना अभी दुनिया में दूसरे नंबर पर है, जबकि बेनिन 89वें नंबर पर है। इस अफ्रीकी टीम के कोच गेनोर्ट रोहर हैं, जिन्होंने 2018 फीफा वर्ल्ड कप में नाइजीरिया की टीम को कोचिंग दी थी।

पाकिस्तान ने टी-20 कप्तान बदला, सलमान अग्रा की जगह साहिबजाद फरहान को कमान

नई दिल्ली। पाकिस्तान ने श्रीलंका के खिलाफ 9 से 13 अक्टूबर तक होने वाली 3 मैचों की टी-20 सीरीज के लिए कप्तान बदल दिया है। सलमान अली अग्रा की जगह साहिबजादा फरहान को टीम की कमान सौंपी गई है। फरहान ने हाल ही में एशियन गेम्स में पाकिस्तान की कप्तानी की थी। उनकी टीम फाइनल में भारत से 19 रन से हारकर सिल्वर मेडल जीत सकी थी। पाकिस्तान ने टी-20 टीम में बल्लेबाज हसन नवाज और तेज गेंदबाज नसीम शाह की वापसी भी कराई है। वहीं, टेस्ट डेब्यू पर इंग्लैंड के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करने वाले रजाउल्लाह को पहली बार टी-20 और वनडे टीम में शामिल किया गया है। साहिबजादा फरहान ने एशियन गेम्स में पाकिस्तान की कप्तानी की थी।

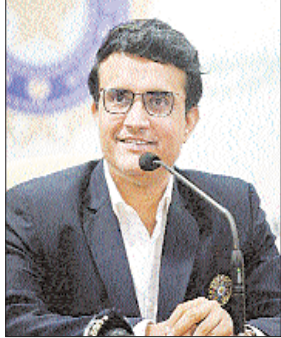
सौरव गांगुली बने दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच

अगले आईपीएल सीजन में टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे

नई दिल्ली

पूर्व भारतीय कप्तान सौरव गांगुली को दिल्ली कैपिटल्स का हेड कोच नियुक्त किया गया है। वे आईपीएल के अगले सीजन में टीम की जिम्मेदारी संभालेंगे। गांगुली इससे पहले दिल्ली कैपिटल्स के साथ डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट के तौर पर काम कर चुके हैं। उन्होंने 2025 में फ्रिडोरिया कैपिटल्स के हेड कोच के रूप में अपना पहला कोचिंग रोल संभाला था।

गांगुली ने आईपीएल में 59 मैचों में 1,349 रन बनाए। उनका बेस्ट स्कोर 91 रन रहा और उन्होंने 7 अर्धशतक लगाए। उन्होंने आईपीएल में कोलकाता नाइट राइडर्स और पुणे वॉरियर्स इंडिया की कप्तानी भी की। गांगुली का आईपीएल डेब्यू



2008 में केकेआर के लिए हुआ था। उन्होंने आखिरी मैच 2012 में पुणे वॉरियर्स के लिए खेला। बतौर गेंदबाज उनके नाम 10 विकेट भी हैं। दिल्ली कैपिटल्स को अब भी अपनी पहली आईपीएल ट्रॉफी का इंतबार है। दिल्ली 2020 में पहली बार फाइनल में पहुंची थी, लेकिन मुंबई इंडियंस के हाथों हार गई थी।

शेयर बाजारों में तेजी जारी, ट्रेंट का शेयर 13 फीसदी उछाल

मुंबई

घरेलू शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन तेजी देखी गयी और इस दौरान टाटा समूह की फैंशन और लाइफस्टाइल रिटेल कंपनी ट्रेंट का शेयर 13 प्रतिशत के करीब उछल गया। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स सुबह 126 अंक ऊपर 72,508 अंक पर खुला। इसके बाद इसका ग्राफ लगातार ऊपर की ओर बढ़ता रहा। बंद होने से पहले एक हजार अंक तक उछलने के बाद अंत में यह 685.34 अंक (0.95 प्रतिशत) चढ़कर 73,067.81 अंक पर बंद हुआ। ट्रेंट ने सोमवार को शेयर बाजारों को दिये गये अपडेट में बताया था कि गत 30 सितंबर को समाप्त दूसरी तिमाही में उसका



राजस्व 23 प्रतिशत बढ़कर 5,788 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है। इससे आज उसका शेयर 12.78 प्रतिशत चढ़कर 2,904 रुपये पर बंद हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक 220.35 अंक यानी 0.98 प्रतिशत की बढ़त के साथ 22,776.10 अंक पर पहुंच गया। सोमवार को भी दोनों सूचकांक रहे

निशान में रहे थे। वृहत बाजार में तेजी रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.23 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 1.08 प्रतिशत मजबूत हुआ।

सेक्टर आधारित समूहों में रसायन फार्मा, तेल एवं गैस, स्वास्थ्य, एफएमसीजी और वित्तीय कंपनियों के समूहों के सूचकांक एक से दो प्रतिशत तक चढ़ गए।

आईटी और रियल्टी सेक्टरों में गिरावट रही। एनएसई में जिन 3,695 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,453 के शेयरों में तेजी और 1,125 में गिरावट रही। अन्य 117 कंपनियों के शेयर अंततः अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की कंपनियों में ट्रेंट की 12.78 प्रतिशत की तेजी के बाद कोटक महिंद्रा बैंक का शेयर 3.59 प्रतिशत की बढ़त में रहा। हिंदुस्तान यूनीलिवर का शेयर 2.83 फीसदी, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 2.77, इंडियो का 2.23, इटरनल का 2.08, एशियन पेंट्स का 2.03 और एक्सिस बैंक का 2.01 प्रतिशत चढ़ गया। भारती एयरटेल में 1.49 प्रतिशत और सन फार्मा में 1.07 प्रतिशत की तेजी रही। एलएंडटी, बीईएल, एचडीएफसी बैंक, मारुति

सुजुकी, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फिनसर्व, अडानी पोर्ट्स और टाटा स्टील के शेयर भी हरे निशान में रहे।

टेक महिंद्रा का शेयर 2.30 प्रतिशत टूट गया। टाइटेन में 1.30 फीसदी और बजाज फाइनेंस में 0.95 फीसदी की गिरावट रही। आईटीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंफोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टीसीएस के शेयर भी नीचे बंद हुए। वैश्विक स्तर पर एशिया में जापान का निक्केई 1.05 प्रतिशत, होंगकांग का हेंग सेंग एक प्रतिशत और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.31 प्रतिशत ऊपर रहा।

यूरोपीय बाजारों में शुरूआती कारोबार में जर्मनी का डैक्स 0.56 फीसदी और ब्रिटेन का एफटीएसई 0.25 प्रतिशत ऊपर रहा।

स्कोडा ऑटो इंडिया ने नई स्लेविया की कीमतें घोषित कीं

मुंबई। स्कोडा ऑटो इंडिया ने नई स्लेविया की कीमतों की घोषणा कर दी है और इसकी डिलीवरी अगले सप्ताह से शुरू हो जाएगी। सेडान जो कहे सब कुछ वाली नई स्लेविया में और भी निखरा हुआ यूरोपीय डिज़ाइन, दमदार और रोमांचक प्रदर्शन, स्मार्ट तकनीक, बेहतर आराम और भरोसेमंद सुरक्षा, सब कुछ एक शानदार पैकेज में मिलता है। भारत के लिए विशेष रूप से तैयार एमक्यूबी-ए0-आईएन प्लेटफॉर्म पर निर्मित यह कार लॉन्च के समय छह वेरिएंट- क्लासिक, क्लासिक+, सिग्नेचर,

डिज़ाइन, शानदार ड्राइविंग अनुभव, आराम, सुरक्षा और बेहतरीन इंजीनियरिंग। नई स्लेविया इन्हीं खूबियों को और आगे ले जाती है, जिसमें पहले से अधिक आकर्षक डिज़ाइन, स्मार्ट तकनीक और बिल्कुल नया आउट-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स शामिल है। यह वाकई जो कहे सबकुछ है, क्योंकि यह बिना किसी



समझौते के सेडान का एक संपूर्ण अनुभव देती है-आकांक्षाओं को पूरा करने वाली, फिर भी सहज रूप से सुलभ; ड्राइव करने में आनंददायक, फिर भी आरामदायक; और ग्राहकों की

नई पीढ़ी की जरूरतों के अनुरूप। नई स्लेविया अपने भरोसेमंद 1.0 टीएसआई और 1.5 टीएसआई इंजन विकल्पों को बारकार रखती है। 1.0 टीएसआई इंजन के साथ छह-स्पीड मैनुअल या अपने सेगमेंट का बिल्कुल नया पहला आउट-स्पीड ऑटो कन्वर्टर ऑटोमैटिक गियरबॉक्स दिया गया है। अधिक शक्तिशाली 1.5 टीएसआई इंजन के साथ सात-स्पीड डीएसजी और बेहतर ब्रेकिंग भरोसे के लिए पीछे डिस्क ब्रेक दिए गए हैं।

एआई+ स्मार्टफोन ने की नोवा और पल्स सीरीज के कीमतों की घोषणा

नई दिल्ली। एआई+ स्मार्टफोन ने आज फ्लिपकार्ट के विंग बिलियन डेज 2026 में नोवा और पल्स सीरीज के लिए उत्सवकालीन कीमतों की घोषणा की। 8,999 रुपए से शुरू होने वाली यह सिरीज़ स्वच्छ डिज़ाइन, दीर्घकालिक बैटरी और दैनिक उपयोग के लिए उत्कृष्ट प्रदर्शन प्रदान करती है, जो कि भारत में निर्मित और एनएक्सटीक्रॉन्टम ओएस द्वारा संचालित है। नोवा और पल्स को इस प्रकार वैचार किया गया है कि वे लोगों की वास्तविक उपयोग संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करें। पूरे दिन चलने वाली बैटरी, स्पष्ट कैमरे, सुचारु डिस्प्ले और ऐसी कीमतें जो सबकी पहुंच के भीतर रहें। पल्स 2 से लेकर



नोवा 2 अल्ट्रा तक, तथा कुछ नया चाहने वालों के लिए नोवाफ्लिप, प्रत्येक मॉडल उन्नयन का एक ठोस कारण है, कोई समझौता नहीं। पल्स 2-8,999 रुपए (6000 एमएएच 50 मेगापिक्सेल एआई कैमरा), पल्स 2 एफई-

8,999 रुपए मीडियाटेक जी81, 50 मेगापिक्सेल, नोवा 2 5जी- 11,999 रुपए 6000 एमएएच 50 मेगापिक्सेल एआई डुअल 5जी, नोवा 2 नियो 5जी-12,999 रुपए डायमेंसिटी 6300 सोनी आईएमएक्स582, नोवा 2 पावर 5जी- 15,999-16,999 रुपए 7000 एमएएच डुअल-कलर डिज़ाइन, नोवा 2 प्रो 5जी- 16,999-17,999 रुपए, डायमेंसिटी 7100, नोवा 2 अल्ट्रा 5जी- 18,999 रुपए 1.5के एमोलेड आईपी68 डायमेंसिटी 7400, नोवाफ्लिप 5जी-49,999 रुपए फोल्डेबल डुअल एमोलेड, 50 मेगापिक्सेल।

आईसीआईसीआई लाइफ इश्योरेंस ने लॉन्च की अपनी नई ब्रांड पहचान

मुंबई। आईसीआईसीआई लाइफ इश्योरेंस लिमिटेड (जिसे पहले आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल लाइफ इश्योरेंस कंपनी लिमिटेड के नाम से जाना जाता था) ने आज अपनी नई ब्रांड पहचान और घोषणा की। आईसीआईसीआई लाइफ इश्योरेंस लिमिटेड के मार्केटिंग, डिजिटल और बैंकेश्योरेंस प्रमुख, श्रीनिवास बालासुब्रमण्यन ने नई ब्रांड पहचान और टैगलाइन के बारे में कहा, आईसीआईसीआई नाम देश के लाखों लोगों के जीवन में भरोसे, मजबूती और वित्तीय पहुंच के प्रतीक के तौर पर विशेष स्थान रखता है। पिछले 25 साल में, हमें 20 करोड़ से ज्यादा भारतीयों के सपनों और भविष्य को सुरक्षित करने में मदद करने का सौभाग्य मिला है। इस सफर के दौरान, हमने भारत की शानदार तरक्की और लोगों की उम्मीदों में आए बड़े बदलाव देखे हैं। उन्होंने कहा, आज की तेज-रफ्तार दुनिया में जटिलता और अनिश्चितता बढ़ गई है। करियर के बदलते मार्ग, बदलते पारिवारिक लॉचे, लंबी जीवन अवधि और बदलती वित्तीय प्राथमिकताओं के मद्देनज़र दीर्घकालिक योजना पहले से कहीं ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो गई है। इन अनिश्चितताओं से निपटने में जीवन बीमा की महत्वपूर्ण भूमिका होती है, लेकिन जहाँ तक वित्तीय भविष्य का सवाल है उसे सुरक्षित करने का अनुभव पारंपरिक रूप से अक्सर जटिल माना जाता रहा है।

वैश्विक चुनौतियों के बावजूद अर्थव्यवस्था की गति बरकारार

विश्व बैंक ने 2026-27 के लिए भारत की वृद्धि के अनुमान को 7.1 प्रतिशत बढ़ाया

नई दिल्ली (वार्ता)। विश्व बैंक ने वैश्विक चुनौतियों के बावजूद भारत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान वृद्धि के अपने अनुमान को बढ़ा कर 7.1 प्रतिशत कर दिया और कहा कि वैश्विक चुनौतियों के बाद भारतीय अर्थव्यवस्था की गति तेज बनी हुई है। विश्व बैंक का ताजा अनुमान इसी वर्ष जून के अनुमान से प्रतिशत 0.5 अंक ज्यादा है । विश्व बैंक ने अप्रैल में जारी अपने पिछले अनुमान में चालू वित्त वर्ष में वृद्धि 6.6 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। विश्व बैंक की मंगलवार को भारतीय अर्थव्यवस्था पर जारी नये अद्यतन अनुमान - इंडियन डेवलपमेंट अपडेट में कहा गया है कि मजबूत घरेलू मांग और बेहतर निर्यात से देश की आर्थिक वृद्धि को समर्थन मिल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में बना हुआ है और वैश्विक विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहा है। अद्यतन अनुमान में कहा गया है कि भारत की मध्यम अवधि की आर्थिक संभावनाएं मजबूत हैं। हालांकि, बाहरी जोखिम बढ़ रहे हैं। इनमें वैश्विक तेल कीमतों में वृद्धि, अल नीनो (गर्मी और सूखे की परिस्थिति) और शेयर बाजार में गिरावट से जुड़े जोखिम शामिल हैं, जिनसे पूंजी प्रवाह में अस्थिरता पैदा हो सकती है। रिपोर्ट का विशेष विषय है भारत और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) विकास के अवसर का लाभ उठाना है

और भारत की इस मामले में बुनियादी परिस्थितियां मजबूत हैं। इसी संदर्भ में देश में तकनीकी कार्यबल की बड़ी फौज, वैश्विक स्तर पर एकीकृत सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र और डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचा शामिल हैं। विश्व बैंक के अधिकारियों ने कहा, भारतीय फर्म एआई को अपनाते के मामले में अमेरिका और चीन की तुलना में अभी काफी पीछे हैं पर अन्य उपरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच भारत काफी आगे है। भारत में अभी तीन चौथाई फर्म एआई की लागत लाभ को लेकर निर्णय नहीं कर पा रही है। अधिकारियों ने कहा कि एआई का लाभ हासिल करने के लिए तकनीक में भरोसा, उद्योगों के लिए कारोबार की परिस्थितियों को आसान बनाने के लिए बुनियादी सुधारों तथा कौशल विकास महत्वपूर्ण होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि भारत में निजी क्षेत्र का एआई निवेश 2024 में 1.2 अरब डॉलर से तीन गुना बढ़कर 2025 में 4.1 अरब डॉलर हो गया। इसी अवधि में ग्लोबल कैपेबिलिटी सेंटर (जीसीसी) में काम करने वाले पेशेवरों की संख्या भी 2024 में 19 लाख से बढ़कर 2025 में 23.6 लाख हो गई। रिपोर्ट यह स्वीकार किया गया है एआई के दीर्घकालिक आर्थिक और श्रम बाजार संबंधी प्रभाव अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं हैं। रिपोर्ट में एआई को सक्षम बनाने वाले बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और कारोबारी माहौल में सुधार के लिए व्यापक नीतिगत कदम उठाने की सिफारिश की गयी है। साथ ही, एआई तक पहुंच को व्यापक बनाने और श्रमबल की क्षमता बढ़ाने पर जोर दिया गया है, ताकि एआई के लाभ समाज के सभी वर्गों तक पहुंच सकें।

युवा वर्ष के रूप में मनाया जायेगा वर्ष 2027 : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

12 नए मेडिकल कॉलेज और रोजगारपरक कोर्स के लिए 12 नए विश्वविद्यालय होंगे आरंभ, मुख्यमंत्री डॉ. यादव के मुख्य आतिथ्य में हुआ सीएम यूथ कॉन्क्लेव

भोपाल (स्वतंत्र मत) ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि वर्ष 2027 प्रदेश में युवा वर्ष के रूप में मनाया जाएगा और एक वर्ष में मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग की एक नहीं, दो परीक्षाएं आयोजित की जाएंगी। इसके साथ ही प्रदेश में 12 नए मेडिकल कॉलेज और रोजगारपरक कोर्स के लिए 12 नए विश्वविद्यालय आरंभ किए जाएंगे, जो कौशल उन्नयन पर केन्द्रित होंगे। प्रदेश के एक लाख युवाओं को कौशल उन्नयन योजना से जोड़ा जाएगा। युवा वर्ष 2027 के लिए एक पोर्टल की भी शुरूआत की जाएगी, जिसमें युवा अपने विचार और सुझाव दे सकेंगे। राज्य सरकार उपयुक्त सुझावों को लागू करने की दिशा में कार्य करेगी। प्रदेश के सभी जिलों के शासकीय महाविद्यालयों में प्रतियोगी परीक्षाओं को तैयारी के लिए निःशुल्क कोचिंग की व्यवस्था की जाएगी। कॉलेजों में विद्यार्थियों के बेहतर प्लेसमेंट के लिए विशेष एजेंसी निर्धारित की जाएगी, जो युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए काम करेगी। स्नातकोत्तर की छात्राओं को गांव की बेटी और प्रतिभा किरण योजना में शामिल किया जाएगा। सभी



शासकीय महाविद्यालयों में अत्याधुनिक आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस और एडवांस कम्प्युटिंग लेब्स की स्थापना की जाएगी। उच्च शिक्षा में शोध को प्रोत्साहन देने के लिए शोधार्थियों को मिलने वाली राशि को 16 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रूपए प्रतिमाह किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने यह घोषणाएं आज सीएम यूथ कॉन्क्लेव –2026 को संबोधित करते हुए कीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लाल परेड ग्राउंड पर दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

युवाओं के लिये लगाए गए अनेक स्टॉल्स

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में सीएम यूथ कॉन्क्लेव में यूथ आइकॉनिक सिंगर जुबिन

नौटियाल और कबीर कैफे द्वारा मंत्रमुग्ध करने वाली सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गयीं। मेरी चौखट पर चलकर आज प्रभु श्रीराम आए हैं, शंकर संकट हरना, श्रीकृष्ण गोविंद हरे मुरारी जैसे भजनों पर युवा झूम उठे। लाल परेड मैदान युवाओं के उत्साह, उमंग और ऊर्जा से सराबोर हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर नेशनल एआई लिरैरीसी मिशन के कौशल रथ द्वारा संचालित गतिविधियों का अवलोकन किया। उन्होंने युवाओं द्वारा प्रस्तुत नुक्कड़ नाटक भी देखा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम स्थल पर युवाओं के लिए मानसिक स्वास्थ्य, योग, करियर गाइडेंस, भारतीय ज्ञान परम्परा, कौशल उन्नयन, आयुष और नवाचार से उद्यमिता तक की थीम पर लगाए गए स्टॉल्स का अवलोकन भी

वॉडियो प्रस्तुति दी गई। कार्यक्रम में उच्च शिक्षा मंत्री इंद्र सिंह परमार, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर, विधायक भगवानदास सबनानी, विधायक रामेश्वर शर्मा तथा अन्य जनप्रतिनिधि और अधिकारीगण उपस्थित थे।

राज्य स्तर पर 5 करोड़ रूपए का आइडिया फंड बनाया जाएगा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि युवाओं स्टार्टअप आइडिया को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य स्तर पर 5 करोड़ रूपए का आइडिया फंड बनाया जाएगा। विश्वविद्यालय स्तर भी शोध को प्रोत्साहित किया जाएगा। राष्ट्रीय सेवा योजना की प्रदेश में 500 नई इकाईयां बनाई जाएंगी। प्रत्येक संभाग में कामकाजी महिलाओं के लिए हॉस्टल बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में वर्ष 2027 में पुनः ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन होगा, जिससे सम्पूर्ण प्रदेश में युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।



नाड़ी विश्लेषण, आयुर्वेद का विज्ञान और भारत का गौरव : राज्यपाल

राज्यपाल ने किया राष्ट्रीय संगोष्ठी नाड़ी विश्लेषण- 2026 का शुभारंभ

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि नाड़ी विश्लेषण विज्ञान, भारत की समृद्ध चिकित्सकीय ज्ञान परंपरा है। यह विज्ञान के साथ भारतीय ज्ञान की गौरवशाली विरासत भी है। आधुनिक तकनीक और आयुष विज्ञान के साथ नाड़ी विश्लेषण को जोड़ना और विस्तारित करना स्वस्थ, सशक्त और विकसित भारत बनाने का मार्ग है। उन्होंने संगोष्ठी के आयोजन की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि सबके लिए स्वास्थ्य के लक्ष्य की पूर्ति में आयुर्वेद महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है, क्योंकि यह स्वस्थ जीवनशैली और स्व-देखभाल को बढ़ावा देता है। नाड़ी विश्लेषण, कम खर्चीली, बिना किसी शारीरिक नुकसान की जाँच विधि

है, जिसमें जटिल उपकरणों की आवश्यकता नहीं होती है। इसलिए नाड़ी विश्लेषण ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों में सस्ती, सुलभ और निवारक स्वास्थ्य सेवाओं के द्वारा जन स्वास्थ्य को नया आयाम दे सकती है। राज्यपाल श्री पटेल मंगलवार को नाड़ी विश्लेषण – 2026 पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी का आयोजन, राष्ट्रीय आयुष मिशन और पं. खुशीलाल शर्मा शासकीय आयुर्वेद महाविद्यालय भोपाल के संयुक्त तत्वाधान में नाड़ी परीक्षा की व्यवहारिक तकनीकों की खोज एवं निदान में नाड़ी का नैदानिकी महत्व विषय पर किया गया था।

स्वस्थ जीवन और वेलनेस को बढ़ाता है आयुर्वेद

राज्यपाल श्री मंगुभाई पटेल ने कहा कि आज दुनिया आयुर्वेद केहॉलिस्टिक विजन और जीवन



विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस मनाया गया

दमोह (स्वतंत्र मत)। 6 अक्टूबर को विश्व सेरेब्रल पाल्सी दिवस के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दिवस का उद्देश्य सेरेब्रल पाल्सी से प्रभावित व्यक्तियों के प्रति समाज में जागरूकता, संवेदनशीलता एवं सकारात्मक सोच को बढ़ावा देना तथा उर्ध्व शिक्षा, पुनर्वास और समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए प्रोत्साहित करना है। कार्यक्रम में विशेष बच्चों की आवश्यकताओं, उनकी क्षमताओं एवं अधिकारों के प्रति जागरूकता का संदेश दिया गया। साथ ही विशेष बच्चों को आत्मनिर्भर बनाने तथा उनके सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा एवं पुनर्वास के महत्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर अध्यक्ष अभय कुमार दुबे, अभिभावकगण, विशेष शिक्षिकाएं मानसी एवं आकांक्षा, कार्यालय सहायक प्रवीण पटेल एवं केयर गिवर उषा नामदेव परेंट बबोता जैन सहित संस्था के सभी सदस्य उपस्थित रहे। हर व्यक्ति में अपनी एक विशेष क्षमता होती है। समान अवसर, सम्मान और सहयोग के साथ हर विशेष बच्चा समाज की मुख्यधारा में आगे बढ़ सकता है। आई दिव्यांगजनों के सम्मान, अधिकार एवं समावेशी समाज के निर्माण में अपना योगदान दे।

श्रीकृष्ण की ब्रज लीला में छिपा पूर्व जन्मों का अद्भुत रहस्य : रवि शास्त्री



दमोह (स्वतंत्र मत)। पितृपक्ष में पितरों के निमित्त ग्राम मारुताल में चल रही श्रीमद् श्रीमद्भगवत कथा के चतुर्थ दिवस कथा व्यास रवि शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण की ब्रजलीला का वर्णन करते हुए नंद यशोदा, वसुदेव, देवकी, गोपियों तथा ग्वाल बालों के पूर्वजन्म से जुड़े अद्भुत शास्त्रीय रहस्यों का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण की ब्रजलीला

में जिन भक्तों ने भगवान के साथ माता पिता, सखा और प्रेम भक्ति के विभिन्न संबंधों का अनुभव किया, उनका प्राकट्य सामान्य सांसारिक जन्म नहीं माना गया है बल्कि अनेक शास्त्रों में उन्हें भगवान के दिव्य पार्षदों, देवशक्तियों और पूर्वजन्म में भगवान की आराधना करने वाले महान भक्तों के रूप में वर्णित किया गया है। नंद महाराज और माता यशोदा के पूर्वजन्म का स्पष्ट प्रमाण श्रीमद्भगवत तथा गर्ग संहिता दोनों में मिलता है।

गर्ग संहिता के गोलोकखंड में भगवान की लीला के संबंध में स्पष्ट वर्णन है अर्थात नंद महाराज पूर्वजन्म में द्रोण नामक वसु और माता यशोदा धरा थीं। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को पुत्र रूप में प्राप्त करने के लिए तपस्या की थी श्रीमद्भगवत दशम स्कंध में भी द्रोण के नंद और धरा के यशोदा रूप में प्रकट होने का स्पष्ट उल्लेख है वसुदेव और देवकी के विषय में श्रीमद्भगवत स्वयं भगवान श्रीकृष्ण के मुख से प्रमाण देता है।



वात्सल्य एवं प्रेम से परिपूर्ण लीला थी। भगवान प्रेम के वशीभूत होते हैं और जहां निष्कपट भक्ति होती है, वहां भगवान स्वयं भक्तों के बीच उपस्थित रहते हैं। इसके पश्चात कालिया मर्दन प्रसंग सुनाया।

उन्होंने बताया कि यमुना नदी में कालिया नाग के विष के कारण जल दूषित हो गया था और आसपास का वातावरण भी प्रभावित हो रहा था। भगवान श्रीकृष्ण ने यमुना में प्रवेश कर कालिया नाग का मर्दन किया और उसके अहंकार को समाप्त किया।

भगवान श्रीकृष्ण और बलराम जब मथुरा पहुंचे तो उन्होंने अत्याचार और अधर्म के प्रतीकों का सामना किया। धृष्ट्य यज्ञ के प्रसंग के माध्यम से भगवान ने यह संदेश दिया कि जब-जब समाज में अधर्म और अन्याय बढ़ता है, तब

धर्म की स्थापना के लिए ईश्वर का अवतार होता है। भगवान श्रीकृष्ण और माता रुक्मणी के विवाह का प्रसंग में बताया कि रुक्मणी भगवान श्रीकृष्ण को अपने आराध्य एवं पति के रूप में स्वीकार कर चुकी थीं। जब उनके विवाह की तैयारी अन्यत्र की जा रही थी तब उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण को संदेश भेजकर अपनी मनोकामना व्यक्त की। भगवान श्रीकृष्ण रुक्मणी की पुकार सुनकर उन्हें लेने पहुंचे और उनका हरण कर विवाह किया। कथा के इस प्रसंग के दौरान श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। रुक्मणी विवाह भगवान और भक्त के अद्वु प्रेम एवं समर्पण का प्रतीक है। जो भक्त पूर्ण विश्वास और श्रद्धा के साथ भगवान की शरण में जाता है भगवान उसकी पुकार अवश्य सुनते हैं। कथा के दौरान भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं और रुक्मणी विवाह के प्रसंग पर श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से जयकारे लगाए जिससे कथा स्थल भक्तिमय हो उठा।

अग्रसेन जयंती पर सूपा सजाओ और टिश्यू प्लावर प्रतियोगिता

हटा (स्वतंत्र मत)। अग्रसेन जयंती के उपलक्ष्य में अग्रवाल समाज की ओर से सोमवार को विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। भोले फौजदार के संचालन में हुए कार्यक्रम में सूपा सजाओ और टिश्यू से प्लावर बनाओ प्रतियोगिता में महिलाओं ने उत्साह के साथ भाग लेकर अपनी रचनात्मकता दिखाई। सूपा सजाओ प्रतियोगिता में 14 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। इसकी प्रायोजक श्रीमती स्वाति जगदीश फौजदार रही। निर्णायक मंडल में श्रीमती रीता अग्रवाल, श्रीमती निशु मयंक बजाज और श्रीमती निधि अग्रवाल राजेश पंप शामिल रही। वहीं टिश्यू से प्लावर सजाओ प्रतियोगिता में 24 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रायोजक मंजू दिनेश फौजदार रही निर्णायक के रूप में श्रीमती रितु हेरन्द अग्रवाल, श्रीमती पुनम अग्रवाल और कुमारी श्रेया उपाध्याय ने प्रतिभागियों का मूल्यांकन किया। अग्रसेन जयंती के तहत आयोजित अन्य प्रतियोगिताओं में पहले आओ इनाम पाओ में श्रीमती सीमा दिनेश गुलरिया विजेता रहीं। एक मिनट प्रतियोगिता में श्रीमती मंजू ब्या ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

वृद्धाश्रम पहुंचकर फल एवं स्वल्पाहार वितरित

दमोह (स्वतंत्र मत)। पितृपक्ष पर गुजराती बाज खेड़ावार समाज द्वारा सेवा एवं मानवता को मिसाल पेश करते हुए जिला वृद्धाश्रम पहुंचकर वृद्धजनों एवं असहाय लोगों को फल एवं स्वल्पाहार वितरित किया गया। इस दौरान समाज के सदस्यों ने वृद्धजनों से आत्मीय संवाद कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस सेवा कार्य में गुजराती बाज खेड़ावार मंडल अध्यक्ष सौरभ सेलट, अनूप दवे, राजेश दवे, विवेक जोशी, मयंक जोशी सहित समाज के सम्मानित एवं वरिष्ठ परिवजनों की उपस्थिति रही।

म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रदेश जलपुर नेता जी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज के पास धनवंतरी नगर, जबलपुर 482003

सर्व सार्वजनिक को सुचित किया जाता है कि म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल द्वारा निर्मित सिविल नगरपालिका जबलपुर स्थित भवन क्रमांक 04-08-38 श्री मनमोहन तिवारी पिता स्व. श्री डी.डी.तिवारी को आवंटित है, जिसका विक्रय विक्रेता दिनांक 26.04.1988 को निष्पादित हो चुका है। आवंटि श्री मनमोहन तिवारी पिता स्व. श्री डी.डी. तिवारी का निधन दिनांक 30.08.2013 को हो गया है। उनके द्वारा पंजीकृत वसीयतनामा दिनांक 15.10.2003 के द्वारा श्रीमती निमल तिवारी पति श्री मनमोहन तिवारी के नाम वसीयत की थी, एवं उनकी मृत्यु उत्तराधि श्रीमती तिवारी पुत्री स्व.श्री मनमोहन तिवारी एवं कु. सोन्या तिवारी पुत्री श्री अमिल कुमार तिवारी के पक्ष में होगी। श्रीमति निमल तिवारी पति श्री मनमोहन तिवारी की मृत्यु दिनांक 18.10.2024 को हो चुकी है। अतः श्रीमति दीपा तिवारी पुत्री स्व.श्री मनमोहन तिवारी एवं कु. सोन्या तिवारी पुत्री श्री अमिल कुमार तिवारी के द्वारा उत्तर भवन उनके नामांतरण करने हेतु वसीयतनामा, मृत्यु प्रमाण पत्र, स्वयं का शपथपत्र एवं अन्य आवश्यक दस्तावेजों के साथ उत्तर भवन के नामांतरण हेतु आवेदन / दस्तावेज इस कार्यालय में प्रस्तुत किये हैं, उसके आधार पर संपत्ति के नामांतरण की कार्यवाही इस कार्यालय में प्रचलन में है यदि किसी व्यक्ति / संस्था को उत्तर भवन नामांतरण वास्तु आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित एवं वेब आपत्ति सत्रायण हेतु उपस्थित नगरपालिका प्रशासन के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा डॉ. गोपाल दास रावत पिता श्री भगवान दास रावत एवं श्रीमती उर्मिला रावत पति डॉ. गोपाल दास रावत के द्वारा उत्तर भवन को फ्री होल्ड करने हेतु नियमानुसार निर्धारित राशि जमा कर इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उत्तर भवन का विक्रय-वितेल दिनांक 06.09.2022 को निष्पादित हो चुका है। उत्तर भवन का विक्रय- वितेल दिनांक 07.12.2013 को निष्पादित हो चुका है। उत्तर संपत्ति की लीज फ्री होल्ड की कार्यवाही प्रचलन में है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा डॉ. गोपाल दास रावत पिता श्री भगवान दास रावत एवं श्रीमती उर्मिला रावत पति डॉ. गोपाल दास रावत को आवंटित धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक एच.आई.जी. - 67 लीज फ्री होल्ड किया जावेगा एवं किसी भी संस्था / व्यक्ति का दावा मान्य नहीं होगा।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रदेश जलपुर



संयुक्त बैठक में दशहरा-दीपावली पर्वों को लेकर हुए महत्वपूर्ण निर्णय

दमोह (स्वतंत्र मत)। सकल हिंदू समाज के तत्वाधान में श्रीराम जी सेवा समिति, श्री राम दल सेवा समिति, दुर्गा मंडल समितियों एवं अन्य सहयोगी संस्थाओं की एक महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय नीलकमल गार्डन में संपन्न हुई। बैठक में आगामी शारदीय नवरात्र, दशहरा एवं दीपावली पर्वों को हार्मोलास एवं सुखव्यस्थित रूप से मनाने को लेकर विस्तृत चर्चा कर सर्वसम्मति से निर्णय लिए गए। प्रारंभ में प्रारंभ में सकल हिंदू समाज के जिलाअध्यक्ष कपिल सोनी ने बैठक का प्रयोजन बिन्दुवार प्रस्तुत किया। जिस पर उपस्थित जनप्रतिनिधि, सामाजिक प्रतिनिधि एवं नागरिकों ने अपने रचनात्मक सुझाव रखें। निर्णय अनुसार इस वर्ष अश्विन नवरात्र की घट स्थापना 11 अक्टूबर से प्रारंभ होगी। जवारे की दिन गणना के अनुसार 19 अक्टूबर को महानवमी मनाई जाएगी तथा 20 अक्टूबर को दशहरा का चल समारोह निकाला जाएगा।

रामदल 18 अक्टूबर को एवं रावण दहन 19 अक्टूबर को संपन्न होगा, ऐसा निर्णय लिया गया।बैठक में शहर के गणमान्य नागरिकों एवं जनप्रतिनिधियों ने अपने महत्वपूर्ण सुझाव रखे। सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया कि नवरात्रि एवं दशहरे पर्व के महेनगर शहर की मूलभूत व्यवस्थाओं विशेषकर बिजली आपूर्ति, जल आपूर्ति एवं सड़कों पर हो रहे गड्डों के सुधार हेतु, जवारे के विसर्जन के संबंध में एवं अन्य व्यवस्थाओं को सुधारने जिला प्रशासन के समक्ष बात रखी जाएगी। बैठक के अंत में श्रीराम जी सेवा समिति दमोह के सेवादार एडवोकेट अनुपम श्रीवास्तव द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया गया।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर लोककर्म विभाग संशोधन सूचना N.I.T.NO.:/PWD/2026-27/04/E-tendering/PRO-651. Date 06/10/2016 नगर निगम जबलपुर के अंतर्गत संभाग क्रमांक-04, पं. बनारसी दास भगवत वाई में द्वारका परिसर के पास, बह्माकुमारी केंद्र के समीप स्थित जाली में सी.सी. सड़क निर्माण कार्य (पार्षद अनुसंधान) हेतु जारी 8वीं बिबिदा (दिनांक 21.09.2026, PRO क्र. 588) के संबंध में सूचित किया जाता है। पूर्व में समाचार पत्रों में प्रकाशित बिबिदा सूचना में टंकण/तकनीकी त्रुटिवश टेंडर ID 2026_UAD_533108 -1 अंकित हो गया था। अतः इस संशोधन सूचना के माध्यम से उक्त कार्य की सही टेंडर ID 2026_UAD_533908 -1 पढ़ी एवं समझी जाए।

कार्यालय नगर पालिक निगम, जबलपुर लोककर्म विभाग संशोधन सूचना N.I.T.NO.:/PWD/2026-27/04/E-tendering/PRO-651. Date 06/10/2016 नगर निगम जबलपुर के अंतर्गत संभाग क्रमांक-04, पं. बनारसी दास भगवत वाई में द्वारका परिसर के पास, बह्माकुमारी केंद्र के समीप स्थित जाली में सी.सी. सड़क निर्माण कार्य (पार्षद अनुसंधान) हेतु जारी 8वीं बिबिदा (दिनांक 21.09.2026, PRO क्र. 588) के संबंध में सूचित किया जाता है। पूर्व में समाचार पत्रों में प्रकाशित बिबिदा सूचना में टंकण/तकनीकी त्रुटिवश टेंडर ID 2026_UAD_533108 -1 अंकित हो गया था। अतः इस संशोधन सूचना के माध्यम से उक्त कार्य की सही टेंडर ID 2026_UAD_533908 -1 पढ़ी एवं समझी जाए।

सर्वसाधारण को सुचित किया है कि धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक एच.आई.जी. -67 डॉ. गोपाल दास रावत पिता श्री भगवान दास रावत एवं श्रीमती उर्मिला रावत पति डॉ. गोपाल दास रावत के द्वारा उत्तर भवन को फ्री होल्ड करने हेतु नियमानुसार निर्धारित राशि जमा कर इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उत्तर भवन का विक्रय- वितेल दिनांक 07.12.2013 को निष्पादित हो चुका है। उत्तर संपत्ति की लीज फ्री होल्ड की कार्यवाही प्रचलन में है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा डॉ. गोपाल दास रावत पिता श्री भगवान दास रावत एवं श्रीमती उर्मिला रावत पति डॉ. गोपाल दास रावत को आवंटित धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक एच.आई.जी. - 67 लीज फ्री होल्ड किया जावेगा एवं किसी भी संस्था /व्यक्ति का दावा मान्य नहीं होगा।

संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल, प्रदेश जलपुर

150 से अधिक मरीजों की हुई जांच, जरूरतमंदों बांटे चश्मे

दमोह (स्वतंत्र मत)। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत मानस भवन दमोह में निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं उपकरण वितरण शिविर का शुभारंभ मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष श्याम शिवहरे ने किया। साथ ही जबेरा, पथरिया, हटा में भी नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविरों का आयोजन किया गया। शिविर में 150 से अधिक मरीजों का नेत्र परीक्षण किया गया। जांच के उपरांत मरीजों को उनकी आवश्यकता के अनुसार चश्मे



जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाना और समय पर नेत्र संबंधी समस्याओं की पहचान कर उनका उपचार एवं आवश्यक सहायता उपलब्ध कराना रहा। सेवा कार्य की यह श्रृंखला आगे भी निरंतर जारी रहेगी। कार्यक्रम में भाजपा जिला महामंत्री महेश पटेल, जिला उपाध्यक्ष संजय यादव, अमित बजाज, जिला मंत्री भरत यादव, जिला कार्यालय मंत्री देवकीनंदन पटेल, सह कार्यालय मंत्री दिलीप चौरसिया, नेत्र शिविर जिला प्रभारी संतोष रोहित, पूर्व

जिला महामंत्री सतीश तिवारी, मंडल अध्यक्ष रमाकांत बाजपेई, रीतेश सोनी, मोंटी रेकवार, नीलेश सिंघई, रिंकू गोस्वामी, संदीप शर्मा, पवन तिवारी, अमित राय, पार्षद यशपाल राजपूत, लालू जैन, अखिलेश सिंह घोषी, महेंद्र राठौर, आदित्य सिरोठियाए देवल कटारिया, जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. राकेश राय, जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. रीता चटर्जी, सिविल सर्जन डॉ. प्रहलाद पटेल एवं नेत्र विशेषज्ञ डॉ. सुधा राय, डॉ. प्रशांत रोहित, डॉ शैलेष अरिवरार, कल्लू तिवारी एवं अन्य कार्यकर्ता एवं नागरिक उपस्थित रहे।

